KIMAYA
Nurturing childhood with Divine Power

दीपमाला

(हिंदी पाठ्यपुस्तक)

- शिक्षाप्रद कहानियाँ
- शाब्दिक अर्थ
- अभ्यास-कार्य एवं व्याकरण

सहायक पुस्तिका

6-8

अदिति सक्सेना
एम०ए० (हिंदी)

विनय शर्मा
एम०ए० (संस्कृत)

E-LEARNING
INSTRUCTOR'S HANDBOOK
SOLVABLE QUESTIONNAIRE
LESSON PLANS
EXAM MAKER

1 स्वदेश प्रेम

अभ्यास

कविता-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (i) (ग) (iii)

2. कविता की पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए–

उत्तर– (क) ध्रुववासी, जो हिम में, तम में,
जी लेता है काँप-काँप कर।
वह भी अपनी मातृभूमि पर,
कर देता है प्राण निछावर।।

(ख) तुम जिसका जल-अन्न ग्रहण कर,
बड़े हुए लेकर जिसकी रज।
तन रहते कैसे तज दोगे,
उसको, हे वीरों के वंशज।।

3. निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– कवि भारतवासियों से कहता है कि तुम सभी को भारतभूमि से निश्चय ही अधिक प्रेम होना चाहिए क्योंकि यहाँ की धरती सुख-समृद्धि से युक्त समस्त वैभवों से परिपूर्ण तथा स्वर्ग से भी बढ़ रहा है। सभी देशों की धरती की अपेक्षा इस धरती पर जन्म पाना बड़े पुण्यों का फल है। तुम धन्य हो जो तुमने यहाँ जन्म पाया है।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) कवि के अनुसार विषुवत रेखा का वासी असहनीय गर्मी के कारण हाँफ-हाँफकर अपना जीवन व्यतीत करता है, फिर भी उस स्थान से लगाव के कारण वहाँ की भीषण गर्मी को छोड़कर वह शीतल प्रदेश में नहीं जाता। वह कष्ट उठाता हुआ भी अपनी मातृभूमि पर असाधारण प्रेम और अपार श्रद्धा रखता है।

(ख) कवि ने मातृभूमि को स्वर्ग से भी बढ़कर बताया है।

(ग) 'स्वदेश प्रेम' का अर्थ है–अपने देश से प्रेम करना तथा उसकी उन्नति व रक्षा के लिए अपना तन, मन, धन अर्पित कर देना।

(घ) प्रस्तुत कविता से हमें प्रेरणा मिलती है कि हमें अपने देश से प्रेम करना चाहिए। हमें हमेशा स्वाभिमान से जीना चाहिए तथा देश के लिए अपना तन, मन, धन न्यौछावर कर देना चाहिए।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए–

उत्तर– स्वर्ग = **नरक** मृत्यु = **जीवन**
आकाश = **पाताल** कड़वा = **मीठा**

2. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए–

उत्तर– वासी = **निवासी** रक्त = **खून**
सुखद = **सुखदाई** आकर = **घर**

3. निम्नलिखित शब्द-समूहों के लिए एक-एक शब्द लिखिए–

उत्तर– जो इस लोक का न हो = **अलौकिक**

जो भारत का वासी हो = **भारतवासी**
अपने देश में निर्मित वस्तु = **स्वदेशी**
देश से प्रेम करने वाला = **देशप्रेमी**

4. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– अनुराग = **प्रेम**
हमें अपनी मातृभूमि से अनुराग रखना चाहिए।
निछावर = **बलिदान**
हमें अपने देश के लिए अपना सब कुछ निछावर कर देना चाहिए।
शत्रुंजय = **शत्रुओं को जीतने वाला**
भारत के वीर सैनिक शत्रुंजय हैं।

5. निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी शुद्ध करके लिखिए–

उत्तर– अत्मगोरव = **आत्मगौरव** उंचा = **ऊँचा**
अलोकिक = **अलौकिक** शिरोमनी = **शिरोमणि**

2 हार की जीत

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (ii) (ख) (ii) (ग) (iii)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) बाबा भारती के घोड़े का नाम **सुल्तान** था।
(ख) लोग **खड्गसिंह** का नाम सुनकर काँपते थे।
(ग) घोड़ा **वायुवेग** से उड़ने लगा।
(घ) बाबा भारती की सारी रात **अस्तबल** की रखवाली में कटने लगी।
(ङ) रात्रि के अंधकार में खड्गसिंह बाबा भारती के **मंदिर** में पहुँचा।

3. सही कथन के सामने सत्य तथा गलत कथन के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) सत्य (ख) असत्य (ग) सत्य (घ) असत्य (ङ) सत्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) माँ को अपने बेटे और किसान को अपने लहलहाते खेत देखकर जो आनंद आता है, वही आनंद बाबा भारती को अपना घोड़ा देखकर आता था।
(ख) बाबा भारती के घोड़े को देखकर खड्गसिंह सोचने लगा कि ऐसा घोड़ा मेरे पास होना चाहिए। इस साधु को ऐसी चीजों से क्या मतलब।
(ग) सुलतान को पाने के लिए खड्गसिंह अपाहिज बनकर बाबा भारती की सहायता से उस पर सवार हो गया और अचानक सुलतान को दौड़कर ले गया।
(घ) बाबा भारती ने खड्गसिंह से यह प्रार्थना की कि इस घटना को किसी के सामने प्रकट न करना क्योंकि इस घटना का पता लगाने पर लोग किसी दीन-दुखी पर

विश्वास नहीं करेंगे। उस प्रार्थना का खड्गसिंह पर यह प्रभाव पड़ा कि वह बाबा भारती का प्रशंसक बन गया और सुलतान को उनके अस्तबल में बाँध आया।

(ङ) इस कहानी में भलाई की जीत हुई और बुराई की हार हुई।

भाषा-बोध

1. गलत पर्यायवाची पर (✗) का निशान लगाइए–

उत्तर–

मोर	–	मयूर	पिक ✗	शिखी
यश	–	प्रशंसा ✗	कीर्ति	प्रसिद्धि
छवि	–	आकृति	छबीली ✗	सूरत
घोड़ा	–	घुड़साल ✗	अश्व	घोटक
किसान	–	कृषक	वृषभ ✗	हलधर

2. सही विलोम चुनकर (✓) लगाइए–

उत्तर–

घृणा	–	प्रेम ✓	राग	ईर्ष्या
प्रसिद्ध	–	अप्रसिद्ध ✓	बहाल	बदनाम
अधीर	–	धीरज	सुधीर	धैर्यवान ✓
फूल	–	पुष्प	काँटा ✓	कुसुम
अस्वीकार	–	स्वीकार ✓	स्वीकृति	स्वीकार्य

ध्रुव

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (ii) (ख) (ii)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) राजा उत्तानपाद की पहली पत्नी का नाम **सुमति** तथा दूसरी पत्नी का नाम **सुरुचि** था।

(ख) सुमति के पुत्र का नाम **ध्रुव** था।

(ग) घर आकर ध्रुव ने सारी बात अपनी **माँ** को बताई।

(घ) घूमते-घूमते एक बार ध्रुव एक **जंगल** में पहुँचा।

(ङ) सुमति **राजमाता** बन गई।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) राजा अपनी बड़ी रानी का ध्यान नहीं रखता था। वह छोटी रानी को बहुत प्यार करता था। उसकी हर बात मानता था, जैसा वह कहती, वैसा ही करता था।

(ख) ध्रुव को अपनी माँ के दुःख दूर करने के लिए भगवान की खोज में अपने घर का त्याग करना पड़ा।

(ग) घर से निकलकर ध्रुव कई वर्षों तक भगवान के दर्शन के लिए अनेक नगरों में घूमता रहा।

(घ) ध्रुव जंगल में पेड़ के नीचे यह निश्चय करके आँखें बंद कर बैठा जब तक भगवान खुद नहीं आएँगे, वह आँखें नहीं खोलेगा।

(ङ) राज्य में जगह-जगह से लोगों की ये आवाजें उठने लगीं कि वे नहीं चाहते कि उनके ऊपर कोई राजा थोप दिया जाए क्योंकि वे अपना राजा खुद चुनना चाहते थे।

(च) ध्रुव को राजा इसलिए चुना गया क्योंकि वह गरीब मेहनती लोगों की सेवा करता था। वह उनकी बस्ती में जाकर उन्हें सुख पहुँचाने का कार्य करता था। वह बीमार लोगों की दिन-रात सेवा करता था। इस प्रकार वह लोगों में बहुत लोकप्रिय हो गया था।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त संयुक्ताक्षरों के योग से कोई तीन नए शब्द बनाइए–

उत्तर–

द्वार	द्व	=	**द्वारा**	**द्वारपाल**	**द्वितीय**
निश्चय	श्च	=	**निश्चित**	**पश्चात्**	**पश्चिमी**
व्यक्ति	क्त	=	**रक्त**	**भक्ति**	**शक्ति**
इच्छा	च्छ	=	**स्वच्छ**	**अच्छा**	**मच्छर**
बस्ती	स्त	=	**अस्त**	**ध्वस्त**	**परास्त**

2. 'र' के भिन्न रूपों का प्रयोग करते हुए छह-छह शब्द लिखिए–

उत्तर–

(क) क्रम	=	**भ्रम**	**नम्र**	**प्रकट**
		त्रिशूल	**ग्रहण**	**ब्रह्मा**
(ख) निर्बल	=	**दुर्बल**	**निर्जर**	**सूर्य**
		कर्म	**मार्ग**	**गर्म**
(ग) रमणीय	=	**राज**	**रजत**	**रखवाला**
		राखी	**रथ**	**रसीला**

अहिंसा की विजय

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (i) (ख) (iii) (ग) (ii)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) राजा प्रसेनजित महात्मा बुद्ध के **शिष्य** थे।

(ख) अंगुलिमाल के अत्याचार से प्रसेनजित की प्रजा **त्राहि-त्राहि** कर रही थी।

(ग) प्रसेनजित से विदा लेकर **महात्मा बुद्ध** उस जंगल की ओर चल पड़े जिसमें अंगुलिमाल रहता था।

(घ) महात्मा बुद्ध का **हृदय** तो लोगों के दुखों को देखकर दुखी था।

(ङ) महात्मा बुद्ध के मुख पर सदैव मुस्कान रहती थी और **तेज** चमकता रहता था।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) राजा प्रसेनजित कोशल राज्य के राजा थे और उनकी राजधानी का नाम श्रावस्ती था।

(ख) राजा के दुःखी होने का कारण डाकू अंगुलिमाल था जिसके अत्याचार से राजा की प्रजा त्राहि-त्राहि कर रही थी।

(ग) डाकू ने एक हजार आदमियों की हत्या करने की प्रतिज्ञा की थी। परंतु वह कितने आदमी मार चुका था, इसका हिसाब रखना उसके लिए कठिन था। इसलिए जब भी वह किसी का वध करता था तो उसकी एक अंगुली काट लेता था। अंगुलियों की उसने माला बनाई थी जो हमेशा उसके गले में लटकी रहती थी। इसी कारण उसका नाम अंगुलिमाल डाकू पड़ गया था।

(घ) महात्मा बुद्ध जंगल में जाते हुए सोच रहे थे, 'आदमी, आदमी को मारता क्यों है? जीव, जीव को देखकर प्रसन्न क्यों नहीं होता?'

(ङ) महात्मा बुद्ध के सामने जो व्यक्ति आया उसका ऊँचा कद, काला शरीर, भयानक चेहरा, लाल आँखें, बिखरे बाल, बड़ी-बड़ी मूँछें, लंबी मजबूत भुजाएँ, चौड़ा सीना था, हाथ में खड्ग थी।

(च) महात्मा बुद्ध के उपदेशों का डाकू अंगुलिमाल पर यह प्रभाव पड़ा कि उसने हिंसा का जीवन सदा के लिए त्याग दिया और उनका शिष्य बन गया।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए–

उत्तर–

सूर्यास्त	=	**सूर्य + अस्त**	प्रत्येक	=	**प्रति + एक**
धर्मात्मा	=	**धर्म + आत्मा**	देवालय	=	**देव + आलय**
प्रत्युपकार	=	**प्रति + उपकार**	महर्षि	=	**महा + ऋषि**
महात्मा	=	**महा + आत्मा**	नरेश	=	**नर + ईश**

2. निम्नलिखित शब्द-युग्मों का अर्थभेद वाक्य-प्रयोग द्वारा स्पष्ट कीजिए–

उत्तर–

(क) तेज = उसके चेहरे पर तेज था।
तेज़ = वह बहुत तेज़ दौड़ता है।

(ख) राज = राजा प्रसेनजित कौशल देश पर राज करते थे।
राज़ = अंगुलिमाल महात्मा बुद्ध की निर्भीकता का राज़ न समझ सका।

5 सेर को सवा सेर

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (i) (ख) (ii) (ग) (ii)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर–

(क) अकबर के शासन काल की राजधानी **आगरा** थी।

(ख) साधुओं को **पसीना** आ गया।

(ग) अकबर ने **तानसेन** की बात मान ली।

(घ) दरबार में **सन्नाटा** छा गया।

(ङ) तानसेन ने गर्व से **अकबर** की ओर देखा।

3. सही कथन के सामने सत्य तथा गलत कथन के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) सत्य (ख) असत्य (ग) असत्य (घ) सत्य (ङ) सत्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) साधुओं ने आगरा में प्रवेश किया।

(ख) पहरेदार साधुओं का कीर्तन बंद कराने और उन्हें अकबर के दरबार में जाने के लिए दौड़ा-दौड़ा आया।

(ग) तानसेन संगीत पर अपना अधिकार समझता था इसलिए वह अन्य गायकों से ईर्ष्या करता था।

(घ) दरबार की अनुचित आज्ञा सुनकर किशोर बैजू ने निश्चय किया कि वह तानसेन का घमंड जरूर तोड़ेगा।

(ङ) तानसेन ने अपने संगीत से पत्थर को मोम की तरह पिघला दिया।

(च) तानसेन बैजू बावरा से संगीत प्रतिस्पर्धा में हारकर व उसकी बात से प्रभावित होकर उसके चरणों में झुका

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित शब्दों में से विशेषण शब्द अलग कीजिए–

उत्तर– मधुर आवाज = **मधुर** भयभीत साधु = **भयभीत**

सच्चा गुरु = **सच्चा** कीमती गहने = **कीमती**

2. विपरीतार्थक शब्द लिखकर वाक्य पूरे कीजिए–

उत्तर– (क) अब तो गंगा नदी का जल भी **अशुद्ध** हो गया है।

(ख) चंद्रमा भी **कलंक-रहित** नहीं है।

(ग) **निस्संदेह** यह कार्य हरि के चाचा ने ही किया है।

(घ) हमें **अनुचित** बात का विरोध करना चाहिए।

6 मेरी माँ

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (i) (ग) (iii)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) थोड़े ही दिनों में माताजी ने सभी **गृहकार्यों** को समझ लिया।

(ख) जब से रामप्रसाद बिस्मिल ने **आर्यसमाज** में प्रवेश किया, तब से माताजी से उनका खूब वार्तालाप होता।

(ग) अपनी माँ की दया से ही बिस्मिल **देशसेवा** में संलग्न हो सके।

(घ) बिस्मिल की माँ सदैव अपनी प्रेमभरी वाणी सुनाते हुए उन्हें **सांत्वना** देती रहीं।

3. सही कथन के सामने सत्य तथा गलत कथन के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) सत्य (ख) सत्य (ग) असत्य (घ) असत्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) रामप्रसाद 'बिस्मिल' क्रांतिकारी थे।

(ख) बिस्मिल की माँ का विवाह ग्यारह वर्ष की आयु में हो गया था।

(ग) बिस्मिल की माँ ने गृहकार्य अपनी साँस की छोटी बहन से जानकर सीखा व अक्षर मोहल्ले की सहेलियों की सहायता से सीखा।

(घ) बिस्मिल की माता जी उन्हें देश सेवा के लिए प्रोत्साहित करती थी। वे संकटों में बिस्मिल को अधीर नहीं होने देती थी।

(ङ) गुरु गोविंद सिंह की धर्मपत्नी की चर्चा धर्म-रक्षार्थ अपने पुत्रों का बलिदान करने के संदर्भ में की गई है।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक-एक शब्द लिखिए–

उत्तर–

जो पढ़ना-लिखना न जानता हो	=	**अनपढ़**
जन्म देने वाली	=	**जन्मदात्री**
जिसका वर्णन न किया जा सके	=	**अवर्णनीय**
इतिहास से संबंधित	=	**ऐतिहासिक**

2. दिए गए निपातों का प्रयोग कर वाक्य बनाइए–

उत्तर–

तो	=	वह तो अभी तक खाना खा रहा है।
भी	=	हमारे साथ विवेक भी खेलने जाएगा।
ही	=	उन्होंने मुझे एक ही पुस्तक दी।
भर	=	माताजी का उपकार मैं जीवन भर नहीं भूलूँगा।
तक	=	वह केवल दसवीं कक्षा तक पढ़ा है।

3. दिए गए शब्दों से तीन नए शब्दों की रचना कीजिए–

उत्तर–

ग्राम	=	**ग्रामीण**	**ग्रामगत**	**ग्राम्य**
शिक्षा	=	**शिक्षार्थ**	**शिक्षित**	**शैक्षिक**
ऋण	=	**ऋणी**	**ऋणात्मक**	**उऋण**
जीवन	=	**जीवनी**	**जीवनदायी**	**जीवनदायिनी**
सहायता	=	**सहायतापूर्ण**	**सहायक**	
सफल	=	**सफलता**	**सफलतापूर्ण**	**साफल्य**

4. निम्नलिखित श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्दों का वाक्य-प्रयोग द्वारा अंतर स्पष्ट कीजिए–

उत्तर–

(क)	आय	=	**उसकी आय बहुत कम है।**
	आयु	=	**वह कम आयु में ही न्यायाधीश बन गया।**
(ख)	परिशोध	=	**वह सेठ जी का ऋण-परिशोध न कर सका।**
	प्रतिशोध	=	**क्रांतिकारियों ने अंग्रेजों से लाला लाजपतराय की मृत्यु का प्रतिशोध लिया।**
(ग)	परिमाण	=	**उसे वस्तुओं का परिमाण ज्ञात नहीं था।**
	प्रमाण	=	**उसने अदालत में अपनी बेगुनाही का प्रमाण प्रस्तुत किया।**
(घ)	बलि	=	**क्रांतिकारियों ने देश के लिए अपने प्राणों की बलि दी।**
	बालि	=	**बालि सुग्रीव का भाई था।**

7 कोशिश करने वाले की

अभ्यास

कविता-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (i) (ख) (i) (ग) (ii) (घ) (iii)

2. कविता की पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए–

उत्तर– (क) नन्ही चींटी जब दाना लेकर चलती है,
चढ़ती दीवारों पर, सौ बार फिसलती है।

(ख) मन का विश्वास रगों में साहस भरता है,
चढ़कर गिरना, गिरकर चढ़ना न अखरता है।

(ग) जब तक न सफल हो, नींद-चैन को त्यागो तुम,
संघर्ष का मैदान छोड़कर मत भागो तुम।

3. निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– इन पंक्तियों का भाव यह है कि असफलता को चुनौती के रूप में स्वीकार करना चाहिए। पिछले प्रयास में क्या किया और उसमें क्या कमी है–इन बातों की समीक्षा करके अपने कार्य में सुधार करना चाहिए। पुनः उत्साह से प्रयास करना चाहिए। जब तक सफल नहीं होते तब तक नींद और आराम को छोड़ देना चाहिए। कभी संघर्ष का मैदान छोड़कर भागना नहीं चाहिए। क्योंकि सफलता प्राप्त करने के लिए कठोर परिश्रम करना पड़ता है।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) लहरों का उदाहरण कवि ने बिना डरे नौका पार करने और चींटी का उदाहरण कवि ने बार-बार फिसलकर दीवार पर चढ़ने के संदर्भ में दिया है।

(ख) सफलता प्राप्त करने का मंत्र लगातार कोशिश करना हैं

(ग) नहीं

(घ) असफलता को चुनौती के रूप में लेने से सफलता अवश्य मिलती है।

(ङ) संसार में अपने जीवन में सफलता प्राप्त करने वाले की जय-जयकार होती है क्योंकि वे निरंतर कोशिश करके सफलता प्राप्त करते हैं।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर–

पानी	=	**जल**	**नीर**	नौका	=	**नाव**	**तरणी**
कोशिश	=	**प्रयत्न**	**प्रयास**	हाथ	=	**हस्त**	**कर**
चींटी	=	**पिपीलिका**	**पिपली**	सिंधु	=	**सागर**	**समुद्र**

2. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए–

उत्तर– जो काम से जी चुराए = **कामचोर** जो कार्य में लगा रहे = **परिश्रमी**
नाव चलाने वाला = **नाविक** समुद्र में कूदने वाला = **गोताखोर**

3. कविता में से तुकांत शब्द छाँटकर लिखिए–

उत्तर–

पार	=	**हार**	चलती	=	**फिसलती**	भरता	= **अखरता**
लगाता	=	**आता**	पानी	=	**हैरानी**	स्वीकार	= **सुधार**
त्यागो	=	**भागो**	बेकार	=	**हार**		

8 फोटो अलबम

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (ii) (ख) (i) (ग) (i) (घ) (i)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) पंडित शादीराम को लाला सदानंद के **पाँच सौ** रुपये देने थे।
(ख) लाला सदानंद चाहते थे कि पंडित जी **रुपये** लौटाने का यत्न न करें।
(ग) घोर निराशा ने **आशा** के द्वार बंद कर दिए थे।
(घ) लाला सदानंद ने **चित्र** प्राप्त किए और उन्हें एक एलबम में लगवाया।
(ङ) एक दिन लाला सदानंद **चारपाई** पर लेटे थे।

3. सही कथन के सामने सत्य तथा गलत कथन के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) सत्य (ख) असत्य (ग) सत्य (घ) सत्य (ङ) असत्य

4. निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– (क) **भाव–**इन पंक्तियों का भाव यह है कि अत्याचारी मानवता के विरुद्ध कार्य करने के लिए अत्याचार करता है तो हम उसका विरोध करने के लिए उसका समाना उठाकर कर सकते हैं, परंतु भलामानस मानवता के कार्य करता है या हम पर उपकार करता है इसलिए हम कृतज्ञता का अनुभव करके उसके सामने आँखें नहीं उठा सकते।

(ख) **भाव–**इन पंक्तियों का भाव हय है कि लाला सदानंद के कहने से पंडित शादीराम जी प्रत्येक दिन डाकिये की प्रतीक्षा करते है। और सोचते है कि आज कोई न कोई चिट्ठी आयेगी। ऐसे ही जब दिन बीत जाता है और कोई चिट्ठी नही आती तो रात को पंडित शादीराम जी निराश हो जाते है और उनकी आशा सड़क पर उड़ने वाली धूल की तरह घोर निराश में बदल जाती है।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) पंडित शादीराम गरीब थे वे भूखे रह-रहकर पैसे बचाते थे मगर जब कुछ पैसे जमा हो जाते तो कोई न कोई ऐसा खर्च निकल आता कि सारे रुपये उड़ जाते इसलिए पंडित शादीराम कर्ज नहीं उतार पा रहे थे।

(ख) लाला सदानंद ने पंडित जी को पुरानी पत्रिकाओं का यह उपयोग बताया कि इनके रंगीन और सुंदर चित्र चित्रकला के बढ़िया नमूने हैं। अगर ये किसी शौकीन को पसंद आ जाएँ तो हजार-दो हजार रुपये आसानी से मिल सकते हैं।

(ग) पंडित शादीराम को उन चित्रों से आशा की किरण आती इसलिए दिखाई दी क्योंकि वे अच्छे चित्र थे और उन्हें लगा कि उनमें से प्रत्येक चित्र से दस-दस रुपये मिल सकते हैं।

(घ) पंडित जी के दो-सौ चित्रों को लाला सदानंद ने एक अलबम में लगवाकर समाचार-पत्रों में उस अलबम का विज्ञापन दिया। एक दिन कोलकाता के एक मारवाड़ी सेठ ने पंडित शादीराम को अलबम खरीदने के लिए पत्र लिखा तो इस प्रकार पंडित जी के भाग्य जाग गए।

(ङ) जब बीमार लाला सदानंद चारपाई पर लेटे थे तो पंडित जी को लाल जी के सिरहाने के नीचे कोई चीज चुभती हुई जान पड़ी। उन्होंने हाथ नीचे डालकर देखा तो उन्हें मालूम हुआ कि यह वही अलबम था जिसे किसी सेठ ने नहीं बल्कि स्वयं लाल सदानंद ने खरीदा था। इस प्रकार अलबम का रहस्य खुल गया।

भाषा-बोध

1. निम्न शब्दों में से मूल शब्द और प्रत्यय अलग कीजिए–

उत्तर–

शब्द	मूल शब्द	प्रत्यय	शब्द	मूल शब्द	प्रत्यय
सफलता	**सफल**	**ता**	लोभी	**लोभ**	**ई**
मासिक	**मास**	**इक**	कर्जदार	**कर्ज**	**दार**
पंडिताई	**पंडित**	**आई**	मनोहारी	**मनोहर**	**ई**
भरोसेमंद	**भरोसे**	**मंद**			

2. इन शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए–

उत्तर–

अपमान	=	**सम्मान**	अंधकार	=	**प्रकाश**	ऋणी	=	**उऋण**
कृतज्ञ	=	**कृतघ्न**	आशीर्वाद	=	**अभिशाप**	शांति	=	**अशांति**
निश्चित	=	**अनिश्चित**	उदारता	=	**अनुदारता**	आशा	=	**निराशा**
गरीब	=	**अमीर**						

3. उदाहरण देखिए और इन मूल शब्दों से तीन-तीन अन्य शब्द बनाइए–

उत्तर–

हृदय	=	**सहृदय**	**हृदयविदारक**	**हृदयहीन**
आशा	=	**आशावान**	**आशारहित**	**आशातीत**
सुंदर	=	**सुंदरता**	**सुंदरी**	**सौंदर्य**
चिंता	=	**चिंतित**	**चिंतामग्न**	**चिंतारहित**

4. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर–

ऋण	=	**गरीब व्यक्ति हमेशा ऋण के बोझ से दबे रहते हैं।**
साल	=	**मेरा जन्मदिन साल में एक बार ही आता है।**
निश्चिंत	=	**मेहनती व्यक्ति निश्चिंत होते हैं।**
कष्ट	=	**वह बीमारी से कष्ट में है।**
विज्ञापन	=	**व्यापारी विज्ञापन द्वारा जनता तक पहुँच बनाते हैं।**
समान	=	**कानून की दृष्टि में सभी लोग समान हैं।**

9 संस्कृति क्या है?

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (ii) (ख) (ii) (ग) (iii)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) सभ्यता मनुष्य का वह गुण है जिससे वह अपनी **बाहरी** तरक्की करता है।

(ख) संस्कृति ठाठ-बाट नहीं, **विनय** और **विनम्रता** है।

(ग) संस्कृति बहुत ही **सूक्ष्म** व **महीन** है।

(घ) संस्कृति का स्वभाव है कि वह **आदान-प्रदान** से बढ़ती है।

(ङ) भारतीय लोग संस्कृति के मामले में बड़े **उदार** रहे हैं।

3. सही कथन के सामने सत्य तथा गलत कथन के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) असत्य (ख) सत्य (ग) असत्य (घ) असत्य (ङ) सत्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) सभ्यता मनुष्य का वह गुण है जिससे वह अपनी बाहरी तरक्की करता है, संस्कृति मनुष्य का वह गुण है जिससे वह अपनी भीतरी उन्नति करता है।

(ख) आज के समय इमारतें, रेलगाड़ी, मोटर, हवाई जहाज, लंबी-चौड़ी सड़के, अच्छा भोजन और पोशाक सभ्यता की पहचान है। जिस देश में इनकी जितनी अधिकता है उस देश को उतना ही सभ्य मानते हैं।

(ग) संस्कृति मनुष्य का वह गुण है जिससे वह अपनी भीतरी उन्नति करता है। दया, माया और परोपकार सीखता है, गीत-नाद, कविता, चित्र, और मूर्ति से आनंद लेने की योग्यता हासिल करता है।

(घ) आदमी के भीतर प्रकृति ने छः विकार (काम, क्रोध, लोभ, मद, मोह और मत्सर) दिये हैं। अगर ये विकार बेरोक छोड़ दिए जाते तो आदमी इतना गिर जाएगा कि उसमें और जानवर में कोई भेद नहीं रह पाएगा।

(ङ) संस्कृति का स्वभाव है कि यह आदान-प्रदान से बढ़ती है।

(च) भारतीय संस्कृति में चार बार परिवर्तन हुए। पहली बार जब आर्य आये और द्रविड़ो के साथ मिलकर हिन्दू संस्कृति को विकसित किया। फिर दूसरे अध्याय में बौद्ध और जैन धर्मों में इसका इस्लाम से संबंध हुआ और चौथे अध्याय में ईसाई-यूरोपीय विज्ञान और बुद्धिवाद से इसका मिलन हुआ।

भाषा-बोध

1. 'मान' शब्द में 'अभि' उपसर्ग जोड़कर शब्द बना 'अभिमान'।

उत्तर– इसी प्रकार के चार अन्य शब्द बनाइए–

अभिजात शाक्तिमान अधिवक्ता अभिशक्त

2. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर– सभ्य = **असभ्य** उन्नति = **अवनति** गुण = **अवगुण**

निर्माण = **विनाश** पशुता = **मानवता** घृणा = **प्रेम**

10 बकरी दो गाँव खा गई

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (i)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) एक आदमी **आगरा** की सड़कों पर रोता **चिल्लाता** घूम रहा था।

(ख) आखिर यह खबर **बादशाह अकबर** तक पहुँची।

(ग) अकबर एक **पेड़** की छाया में बैठ गए।

(घ) अकबर ने **गन्ने** का रस पीया तो बहुत खुश हुए।

(ङ) **लालच** और छोटापन आदमी को कभी सुखी नहीं बनाते।

3. सही कथन के सामने सत्य तथा गलत कथन के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) असत्य (ख) सत्य (ग) सत्य (घ) सत्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) एक आदमी आगरा की सड़कों पर रोता चिल्लाता घूम रहा था क्योंकि बकरी उसका वह पत्ता खा गई थी जिस पर बादशाह अकबर ने उसे दो गाँव दान में दिये थे।

(ख) बादशाह अकबर ने जब देखा कि किसान के पास गन्ने के रस से काफी रूपया आता है तो उनकी नीयत बिगड़ गई और उन्होंने लगान बढ़ाने का सोचा।

(ग) अकबर द्वारा लगाने बढ़ाने का सोचने पर गन्ने का रस कम हो गया और किसान ने कहा कि लगता है बादशाह अकबर की नीयत बिगड़ गई है, यह सुनकर अकबर को लगा जैसे किसी ने उन्हें आसमान से जमीन पर पटक दिया हो।

(घ) हाँ बादशाह को किसान की बात समझ आ गई थी कि अच्छी नीयत से बरकत रहती है।

(ङ) बादशाह अकबर ने इनाम स्वरूप किसान का लगान माफ कर दिया और उसे दो गाँव दान में देने का वचन दिया।

भाषा-बोध

1. 'अन' व 'बे' उपसर्ग लगाकर उदाहरणानुसार शब्द-निर्माण कीजिए–

उत्तर–

अन	+	**जान**	=	**अनजान**		अन	+	**मना**	=	**अनमना**
अन	+	**छुआ**	=	**अनछुआ**		अन	+	**कहा**	=	**अनकहा**
बे	+	**शर्म**	=	**बेशर्म**		बे	+	**वक्त**	=	**बेवक्त**
बे	+	**धड़क**	=	**बेधड़क**		बे	+	**मेल**	=	**बेमेल**

2. निम्नलिखित वाक्यों के रेखांकित शब्दों को बहुवचन में बदलकर पुनः वाक्य लिखिए–

उत्तर– (क) आगरा की सड़कों पर किसान चिल्ला रहा था।

(ख) लड़के अपने काम में लग गए।

(ग) बकरी पत्ते खा गई।

(घ) इस बार गाँवों को बकरी से बचाना।

3. निम्नलिखित वाक्यों में उचित स्थान पर विराम-चिह्न लगाइए–

उत्तर– (क) अरे वाह! ऐसा रस तो हमने पहले कभी नहीं पीया।

(ख) अकबर ने कहा, "भाई तुम जानते हो मैं कौन हूँ?"

(ग) जाते जाते सावधान किया, "इस बार इन गाँवों को बकरी से बचाना।"

(घ) "क्या?" एक गन्ने में इतना सारा रस!

11 आर्यभट्ट

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (ii) (ख) (i) (ग) (ii) (घ) (ii)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) विशाल **ब्रह्मांड** सदा से मनुष्य की जिज्ञासा का केंद्र रहा है।

(ख) ग्रह-नक्षत्रों की चर्चा आते ही **आर्यभट्ट** का नाम सर्वप्रथम आता है।

(ग) आज का पटना प्राचीनकाल में **पाटलिपुत्र** कहलाता था।

(घ) पृथ्वी की छाया जब **चंद्रमा** पर पड़ती है तो चंद्रग्रहण होता है और चंद्रमा की छाया जब **पृथ्वी** पर पड़ती है तो सूर्यग्रहण होता है।

(ङ) आज विद्यालयों में पढ़ाया जाने वाला रेखागणित यूनानी गणितज्ञ **यूक्लिड** की ज्यामिति पर आधारित है।

(च) प्राचीनकाल में **वृत्त** तथा घेरे की जानकारी गणितज्ञों को नहीं थी।

3. सही कथन के सामने सत्य तथा गलत कथन के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) असत्य (ख) सत्य (ग) असत्य

(घ) असत्य (ङ) सत्य (च) सत्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) आर्यभट्ट ने सर्वप्रथम बताया कि पृथ्वी अपनी धुरी पर घूमती है। उन्होंने सूर्य और चंद्रमा के ग्रहण का वैज्ञानिक कारण बताया कि जब चंद्रमा और पृथ्वी की परछाई पड़ती है तो ग्रहण होते हैं।

(ख) आर्यभट्ट ने आकाश के ग्रह नक्षत्रों की विस्तृत जानकारी समाज को दी। उन्होंने सर्वप्रथम यह जानकारी दी कि पृथ्वी अपनी धुरी पर घूमती उन्होंने बताया कि चंद्रमा स्वयं नहीं चमकता अपितु सूर्य के प्रकाश से चमकता है। उन्होंने बीजगणित का ज्ञान संसार को दिया। उन्होंने 'अक्षरांक' पद्धति द्वारा बड़ी-बड़ी संख्या को सरलता से लिखना बताया तथा वृत्त तथा घेरे की भी जानकारी दी।

(ग) भारत में प्राचीन काल में ही वैज्ञानिक अनुसंधान किये जाते थे। आकाश में जो कुछ भी पृथ्वी से दिखता था उसी का अध्ययन होता था। लोगों ने जान लिया था कि चाँद के छिपने व उदय होने में निश्चित समय बीतता है। ज्योतिषियों ने सूर्य व चाँद के मार्ग के आधार पर बारह राशियों का निर्माण किया।

(घ) आर्यभट्ट ने बड़ी-बड़ी संख्याओं को वर्णों के माध्यम से छोटे रूप में लिखने का आविष्कार किया। वर्णमाला के सारे अक्षरों के लिए संख्यामान निश्चित कर दिये। इस तरीके को ही 'अक्षरांक पद्धति' कहा गया।

(ङ) आर्यभट्ट ने बीजगणित का ज्ञान सर्वप्रथम संसार को दिया। उन्होंने 'अक्षरांक पद्धति' का निर्माण किया। बीजगणित, अंकगणित, रेखागणित के अनेक सूत्रों के बारे में अपनी पुस्तक में लिखा। आर्यभट्ट ने ही सर्वप्रथम वृत्त तथा घेरे की जानकारी संसार को दी तथा इन दोनों के संबंध को निश्चित पूर्णांक में बताने के लिए अनुपात का अनुसंधन किया।

(च) आर्यभट्ट ने त्रिकोण की तीन भुजाओं तथा उनके कोणो का अध्ययन किया तथा कोण की मिति की नई पद्धति का आविष्कार किया। इसी से यूनानी गणितज्ञों को ज्यामिति का ज्ञान मिला। समय के साथ यह ज्ञान यूरोप तक फैला। इसी कारण आर्यभट्ट ने गणित के क्षेत्र में जो नए-नए सिद्धांत दिए, उन्हें पढ़कर आज के गणितज्ञ भी उनका बोध मानते हैं।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध करके लिखिए–

उत्तर–

जीग्यासा	=	**जिज्ञासा**	परयाप्त	=	**पर्याप्त**
प्रथ्वी	=	**पृथ्वी**	चांद	=	**चाँद**
अँधविश्वास	=	**अंधविश्वास**	नम्रदा	=	**नर्मदा**
इस्थिर	=	**स्थिर**	स्पस्ट	=	**स्पष्ट**
कुशागृबुद्धि	=	**कुशाग्र बुद्धि**	यूरौपीय	=	**यूरोपीय**

2. उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों से दो-दो शब्द बनाकर उनके अर्थ लिखिए–

उत्तर–

आकार	(क)	**निराकार**	=	**जिसका कोई आकार नहीं**
	(ख)	**साकार**	=	**जिसका आकार है**
अनुसार	(क)	**नियमानुसार**	=	**नियमों के अनुसार होने वाला**
	(ख)	**तदनुसार**	=	**इस प्रकार**
दार	(क)	**हवादार**	=	**जिससे हवा आती है।**
	(ख)	**शानदार**	=	**बहुत उत्तम**
द	(क)	**चाँद**	=	**चंद्रमा**
	(ख)	**बाद**	=	**पश्चात्**
ज्ञ	(क)	**सर्वज्ञ**	=	**सब ज्ञान रखने वाला**
	(ख)	**मर्मज्ञ**	=	**किसी विशेष विषय का मर्म जानने वला**

3. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर–

आकाश	=	**गगन**	**अंबर**	पृथ्वी	=	**भू**	**भूमि**
चाँद	=	**चंद्रमा**	**सोम**	नदी	=	**सरिता**	**तटिनी**
पृथ्वी	=	**धरती**	**भूमि**	सूर्य	=	**आदित्य**	**सूरज**
संसार	=	**जगत**	**दुनिया**	मनुष्य	=	**मानव**	**मनुज**

4. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए–

उत्तर–

जिज्ञासा	=	**जानने की इच्छा**	पद्य	=	**काव्य**
ज्ञाता	=	**जिसे ज्ञान हो**	कुशाग्रबुद्धि	=	**तेज बुद्धि**
दीर्घ	=	**विस्तृत**	वृत्त	=	**एक केंद्र के चारों ओर की परिधि**
बाध्य	=	**मजबूर**	परिक्रमा	=	**चारों ओर चक्कर**
स्थिर	=	**अचल**	विशिष्ट	=	**विशेष**

5. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–

विशाल	=	**तुच्छ**	सुंदरता	=	**कुरूपता**
उपलब्ध	=	**अनुपलब्ध**	उन्नति	=	**अवनति**
विरोध	=	**समर्थन**	विस्तृत	=	**लघु**
स्पष्ट	=	**अस्पष्ट**	स्थिर	=	**अस्थिर**
आज	=	**कल**	राजा	=	**रंक**
आसानी	=	**मुश्किल**	निश्चित	=	**अनिश्चित**

6. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए–

उत्तर– प्रकृति = **प्रकृति मानव की धरोहर है।**

अंतरिक्ष = **अंतरिक्ष अनंत है।**
चर्चा = **कक्षा में सब परीक्षा पर चर्चा कर रहे है।**
विशिष्ट = **'आर्यभट्टीय' एक विशिष्ट ग्रंथ है।**
उदय = **सूर्य पूर्व में उदय होता है।**

12 पोंगल

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (i) (ख) (iii)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) 'भोगी पोंगल' के अगले दिन **सूर्य पोंगल** मनाया जाता है।
(ख) 'भोगी पोंगल' **ऋतुओं के राजा इंद्र** को समर्पित होता है।
(ग) सूर्य की **ऊष्मा** और **प्रकाश** से ही फसलें पैदा होती हैं।
(घ) सूर्य देवता को **शर्करइ** का भोग लगाया जाता है।
(ङ) 'माट्टू पोंगल' के दिन **पशुओं** के प्रति कृतज्ञता प्रकट की जाती है।

3. सही कथन के सामने सत्य तथा गलत कथन के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) सत्य (ख) असत्य (ग) सत्य (घ) असत्य (ङ) सत्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) 'सूर्य पोंगल' के पहले दिन 'भोगी पोंगल' मनाया जाता है। यह ऋतुओं के राजा इंद्र को समर्पित है। इस दिन घर पर की औरते चावल के आटे से फर्श पर आकृतियाँ बनाती है जिन्हे कोल्लम कहते हैं।

(ख) पोंगल के पहले दिन को भोगी पोंगल कहते हैं। यह ऋतुओं के राजा इंद्र को समर्पित है।

(ग) सूर्य पोंगल के दिन घर के मुख्य द्वार के बाहर बहुत बड़ा और अलंकृत 'कोल्लम' बनाया जाता है, यह सूर्य देवता को समर्पित होता है। इस दिन सूर्य देवता की पूजा की जाती है। सूर्य देवता को 'शर्करइ' का भोग लगाया जाता है। इस दिन विशेष रूप से नोग एक बर्तन खरीदकर लाते है और उसमें दूध उबालते है। फिर इसमें थोड़ा चावल और गुड़ मिलाते है। इस बर्तन के मुँह पर हल्दी बाँधी जाती है।

(घ) सूर्य को साष्टांग प्रणाम करके उनका आशीर्वाद लिया जाता है। पूजा के पश्चात् शर्करइ का प्रसाद बाँटा जाता है। साथ ही ईख काट काटकर गंडेरिया बनाकर सबको दी जाती है।

(ङ) माट्टू पोंगल के दिन पशुओ के प्रति कृतज्ञता प्रकट की जाती है। इस दिन पालतू गाय-बैल आदि की पूजा की जाती है। उन्हें हल्दी, कुमकुम तथा पुष्पों से सजाते है। बैलगाड़ी, खेती के औजारों पर रंग रोगन किया जाता है। लोग अपने खेतो में गणेश भगवान की पूजा करते हैं। दोपहर को बैलो के मालिक उन्हें खूब सजाते हैं तथा

उनके गले में एक कपड़े में रूपये बाँध देते हैं। बैल गलियो में दौड़ लगाते है और युवक उन्हें काबू करने का प्रयास करते हैं, जो इस काम में सफल होते है उन्हें कपड़े में बँधे रूपये इनामें मिलते है।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची लिखिए–

उत्तर–

घर	=	**गृह**	**सदन**	**आवास**
राजा	=	**नृप**	**भूपति**	**महीप**
सूर्य	=	**सूरज**	**आदित्य**	**भानु**
पेड़	=	**वृक्ष**	**पादप**	**तरु**

2. निम्नलिखित शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए–

उत्तर–

फशल	=	**फसल**	आर्शीवाद	=	**आशीर्वाद**
विधीवत	=	**विधिवत**	साश्टांग	=	**साष्टांग**
रोमानचक	=	**रोमांचक**	क्रतज्ञता	=	**कृतज्ञता**

13 साँप की मणि

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (i) (ग) (ii)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) कोलकाता से **सात** दिन में जहाज कोलंबो पहुँचा।

(ख) मेरे दोस्त ने कहा कि मणि साँप के **मुँह** में होती है।

(ग) थोड़ी देर में हम एक **जंगल** में पहुँचे।

(घ) मैं बड़ी देर तक सोचता रहा कि किस **उपाय** से मणि हाथ लगे।

(ङ) मैं मारे **खुशी** के मतवाला हो गया।

3. सही कथन के सामने सत्य तथा गलत कथन के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) सत्य (ख) असत्य (ग) सत्य (घ) सत्य (ङ) असत्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) लेखक के एक दोस्त ने बताया कि यहाँ एक कालिया नामक साँप रहता है। जिसके मुँह में मणि होती है। जब उसे रोशनी की जरूरत होती है तो वह किसी पत्थर पर उसे सामने रख देता है। उसकी आदत हाती है की जहाँ वह एक बार मणि निकलाता है बार-बार वही मणि निकालता है।

(ख) जंगल में पहुँचकर लेखक ने देखा कि बीस गज की दूरी पर एक साँप फन उठाए बैठा था और उसके आस-पास उजाला हो रहा था।

(ग) बंदूक की जगह आदमी ने कीचड़ का प्रयोग किया। वह चुपके से एक पेड़ पर चढ़ गया और डालियों पर होता हुआ ठीक साँप के ऊपर आ गया और एकाएक उसकी मणि पर कीचड़ फेंक दिया।

(घ) आदमी ने लेखक को पेड़ से नीचे उतरने के लिए इसलिए मना किया क्योंकि साँप वहाँ छिपकर बैठा था और उसे काट सकता था।

(ङ) लेखक को मणि देखने पर भी विश्वास नहीं हो रहा था क्योंकि उसे लगा कि यह कोई जुगनू है, परंतु फिर उसने देखा कि रोशनी ठहरी हुई थी। जुगनू की चमक चंचल होती है, परंतु यह स्थिर थी।

(च) जाँच करने पर लेखक को मालूम हुआ कि यह एक किस्म का पत्थर है जो गर्म होकर अंधेरे में जलने लगता है। साँप इसे दिन भर मुँह में रखता है ताकि यह गर्म रहे। रात को वह इसे किसी जंगल में निकलता है और इसकी रोशनी में कीड़े-मकोड़े खाता है।

भाषा-बोध

1. नीचे दिए गए शब्दों में से उपसर्ग और मूल शब्द अलग-अलग कीजिए–

उत्तर–

अधर्म	=	**अ + धर्म**	अन्याय	=	**अ + न्याय**
असत्य	=	**अ + सत्य**	अकाल	=	**अ + काल**
अलौकिक	=	**अ + लौकिक**	अशिष्ट	=	**अ + शिष्ट**
अस्पष्ट	=	**अ + स्पष्ट**	अपरिचित	=	**अ + परिचित**
अनिश्चित	=	**अ + निश्चित**	अप्रिय	=	**अ + प्रिय**
अशुद्ध	=	**अ + शुद्ध**	असंगत	=	**अ + संगत**

2. निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए–

उत्तर–

मैं	=	**हम**	वह	=	**वे**	खबर	=	**खबरें**
मणि	=	**मणियाँ**	किस्सा	=	**किस्से**	कहानी	=	**कहानियाँ**
बंदूक	=	**बंदूके**	चीज	=	**चीजें**			

3. दिए गए वाक्यों में विशेषण छाँटिए और लिखिए कि ये विशेषण के कौन-से भेद के अंतर्गत आते हैं–

उत्तर–

	विशेषण	**भेद**
(क)	**सात**	**संख्यावाचक विशेषण**
(ख)	**वह**	**सार्वनामिक विशेषण**
(ग)	**सात**	**गुणवाचक विशेषण**
(घ)	**बीस गज**	**परिमाणवाचक विशेषण**
(ङ)	**अधिक**	**परिमाणवाचक विशेषण**
(च)	**साफ**	**गुणवाचक विशेषण**
(छ)	**चार मीटर**	**परिमाणवाचक विशेषण**

14 कर्मवीर

अभ्यास

कविता-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (i) (ख) (i) (ग) (iii)

2. कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

उत्तर– (क) चिलचिलाती धूप को,
जो चाँदनी देवें बना।
काम पड़ने पर करें,
जो शेर का भी सामना।।

(ख) कोस कितने ही चलें पर,
वे कभी थकते नहीं।
कौन-सी है गाँठ जिसको,
खोल वे सकते नहीं।।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) जो अपने मन की सुनते है और सबकी सुनते हैं वो कभी किसी का मुँह नहीं तकते।

(ख) चिलचिलाती धूप से कवि का तात्पर्य है कठिन कार्य।

(ग) कवि के अनुसार कर्मवीर अपने कार्य को कल पर नहीं टालते हैं। वे सबकी सुनते हैं और अपने मन की करते हैं। वे मुश्किल कार्य को हँस-हँस के करते हैं और जो ठान लेते हैं उसे कर के रहते हैं।

(घ) इन पंक्तियों का यह भाव है कि कर्मवीर ऐसा कोई मुश्किल काम नहीं है जिसे वे नहीं कर सकते है।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर– हँसना = **रोना** कठिन = **सरल** धूप = **छाँव**
आज = **कल** सदा = **यदा कदा** अपना = **पराया**

2. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर– मुँह = **मुख वदन** शेर = **सिंह वनराज**
जगत = **संसार जग** काम = **कर्म कार्य**

3. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– (क) जी चुराना = **काम में मन न लगाना**
आजकल छात्र पढ़ाई से जी चुराते हैं।

(ख) मुँह ताकना = **चुपचाप खड़े रहना**
गलती करके बच्चे मुँह ताकने लगते हैं।

(ग) लोहे के चने चबाना = **कठिन काम करना**
पहाड़ी की चढ़ाई लोहे के चने चबाने जैसा है।

15 क्या निराश हुआ जाए

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (i) (ग) (iii)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) हर व्यक्ति **संदेह** की दृष्टि से देखा जा रहा है।

(ख) **नियम काननू** सबके लिए बनाए जाते हैं।

(ग) व्यक्ति-चित्त सब समय **आदर्शों** द्वारा चालित नहीं होता।

(घ) भारतवर्ष सदा **कानून** को धर्म के रूप में देखता आ रहा है।

(ङ) **दोषों** का पर्दाफाश करना बुरी बात नहीं है।

3. सही कथन के सामने सत्य तथा गलत कथन के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) असत्य (ख) असत्य (ग) असत्य (घ) सत्य (ङ) सत्य

4. निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– (क) मनुष्य का मन हर समय आदर्शों पर नहीं चल सकता। कभी न कभी वह आदर्शों से भटक जाता है।

(ख) महान भारतवर्ष जिसका सपना हमारे महापुरुषों ने देखा है वह अभी भी धर्म परायण लोगों के द्वारा पाया जा सकता है।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) भारत में आरोप प्रत्यारोप का ऐसा वातावरण बन गया है कि लगता है कि देश में कोई ईमानदार आदमी ही नहीं रह गया है। लोग हर किसी को संदेह की दृष्टि से देखने लगे हैं, लोगों के गुणों को भुलाकर दोषों को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया जाने लगा है।

(ख) इन दिनों ऐसा माहौल बना है कि ईमानदारी से जीविका चलाने वाले निरीह और भोले-भाले लोग मूर्ख समझे जाते हैं जबकि झूठ और फरेब का रोजगार करने वाले फल-फूल रहे हैं। ऐसी स्थिति में जीवन के महान मूल्यों के बारे में लोगों की आस्था ही हिलने लगी है।

(ग) लेखक जिक्र कहते हैं कि किस प्रकार उन्होंने एक बार रेलवे स्टेशन पर टिकट लेते हुए गलती से दस के बजाय सौ रुपये का नोट दिया तो टिकट बाबू ने ईमानदारी से उन्हें खोजकर बाकी पैसे वापस कर दिये। इसी प्रकार लेखक एक बार परिवार सहित बस से सफर कर रहे थे परन्तु बस अचानक खराब हो गई और सब यात्री नई बस लेकर आ गये और सबकी सहायता की। उपरोक्त घटनाओं के आधार पर लेखक मानते हैं कि मनुष्यता अभी समाप्त नहीं हुई है।

(घ) लेखक के अनुसार लोभ मोह, काम-क्रोध आदि विकार मनुष्य में स्वाभाविक रूप से विद्यमान रहते हैं, पर उन्हें प्रधान शक्ति मान और अपने मन तथा बुद्धि को उन्हीं के इधारे पर छोड़ देना बहुत निकृष्ट आचरण है।

भाषा-बोध

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति रेखांकित शब्दों के विपरीतार्थक शब्दों से कीजिए–

उत्तर– (क) यदि तुम **उत्कृष्ट** विचारों को मन में नहीं ला सकते तो कम-से-कम निकृष्ट विचारों से मन को मलिन तो न करो।

(ख) आजकल बेईमानी को बुद्धिमानी का और ईमानदारी को **मूर्खता** का पर्याय समझा जाने लगा है।

(ग) हमें लोगों के गुणों को देखना चाहिए **दोषों** को नहीं।

(घ) यदि सभा में किसी पर **आरोप** लगाए जाएँगे तो प्रत्यारोप भी लगेंगे ही।

2. निम्नलिखित का निर्देशानुसार वाच्य-परिवर्तन कीजिए–

उत्तर– (क) मेरे द्वारा पत्र लिखा गया। (ख) मैं यह पत्र नहीं पढ़ सकता।

(ग) प्रातःकाल शैलेश नहीं उठ सकता। (घ) मुझसे पढ़ा नहीं जाता।
(ङ) वह धूप में नहीं चल सकता।

3. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– प्रमाण = **ईमानदारी को किसी प्रमाण की आवश्यकता नहीं।**
उपस्थित = **सभी विद्यार्थी कक्षा में उपस्थित रहे।**
संकोच = **हमें खाने में संकोच नहीं करना चाहिए।**
ईमानदारी = **ईमानदारी एक प्रमुख गुण है।**
ज्योति = **दीपक की ज्योति मंदिर को प्रकाशित कर रही है।**

16 मधुमक्खियों का जीवन

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (ii)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) **फूलों** का रस निकालना कामगार मक्खियों के जिम्मे होता है।
(ख) मधुमक्खियों की **चार** किस्में हैं।
(ग) मधुमक्खियाँ आकार में जितनी छोटी होती हैं, अक्ल के मामले में उतनी ही **समझदार** मालूम पड़ती हैं।
(घ) प्रत्येक छत्ते में कई **कोष्ठ** होते हैं।
(ङ) आयुर्वेद ने शहद को **अमृत** की संज्ञा दी है।

3. सही कथन के सामने सत्य तथा गलत कथन के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) सत्य (ख) असत्य (ग) सत्य (घ) असत्य (ङ) सत्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) विश्व में मधुमक्खियों की मुख्य रूप से चार जातियाँ है। इनमें दो जातियाँ छोटी मक्खी की है जो एपिस फ्लोरिया व एपिस डोरसैटा के नाम से जानी जाती है। दो अन्य जातियाँ एपिस सेराना और एपिस मौलीफैरा है। एपिस सेराना भारतीय किस्म है। एपिस डोरसैटा बेहद जहरीली किस्म की है।

(ख) छोटी मक्खियाँ एपिस फ्लोरिया व एपिस डोरसैटा के नाम से जानी जाती है। ये भारत, मलाया, श्रीलंका, बर्मा तथा चीन आदि देशों के जंगली व पर्वतीय इलाकों में पाई जाती है। ये खुली जगह पर छत्ता बनाती है। एपिस डोरसैटा बेहद जहरीली किस्म की है। यह विषैले फूलों से भी मधु संचय करती है।

(ग) एपिस सेराना भारतीय किस्म की मधुमक्खी है तथा मैदानी इलाकों में रहना पसंद करती है। भारत के अलावा ये मलाया और मेडागास्कर में रहती है। ये गुफाओं, दीवारों, घरों एवं वृक्षों आदि पर छत्ता बनाती है।
एपिस मौलीफैरा दक्षिण एशिया में पाई जाने वाली दो तरह की मक्खियों का मिला-जुला नाम है, इन्हें एक ही जाति की संतान माना जाता है।

(घ) रानी मक्खी का छत्ते में सबसे महत्त्वपूर्ण स्थान होता है। यह उम्र भर अंडे देने का काम

करती है। यह एक मिनट में कई व दिनभर में कई हजार अंडे देने में सक्षम होती है।

(ङ) छत्ते में सबसे अधिक संख्या मादा कामगार मक्खियों की होती है। ये अंडे नहीं देती। यह छत्ता बनाती है और इसमें शहद एकत्र करती है। ये रानी मक्खी की सारी जरूरतों का ध्यान रखती हैं। उसे साफ करती है और बढ़िया से बढ़िया खाना उपलब्ध कराती है। अंडों से बच्चे निकलने पर यह उनकी देखभाल करती है।

(च) मधुमक्खियों के छत्ते में कई कोष्ठ होते हैं और हर कोष्ठ में छह कोने बने होते हैं। इन कोष्ठों में भारी भरकम शहद सुरक्षित रहता ही हैं। साथ ही ये मक्खियों के अंडों-बच्चों आदि हेतु भी बढ़िया आश्रय सवाल हैं। छत्तों में तीनों तरह की मक्खियों के रहने की व्यवस्था भी अलग-अलग होती है।

(छ) मधुमक्खियाँ खेतों, वनों एवं जंगलों से अनेकानेक फूलों का रस अपने मुँह, अपने पेट में एकत्र करती हैं। ये अपने मुँह में लगी लंबी नली को फूलों में गड़ाकर रस व पराग को चूसकर ऐसा करती है। मधु मक्खियों के पेट में यह रस अनेक प्रकार से रूपांतरित होकर शहद व मोम का रूप धारण कर लेता है।

(ज) शहद आठ प्रकार का होता है। विभिन्न फूलों, पेड़ों एवं जंगलों के भेद से इसके गुणों एवं स्वाद में थोड़ा बहुत अंतर अवश्य होता है। धतूरे के आस-पास वाला शहद विषाक्त होता है। नीम के पेड़ का शहद कुछ बकबका, पर उत्तम होता है। सरसों, तुलसी और अन्य औषधियाँ, पेड़-पौधों से प्राप्त शहद भी श्रेष्ठ होता है। यह सफेद, गाढ़ा पीला, प्रगाढ़, लालिमायुक्त, भूरा, अंबर व काले रंगों में पाया जाता है।

(झ) शुद्ध शहद में प्रायः एक समान रासायनिक अंश प्रशितता होती है। इसमें तीन प्रकार की शर्करा पायी जाती है, जो क्रमशः फूलों की, अंगूर की व गन्ने की शर्करा के नाम से जानी जाती है। शहद में अम्ल, प्रोटीन, लौह, ताँबा, मैंगनीज, पोटैशियम, सोडियम, फॉस्फोरस, माल्टोस, आयोडीन, कैरोटीन, एमीनो एसिड तथा विटामिन-A, B, C, बी-6, और सी पाए जाते हैं। शहद में 42 प्रतिशत विशुद्ध ग्लूकोस रहता है।

भाषा-बोध

1. 'मिठास' शब्द में 'आस' प्रत्यय है। निम्नलिखित शब्दों में से प्रत्यय पृथक कीजिए–

उत्तर–

उड़ना	=	**ना**		खाना	=	**ना**
पीलापन	=	**पन**		समझदार	=	**दार**
कामगार	=	**गार**		गुणवाला	=	**वाला**

2. 'प्रचलन' शब्द में 'प्र' उपसर्ग है। इस उपसर्ग से अन्य शब्द बनाकर लिखिए–

उत्तर–

प्रक्रम	प्रकृति	प्रचुर
प्रसिद्ध	प्रखण्ड	प्रस्तुत
प्रतिम	प्रस्तर	प्रखर

3. निम्नलिखित समस्तपदों का विग्रह कर समास का नाम लिखिए–

उत्तर–

घी-शक्कर	=	घी और शक्कर	द्वंद्व समास
पुष्प-रस	=	पुष्प का रस	तत्पुरुष समास
गुण-दोष	=	गुण और दोष	द्वंद्व समास
भरपूर	=	पूरा भरा हुआ	अव्ययीभाव समास

लालिमायुक्त	=	लालिमा से युक्त	तत्पुरुष समास
ऊपर-नीचे	=	ऊपर व नीचे	द्वंद्व समास

17 मेरी यात्रा

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (i) (ख) (i)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) मुझे बचपन से नक्शे देखने का **शौक** है।
(ख) सोनारी एक **छोटा सा** गाँव है।
(ग) हठधर्मिता का अपना **अनूठा रस** होता है।
(घ) मैं दूसरे तरीके का **कायल** हूँ।
(ङ) सोनारी के डाक बँगले में भी **पानी** भर गया था।

3. सही कथन के सामने सत्य तथा गलत कथन के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) सत्य (ख) असत्य (ग) सत्य (घ) सत्य (ङ) असत्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) नक्शों की सहायता से दूर दुनिया की सैर का मजा लिया जा सकता है। नक्शों की सहायता से मन के घोड़े पर सवार होकर कहीं चले। जाइए, कोई रोक नहीं, कोई अड़चन नहीं। जिसे हरी-भरी जगहों में घूमना हो वह नक्शों की हरी-भरी जगह घूमे, जिसे पहाड़ी प्रदेश घूमने हो, वह भूरे-पीले प्रदेशों में चला जाये और जिसे अछूते अपरिचित प्रदेश में जाने का जोखिम पसंद हो वह सफेद मरूप्रदेशों में जायें।

(ख) बचपन से ही लेखक अमरकंटक तथा तरंगबाड़ी नामक स्थानों की ओर आकर्षित था। क्योंकि उसे अमरकंटक का नाम बहुत पसंद आया और तरंगबाड़ी यानी तरंगों की बस्ती का मनोरमता का अनुभव करके लेखक को वहाँ जाने का मन होता था।

(ग) लेखक ने यात्रा करने के दो तरीके बताये हैं। एक तो यह कि आप सोच-विचार कर निश्चय कर लें कि कहाँ जाना है, कब जाना है, कहाँ-कहाँ घूमना है, कितना खर्च होगा, फिर उसी के अनुसार छुट्टी लीजिए, टिकट कटाइए और चल पड़िए। बल्कि तरीका तो यही एक है, क्योंकि यह व्यवस्थित तरीका है।
दूसरा तरीका यह है कि आप इरादा तो कीजिए कहीं जाने का, छुट्टी भी लीजिए, पूरी योजना भी चाहे घोषित कर दीजिए, पर ऐन मौके पर चल दीजिए कहीं और को।

(घ) लेखक अपना दाँत-ब्रश लेने सोनारी गाँव गाए थे। चूँकि उनका दाँत ब्रश घिस कर खराब हो गया था।

(ङ) जब लेखक अपना दांत ब्रश लेकर लौट रहे थे तो उनकी मोटर गाड़ी पानी के बहाव में फँस गई। उन्होंने नदी में अपनी गाड़ी एक नाव पर लादी और कुछ दूर बाद उनकी गाड़ी पानी में फिसल गई और किसी तरह नदी पार की। उनके सारे कपड़े भीग गए और उन्हें नये कपड़े लेने पड़े।

(च) लेखक को यात्रा करने का यह तरीका पसंद था लेकिन जब मैं निकलता हूँ तब

तीसरा अख्तियार करता हूँ। जैसे कहा तो सबसे यह कि मुंबई जा रहे हैं, मगर जब स्टेशन गए तो यह तय करके कि नैनीताल जा रहे हैं और वहाँ से हिमालय के भीतरी प्रदेशों में और इस तरह जा निकले–शिलाँग।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए–

उत्तर– (क) जिस काल या समय के प्रारंभ का पता न हो — **अनादिकाल**
(ख) उसी समय की — **तत्कालीन**
(ग) रेतीला क्षेत्र — **मरूस्थल**
(घ) जो घूमने का शौकीन हो — **घुमक्कड़**
(ङ) समुद्र से घिरा भू-खंड — **द्वीप**

2. दिए गए अनेकार्थक शब्दों को उनके अर्थों से मिलाइए–

उत्तर– (क) अक्षर — **हमेशा रहने वाला, वर्ण**
(ख) कल — **आने वाला दिन, मशीन**
(ग) कनक — **धतूरा, सोना**
(घ) काल — **समय, मृत्यु**
(ङ) घट — **घड़ा, मन**

3. अकर्मक और सकर्मक क्रिया को रेखांकित कर 'अ' या 'स' लिखिए–

उत्तर– (क) दादाजी प्रतिदिन पौधों को पानी देते हैं। — **स**
(ख) गुड़ पर मक्खियाँ भिनभिना रही हैं। — **अ**
(ग) पी०टी० ऊषा तेज दौड़ती है। — **स**
(घ) लता मंगेशकर गाना गाती है। — **स**
(ङ) बिजली चमक रही है। — **अ**

4. रिक्त स्थानों में रेखांकित शब्दों के विपरीतार्थक शब्द भरिए–

उत्तर– (क) गाँवों में सड़कें प्रायः कच्ची होती हैं और शहरों में **पक्की**।
(ख) मुझे परिचित प्रदेश की अपेक्षा **अपरिचित** प्रदेश में जाने का जोखिम पसंद है।
(ग) मुझे हरे-भरे पहाड़ों में घूमना अच्छा लगता है और रेगिस्तान में घूमना **बुरा**।
(घ) लेखक को केले बिल्कुल नापसंद हैं लेकिन आम **पसंद** हैं।

5. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– (क) वास्तविक = **उसने प्रकृति का वास्तविक चित्र बनाया।**
(ख) अपरिचित = **हमें अपरिचित पर विश्वास नहीं करना चाहिए।**
(ग) यात्रा = **वृद्ध लोग तीर्थ यात्रा करते हैं।**
(घ) व्यवस्थित = **विद्यालय में सब कार्य व्यवस्थित होना चाहिए।**

18 अशोक का शस्त्र-त्याग

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (ii) (ख) (i) (ग) (ii)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) सहसा **दुर्ग** का फाटक खुल जाता है।

(ख) शस्त्र-सज्जित **स्त्रियों** की विशाल सेना फाटक के बाहर निकलने लगती है।

(ग) कलिंग महाराज की **पुत्री पद्मा** अशोक से युद्ध करने आती है।

(घ) पद्मा अपनी स्त्रियों की **सेना** के साथ दुर्ग में चली जाती है।

(ङ) अशोक अपने सैनिकों से **शस्त्र** फेंकने को कहता है।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) चार साल से युद्ध हो रहा है और कलिंग आज तक भी जीता नहीं जा सका है। दोनों ओर के लाखों आदमी मारे गए हैं, लाखों घायल हुए हैं पर हम आज भी असफल हैं।

(ख) अशोक ने सेना का संचालन स्वयं करने का निश्चय किया क्योंकि कलिंग के महाराज की मृत्यु के बाद भी कलिंग के दुर्ग का फाटक बंद था।

(ग) अशोक ने कहा मेरे वीर सैनिको! चार साल से युद्ध हो रहा है, फिर भी हम कलिंग को जीत नहीं पाए हैं उसके किसी दुर्ग पर मगध की पताका नहीं फहरा रही है। कलिंग के महाराज मारे गए हैं। उनके सेनापति पहले ही कैद हो चुके हैं, फिर भी कलिंग आत्मसमर्पण नहीं कर रहा है। आओ, आज हम अपनी मातृभूमि की शपथ लेकर प्रण करें कि या तो हम कलिंग के दुर्ग पर अधिकार कर लेंगे या सदा के लिए मृत्यु की गोद में सो जाएँगे।

(घ) शस्त्र-सज्जित स्त्रियों की विशाल सेना फाटक के बाहर निकलने लगती है। सेना के आगे पुरुष वेश में एक वीरांगना है, जो सैनिक के वेश में साक्षात चंडी-सी दिखाई देती है। यह कलिंग महाराज की लड़की पद्मा है। स्त्रियों की सेना अशोक की सेना से कुछ दूरी पर रुक जाती है। अशोक के सिपाही मंत्रमुग्ध से देखते रह जाते हैं। अशोक भी चकित रह जाते हैं।

(ङ) अशोक ने कहा कि स्त्री पर शस्त्र चलाना शास्त्र विरुद्ध है।

(च) पद्मा ने अशोक को निहत्था देखकर उन पर शस्त्र चलाने से मना कर दिया।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखिए–

उत्तर–

छाया	=	**धूप**	प्रसन्नता	=	**अप्रसन्नता**
वीर	=	**कायर**	जीत	=	**हार**
पाप	=	**पुण्य**	अहिंसा	=	**हिंसा**

2. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करके अंतर स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– (क) शस्त्र = **सैनिक शस्त्र का प्रयोग करते हैं।**

शास्त्र = **पंडित शास्त्र का ज्ञान देते हैं।**

(ख) स्त्री = **स्त्री सुंदर है।**

इस्तरी = **कपड़ों पर इस्तरी करनी चाहिए।**

19 अजंता की चित्रकला

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (i) (ग) (ii)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) अजंता की गुफाओं के दो भेद हैं स्तूप गुफा और **विहार गुफा**।

(ख) अजंता की गुफाएँ भक्ति, उपासना, धैर्य, प्रेम, लगन एवं हस्त-कौशल का **संसार भर** में सबसे अपूर्व उदाहरण हैं।

(ग) विहार गुफा **भिक्षुओं** के रहने और अध्ययन करने के लिए होती थी।

(घ) पहली गुफा के दालान की समूची **दीवार** पर मार-विजय का चित्र अंकित है।

(ङ) अजंता की **सत्रहवीं** गुफा के सभी चित्र एक-से-बढ़कर एक हैं।

3. सही कथन के सामने सत्य तथा गलत कथन के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) सत्य (ख) सत्य (ग) असत्य (घ) असत्य (ङ) सत्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) अजंता की गुफाएँ महाराष्ट्र प्रदेश में स्थित है।

(ख) अजंता की गुफाएँ महाराष्ट्र प्रदेश में हैं। जलगाँव, औरंगाबाद तथा पहूर इन तीन रेलवे स्टेशनों में से किसी एक पर उतरकर अजंता पहुँचा जा सकता है।

(ग) अंजता की स्तूप गुफा सबसे बड़ी है, उसमें उन्नीसवीं गुफा सबसे बड़ी स्तूप गुफा है उसका द्वार बड़ा ही भव्य है।

(घ) अजंता के चित्र-निर्माण की विधि संक्षेप में इस प्रकार है दीवार में जहाँ चित्रण करना होता था, वहाँ का पत्थर खुरदरा बना दिया जाता था जिस पर गोबर, पत्थर का चूना और कभी-कभी धान की भूसी मिले हुए गारे का लेबा चढ़ाया जाता था। यह लेबा चूने के पतले पलस्तर से ढका जाता था और इस पर जमीन बाँधकर लाल रंग की रेखाओं से चित्र टीपे जाते थे, जिनमें बाद में रंग भरा जाता था।

(ङ) पहली गुफा के दालान की समूची दीवार पर लगभग साढ़े तीन मीटर ऊँचा और ढाई मीटर चौड़ा मार-विजय का चित्र अंकित है। 'मार' (प्रलोभन, कामदेव, शैतान) की सेना भगवान बुद्ध को घेरे हुए है।

(च) अजंता की सत्रहवीं गुफा में माता-पुत्र के प्रसिद्ध चित्र हैं।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित शब्दों को बहुवचन में बदलिए–

उत्तर–

सिर	= **सिरों**	गुफा	= **गुफाओं**	पक्षी	= **पक्षियों**
परिवार	= **परिवारों**	किरण	= **किरणों**	पहाड़	= **पहाड़ों**
रेखा	= **रेखाओं**	चित्र	= **चित्रों**	अंग	= **अंगों**
मूर्ति	= **मूर्तियों**				

2. 'अ' उपसर्ग जोड़कर नए शब्द बनाइए–

उत्तर– अ + लौकिक = **अलौकिक** अ + सफलता = **असफलता**
अ + प्रतिम = **अप्रतिम** अ + ज्ञात = **अज्ञात**
अ + शिष्ट = **अशिष्ट** अ + पूर्व = **अपूर्व**

3. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर– ऊँचा = **नीचा** पवित्र = **अपवित्र** उपस्थित = **अनुपस्थित**
छोटा = **बड़ा** धरती = **आसमान** कोमल = **कठोर**
विशाल = **तुच्छ** कुशलता = **अकुशलता**

4. निम्नलिखित वाक्यों में आए कारक-चिह्नों को रेखांकित कीजिए–

उत्तर– (क) एक अन्य जातक दृश्य में युद्ध का प्रसंग बड़ी सजीवता से दिखाया गया है।
(ख) प्रत्येक भारतीय को अपने उन अज्ञात पूर्वजों पर गर्व है।
(ग) विहार गुफा भिक्षुओं के रहने और अध्ययन करने के लिए होती थी।
(घ) अजंता की छोटी-बड़ी कुल उनतीस गुफाएँ हैं।
(ङ) यहाँ पर अवलोकितेश्वर का विशाल चित्र है।
(च) इस गुफा में केवल संध्या के समय सूर्य की अंतिम किरणें प्रवेश पाती हैं।

5. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– प्रवेश = **विद्यालय में प्रवेश करते हुए अनुशासन बनाए रखना चाहिए।**
मोह = **मोह मानव की दुर्बलता है।**
लगन = **लगन से काम करने पर सफलता अवश्य मिलती है।**
चकित = **शेर को देखकर गीदड़ चकित हो गया।**
उत्कृष्ट = **उत्कृष्ट विद्यार्थी अध्यापक की दृष्टि में रहते हैं।**

20 समाज के सच्चे शिक्षक

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (i) (ख) (ii) (ग) (ii)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) विद्यासागर जी **अनुशासन** को बहुत पसंद करते थे।
(ख) ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने बंगाल में कई **शिक्षा-संस्थाएँ** खोलीं।
(ग) प्रोफेसर साहब की पहली **पत्नी** की मृत्यु हो चुकी थी।
(घ) विद्यासागर जी ने अपने बेटे की शादी भी एक **विधवा** से कर दी।
(ङ) हजारों **विवाहित** स्त्रियाँ बहुविवाह प्रथा के कारण नरक में धकेली जाती थीं।

3. सही कथन के सामने सत्य तथा गलत कथन के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) सत्य (ख) असत्य (ग) सत्य (घ) असत्य (ङ) सत्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) रेलवे स्टेशन पर साधारण सा दिखने वाल व्यक्ति ईश्वरचंद्र विद्यासागर थे।

(ख) संस्कृत कॉलेज में जाति के आधार पर छात्रों की भर्ती का नियम तोड़ने का काम ईश्वरचंद्र ने ही किया।

(ग) विद्यासागर जी अनुशासन को बहुत पसंद करते थे। वे यह कभी नहीं बर्दाश्त कर सकते थे कि छात्र अपने शिक्षकों का अपमान करें। उन्होंने कहा था, "अपमान का जीवन बिताने के बजाय मैं रोटी के लिए सब्जी बेचना अथवा परचून की दुकान करना अच्छा समझता हूँ।"

(घ) बालिकाओं के लिए विद्यालय खुलवाना। उन्हीं की कोशिश से कोलकाता में बेथून विद्यालय, मेदिनीपुर, बर्दवान, हुगली और नदिया जिले में पचास बालिका विद्यालयों की स्थापना हुई। इन्हें चलाने का भार भी विद्यासागर जी ने स्वयं लिया और सरकारी नौकरी छोड़ दी।

(ङ) प्रोफेसर साहब अपने घर ले गए। प्रोफेसर साहब की पहली पत्नी की मृत्यु हो चुकी थी। उन्होंने एक छोटी लड़की से विवाह कर लिया था। घर पहुँचकर जब विद्यासागर ने उस छोटी लड़की को देखा तो फूट-फूटकर रोने लगे। फिर वे एक पल भी वहाँ नहीं रुके। उन्होंने कहा, "इस घर में मैं एक बूँद पानी तक नहीं पी सकता।"

(च) ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने विधवा-विवाह को समाज-सम्मत और कानूनी घोषित कराने के लिए वातावरण बनाया।

भारतीय धार्मिक ग्रंथों से उदाहरण देकर उन्होंने समाज के ठेकेदारों और धार्मिक पंडितों को यह समझाया कि विधवा-विवाह शास्त्रों के खिलाफ नहीं है। फिर भी विधवा-विवाह को कानूनी स्वीकृति दिलवाने में विद्यासागर जी को बहुत-सी बाधाओं का सामना करना पड़ा। लेकिन लंबे समय तक बंगाल में विधवा-विवाह के लिए ईश्वरचंद्र विद्यासागर लड़ते रहे और अपने उद्देश्य में सफल हुए।

(छ) ईश्वरचंद्र ने बहुविवाह का विरोध किया क्योंकि "यह प्रथा सदियों से हमारे समाज की नैतिक जड़ों को हिला रही है। इसके कारण बुराइयाँ फैल रही हैं। हजारों विवाहित स्त्रियाँ इसके कारण नरक में धकेली जा रही हैं। जितनी जल्दी इस कुप्रथा का अंत हो, समाज के लिए उतना ही हितकर है।"

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित शब्दों को बहुवचन में बदलिए–

उत्तर–

शिक्षा	=	**शिक्षाएँ**	घड़ा	=	**घड़े**	दुकान	=	**दुकानें**
स्त्री	=	**स्त्रियाँ**	बूढ़ा	=	**बूढ़े**	संस्था	=	**संस्थाएँ**
रोटी	=	**रोटियाँ**	बाधा	=	**बाधाएँ**			

2. निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए–

उत्तर–

सज्जन	=	**दुर्जन**	अपमान	=	**सम्मान**	निर्भीक	=	**भयभीत**
साधारण	=	**असाधारण**	विद्वान	=	**मूर्ख**	प्रवेश	=	**निकास**
गहरा	=	**छिछला**	धार्मिक	=	**अधार्मिक**			

3. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखिए और इनका अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– जहाँ चाह वहाँ राह = **दृढ़ इच्छा से सफलता अवश्य मिलती है।**
मन लगाकर पढ़ने से सफलता मिलती ही है, जहाँ चाह वहाँ राह।

घड़ों पानी पड़ना = **लज्जित हो जाना**
अपना झूठ पकड़े जाने पर उस पर घड़ों पानी उड़ गया।

21 मत बाँटो इंसान को

अभ्यास

कविता-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (i)

2. कविता की पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए–

उत्तर– (क) अभी राह तो शुरू हुई है,
मंजिल बैठी दूर है।
उजियाला महलों में बंदी,
हर दीपक मजबूर है।।

(ख) रौंद न पाएगा फिर कोई,
मौसम की मुसकान को।
धरती बाँटी, सागर बाँटा
मत बाँटो इंसान को।।

3. निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– (क) कवि कह रहा है कि अब भी धरती हरी भरी है और नीला आसमान है, परन्तु आपसी प्यास के न होने से सब सूना और रेगिस्तान सा हो जायेगा।

(ख) कवि कहना चाहता है कि यदि सब साथ रहें तो हर मुश्किल काम आसान हो जायेगा और हर उदास-गरीब के घर भी खुशियाँ की बहार होगी।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) कविता के माध्यम से कवि हमें आपसी बैर-भाव भुलाकर सौहार्द से रहने की शिक्षा दे रहे हैं।

(ख) इस कविता से हमें मिल-जुलकर रहने की प्रेरणा मिलती है।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर– बंदी = **स्वतंत्र** उजियाला = **अँधेरा** उदास = **प्रसन्न**
प्यार = **नफरत** शुरू = **खत्म** हरी-भरी = **बंजर**

2. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए–

उत्तर– मस्जिद = **म् + अ + स् + ज् + इ + द् + अ**
मुस्कान = **म् + उ + स् + क् + आ + न् + अ**
रेगिस्तान = **र् + ए + ग् + इ + स् + त् + आ + न् + अ**
मंदिर = **म् + अ + न् + द् + इ + र् + अ**
दीपक = **द् + ई + प् + क् + अ**
उदास = **उ + द् + आ + स् + अ**

3. कविता में से विशेषण-विशेष्य शब्दों को छाँटकर उचित जोड़े के रूप में लिखिए–

हरी-भरी	धरती	उजियाला	महल
उदास	आँगन	खिलती	बहार
नील	वितान	सूना	जग

4. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर–

इंसान	=	मानव	मनुष्य	राह	=	रास्ता	पथ
सूरज	=	सूर्य	आदित्य	धरती	=	भूमि	जमीन
सागर	=	सिंधु	रत्नाकर	प्रकाश	=	रोशनी	उजाला

22 भोलाराम का जीव

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (i) (ग) (iii)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) महाराज, **रिकार्ड** सब ठीक है।
(ख) महाराज, वह भी **लापता** है।
(ग) पर भोलाराम का जीव मुझे **चकमा** दे गया।
(घ) चिंता में घुलते-घुलते और भूखे मरते-मरते **भोलाराम** ने दम तोड़ दिया।
(ङ) यही हर अच्छी गृहस्थी का **आधार** है।
(च) उसमें **पेंशन** के कागजात भी थे।

3. सही कथन के सामने सत्य तथा गलत कथन के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) सत्य (ख) असत्य (ग) सत्य (घ) सत्य (ङ) सत्य

4. किसने कहा–

उत्तर– (क)	"और वह दूत कहाँ है?"	**धर्मराज ने**
(ख)	"आज तक मैंने धोखा नहीं खाया था।"	**यमदूत ने**
(ग)	"इनकम होती तो टैक्स होता। भुखमरा था।"	**चित्रगुप्त ने**
(घ)	"महाराज, आज क्यों इस झंझट में पड़ गए।"	**चपरासी ने**
(ङ)	"कैसे भेजता? चपरासी सो रहा है।"	**नारद ने**
(च)	"कौन पुकार रहा है मुझे?"	**भोलाराम ने**

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) चित्रगुप्त ने कहा, "महाराज, आजकल पृथ्वी पर इस प्रकार का व्यापार बहुत चला है। लोग दोस्तों को कुछ चीज भेजते हैं और उसे रास्ते में ही रेलवेवाले उड़ा लेते हैं। हौजरी के पार्सलों के मोजे रेलवे अफसर पहनते हैं। मालगाड़ी के डिब्बे के डिब्बे रास्ते में कट जाते हैं। एक बात और हो रही है; राजनैतिक दलों के नेता विरोधी नेता को उड़ाकर बंद कर देते हैं।

(ख) लेखक ने समाज के भ्रष्ट व्यक्तियों पर कटाक्ष किया है। इनपर कटाक्ष करने का आधार दिन प्रतिदिन बढ़ती रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार है। उदाहरण के लिए भोलाराम की पेंशन का मामला है जहाँ सैकड़ों दफा दरख्वास्त करने पर भी अफसर रिश्वत के लालच में उसका काम नहीं करते।

(ग) इन पंक्ति का आशय है कि अफसर अप्रत्यक्ष रूप से रिश्वत की मांग कर रहा है।

(घ) भोलाराम का जीव अपनी पेंशन के लिए जीते जी बहुत परेशान रहा और परिवार को भी कष्ट में देखा। इसलिए मृत्यु के बाद भी वह पेंशन की आस में उन कागजात से चिपका हुआ था।

(ङ) इस कहानी द्वारा लेखक हमारे सम्मुख समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार की पोल खोल रहे है। वह हमें भ्रष्ट व्यवस्था का विरोध करने को प्रेरित करते हैं।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर–

देह	=	**शरीर**	**काया**	चेहरा	=	**मुख**	**वदन**
पत्नी	=	**भार्या**	**बीवी**	मृत्यु	=	**मौत**	**काल**
महाराज	=	**राजा**	**नृप**	आदमी	=	**नर**	**मानव**

2. निम्नलिखित वाक्यों को उचित विस्मयादिबोधक शब्दों से पूर्ण कीजिए–

उत्तर– (क) **हाय**! वह तो बर्बाद हो गया।

(ख) **शाबाश**! मुझे तुमसे ऐसी ही उम्मीद थी।

(ग) **धत्**! ऐसा नहीं कहते।

(घ) **बाप रे**! कितना बड़ा साँप।

(ङ) **ओह**! तो ये तुम्हारा काम है।

(च) **अहा**! कितनी सुहावनी हवा चल रही है।

(छ) **प्रभु**! हमारी रक्षा करो।

3. निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए–

उत्तर– (क) सबने गांधी जी का नाम सुना है।

(ख) क्या! कृति ने अपना काम खत्म कर लिया।

(ग) विनय तुम यह कार्य अभी मत करो।

(घ) क्या विवेक पुस्तक पढ़ चुका?

आदर्श प्रश्न-पत्र-1

(अध्याय 1 से 11 पर आधारित)

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (ii) (ख) (ii)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) बाबा भारती के घोड़े का नाम **सुल्तान** था।

(ख) अपनी माँ की दया से ही बिस्मिल **देशसेवा** में संलग्न हो सके।

(ग) सुमति के पुत्र का नाम **ध्रुव** था।

(घ) आज का पटना प्राचीन काल में **पाटलिपुत्र** कहलाता था।

3. सही कथन के सामने सत्य तथा गलत कथन के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) सत्य (ख) असत्य (ग) सत्य (घ) असत्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) 'स्वदेश प्रेम' का अर्थ है–अपने देश से प्रेम करना तथा उसकी उन्नति व रक्षा के लिए अपना तन, मन, धन अर्पित कर देना।

(ख) बाबा भारती ने खड्गसिंह से यह प्रार्थना की कि इस घटना को किसी के सामने प्रकट न करना क्योंकि इस घटना का पता लगाने पर लोग किसी दीन-दुखी पर विश्वास नहीं करेंगे। उस प्रार्थना का खड्गसिंह पर यह प्रभाव पड़ा कि वह बाबा भारती का प्रशंसक बन गया और सुलतान को उनके अस्तबल में बाँध आया।

(ग) पंडित शादीराम गरीब थे वे भूखे रह-रहकर पैसे बचाते थे मगर जब कुछ पैसे जमा हो जाते तो कोई न कोई ऐसा खर्च निकल आता कि सारे रुपये उड़ जाते इसलिए पंडित शादीराम कर्ज नहीं उतार पा रहे थे।

(घ) आर्यभट्ट ने बड़ी-बड़ी संख्याओं को वर्णों के माध्यम से छोटे रूप में लिखने का आविष्कार किया। वर्णमाला के सारे अक्षरों के लिए संख्यामान निश्चित कर दिये। इस तरीके को ही 'अक्षरांक पद्धति' कहा गया।

5. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर– गुण = **अवगुण** निर्माण = **विनाश**

स्वर्ग = **नरक** कड़वा = **मीठा**

6. निम्नलिखित अनेक शब्दों के लिए एक-एक शब्द लिखिए–

उत्तर– जिसे क्षमा न किया जा सके = **अक्षम्य**

जिसकी उपमा न दी जा सके = **अनुपम**

जो पढ़ना-लिखना न जानता हो = **अनपढ़**

जन्म देने वाली = **जन्मदात्री**

7. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर– नौका = **नाव** **नैया** नदी = **सरिता** **तटिनी**

सूर्य = **सूरज** **भानु** पृथ्वी = **भूमि** **धरती**

आदर्श प्रश्न-पत्र-2

(अध्याय 12 से 22 पर आधारित)

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (i)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) व्यक्ति-चित्त सब समय **आदर्शों** द्वारा चालित नहीं होता।

(ख) आयुर्वेद ने शहद को **अमृत** की संज्ञा दी है।

(ग) अशोक अपने सैनिकों से **शस्त्र** फेंकने को कहता है।

(घ) ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने बंगाल में कई **शिक्षा संस्थाएँ** खोलीं।

3. सही कथन के सामने सत्य तथा गलत कथन के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) असत्य (ख) सत्य (ग) असत्य (घ) सत्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) सूर्य पोंगल के दिन घर के मुख्य द्वार के बाहर बहुत बड़ा और अलंकृत 'कोल्लम' बनाया जाता है, यह सूर्य देवता को समर्पित होता है। इस दिन सूर्य देवता की पूजा की जाती है। सूर्य देवता को 'शर्करइ' का भोग लगाया जाता है। इस दिन विशेष रूप से लोग एक बर्तन खरीदकर लाते है और उसमें दूध उबालते है। फिर इसमें थोड़ा चावल और गुड़ मिलाते है। इस बर्तन के मुँह पर हल्दी बाँधी जाती है।

(ख) शहद सभी खाद्य-पदार्थों में उत्कृष्ट एवं गुणकारी है। तरल पदार्थों में इससे अधिक शुद्ध और मीठी चीज संसार में दूसरी नहीं है। यह गन्ने की चीनी से पच्चीस प्रतिशत अधिक मीठा होता है। एक किलो शहद में सवा तीन हजार कैलोरी होती है, जबकि गाय के एक लीटर दूध में 620, एक किलो सेब में 4101, एक पौंड शहद में सत्तर अंडों से अधिक शक्ति होती है।

(ग) नक्शों की सहायता से दूर दुनिया की सैर का मजा लिया जा सकता है। नक्शों की सहायता से मन के घोड़े पर सवार होकर कहीं चले। जाइए, कोई रोक नहीं, कोई अड़चन नहीं। जिसे हरी भरी जगहों में घूमना हो वह नक्शों की हरी-भरी जगह घूमे, जिसे पहाड़ी प्रदेश घूमने हो, वह भूरे-पीले प्रदेशों में चला जाये और जिसे अछूते अपरिचित प्रदेश में जाने का जोखिम पसंद हो वह सफेद मरुप्रदेशों में जाएँ।

(घ) अशोक ने सेना का संचालन स्वयं करने का निश्चय किया क्योंकि कलिंग के महाराज की मृत्यु के बाद भी कलिंग के दुर्ग का फाटक बंद था।

5. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– (क) मुँह ताकना = चुपचाप खड़े रहना।
गलती करके छात्र अध्यापक का मुँह ताकने लगे।

(ख) लोहा लेना = सामना करना।
माँ ने बच्चे की रक्षा के लिए शेर से भी लोहा ले लिया।

6. निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन रूप लिखिए–

उत्तर– खबर = **खबरें** बंदूक = **बंदूकें**
कहानी = **कहानियाँ** वह = **वह सब**

7. निम्नलिखित शब्दों को वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– चकित = **शेर को देखकर हिरन चकित हो गया।**
मोह = **मोह मानव की दुर्बलता है।**
चेतना = **असफलता के बाद ही मूर्खों को चेतना आती है।**
मौलिक = **मौलिक विचारों की अपनी महत्ता है।**

1 ठुकरा दो या प्यार करो

अभ्यास

कविता-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (ii) (ख) (i) (ग) (ii) (घ) (ii)

2. कविता की पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए–

उत्तर– (क) देव! तुम्हारे कई उपासक **कई ढंग से आते है।**
सेवा में बहुमूल्य भेंट, वे कई रंग की लाते हैं।।
धूमधाम से साजबाज से **वे मंदिर में आते हैं।**
मुक्तामणि बहुमूल्य वस्तुएँ लाकर तुम्हें चढ़ाते हैं।।

(ख) मैं उन्मत्त प्रेम की प्यासी, **हृदय दिखाने आई हूँ**।
जो कुछ है, वह यही पास है, इसे चढ़ाने आई हूँ।।
चरणों पर अर्पित है, **इसको चाहो तो स्वीकार करो**।
यह तो वस्तु तुम्हारी ही है, ठुकरा दो या प्यार करो।।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) कवयित्री भगवान से प्रार्थना कर ही हैं कि वह उनकी भक्ति को ही इनकी सेवा मानकर स्वीकार करें।

(ख) कवयित्री के पास दान दक्षिणा नही है इसलिए वो खाली हाथ ही मंदिर चली आई।

(ग) भक्त भगवान की सेवा में बहुमूल्य भेट ले जाते हैं।

(घ) कवयित्री ईश्वर को अपना प्रेम व हृदय दिखाने आई हैं।

(ङ) कवयित्री ईश्वर का कीर्तन करने से हिचकिचा रही है क्योंकि उनके स्वर में माधुर्य नहीं है।

(च) कवयित्री कहती हैं कि उनके पास देने के लिए कोई दान दक्षिणा नहीं है इसलिए वह खाली हाथ चली आई।

भाषा-बोध

1. गलत पर्यायवाची शब्द पर (✗) का निशान लगाइए–

उत्तर–

भेंट	=	उपहार	पुस्तक (✗)	तोहफा
साहस	=	दिलवाला (✗)	हिम्मत	दिलेरी
पूजा	=	अर्चना	विनती (✗)	उपासना
चातुर्य	=	चापलूसी	चतुराई	धूर्तता (✗)
माधुर्य	=	मधु	मिठाई (✗)	मधुरता
देव	=	ईश्वर	सुरेश (✗)	सुर
वाणी	=	शब्द (✗)	स्वर	आवाज

2. नीचे दिए वाक्यों को बहुवचन में बदलिए–

उत्तर– (क) अपने बेटों का नाम बताइए। (ख) आज के छात्र कल के नेता होते हैं।
(ग) नानी ने उसे कहानियाँ सुनाईं। (घ) मेंढक टर्रा रहे हैं।
(ङ) सड़कों के किनारे पेड़ हैं।

3. नीचे दिए शब्दों के स्त्रीलिंग रूप लिखिए–

उत्तर–

युवक	=	**युवती**	नर	=	**नारी**
डिब्बा	=	**डिब्बी**	कवि	=	**कवयित्री**
चौधरी	=	**चौधराइन**	सेवक	=	**सेविका**
महोदय	=	**महोदया**	श्रीमान	=	**श्रीमती**

4. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर–

उपासक	=	**रमेश शिव का उपासक है।**
बहुमूल्य	=	**हीरा एक बहुमूल्य रत्न है।**
अर्पित	=	**फूल ईश्वर को अर्पित करते हैं।**
हृदय	=	**हृदय संबंधी रोग जानलेवा हैं।**
प्रकट	=	**सत्य प्रकट होकर रहता है।**

मैं और मेरा देश

अभ्यास

पाठ-बोध

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) (i) (ख) (ii) (ग) (iii)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) स्वामी रामतीर्थ एक बार **जापान** गए।
(ख) एक जापानी युवक **प्लेटफार्म** पर खड़ा था।
(ग) अपराधी को **दंड** मिलना ही चाहिए।
(घ) हमें कोई ऐसा कार्य नहीं करना चाहिए जिससे हमारे देश की **प्रतिष्ठा** पर आँच आए।
(ङ) हमें केला खाकर उसका **छिल्का** रास्ते में नहीं फेंकना चाहिए।

3. सही कथन के सामने सत्य तथा गलत कथन के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) सत्य (ख) सत्य (ग) असत्य (घ) सत्य (ङ) सत्य

4. निम्नलिखित पंक्ति का भाव लिखिए–

उत्तर– हमारी हीनता और श्रेष्ठता का संबंध देश की हीनता और श्रेष्ठता से जुड़ा है।
इस पंक्ति से यह ज्ञात होता है कि हम अपने देश का प्रतिनिधित्व करते हैं, और हमारे अच्छे-बुरे कार्य की प्रतीष्ठा प्रभावित होती है।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) जापानी युवन ने बहुत आग्रह करने पर उसने कहा, ––आप इनका मूल्य देना चाहते हैं तो अपने देश में जाकर किसी से यह न कहिएगा कि जापान में अच्छे फल नहीं मिलते।'', जिससे अपने देश का अपमान न हो।
(ख) **श्रेष्ठ कार्य करने से।**

भाषा-बोध

1. पुस्तकालय शब्द दो शब्दों के योग से बना है–पुस्तक + आलय। –आलय' शब्द का अर्थ है –घर'।

पाँच अन्य शब्दों के साथ –आलय' शब्द जोड़कर उनके अर्थ भी लिखिए–

उत्तर–

विद्या	+	आलय	=	**विद्यालय**	**विद्या का घर**
न्याय	+	आलय	=	**न्यायालय**	**न्याय का घर**
देव	+	आलय	=	**देवालय**	**देव का घर**
अनाथ	+	आलय	=	**अनाथालय**	**अनाथ का घर**
शिव	+	आलय	=	**शिवालय**	**शिव का घर**
वेश्या	+	आलय	=	**वेश्यालय**	**वेश्या का घर**

2. जिन शब्दों का उच्चारण लगभग एक जैसा लगे परंतु अर्थ अलग हो, वे श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द कहलाते हैं।

उत्तर–

(क)	सम्मान	– (आदर)	–	**छात्रों को शिक्षक का सम्मान करना चाहिए।**
	समान	– (बराबर)	–	**हमें सबको एक समान समझना चाहिए।**
(ख)	अन्य	– (दूसरा)	–	**हमें अन्य लोगों का अपमान नहीं करना चाहिए।**
	अन्न	– (अनाज)	–	**अन्न ही जीवन है।**
(ग)	चित्त	– (मन)	–	**चित्त बहुत चंचल होता है।**
	चित्र	– (तस्वीर)	–	**रमेश सुंदर चित्र बनाता है।**
(घ)	प्रणाम	– (नमस्कार)	–	**वह सबको प्रणाम करता है।**
	प्रमाण	– (सबूत, साक्ष्य)	–	**न्यायालय प्रमाण पर निर्णय लेता है।**

3. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए–

उत्तर–

जो जापान में रहता हो	=	**जापानी**
जो बहुत कठिनाई से प्राप्त हो	=	**दुर्लभ**
जो केवल फल ही खाता हो	=	**फलाहारी**
जो केवल मांस ही खाता हो	=	**मांसाहारी**
जिसने अपराध किया हो	=	**अपराधी**
जिसकी प्रतिष्ठा हो	=	**प्रतिष्ठित**
जिसके लिए मना किया हो	=	**निषेध**

स्वावलंबन

अभ्यास

पाठ-बोध

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) (i) (ख) (ii)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) स्वावलंबन दो शब्दों से मिलकर बना है–**स्व** तथा **अवलंबन**।

(ख) **स्वावलंबन** उन्नति का आधार है।

(ग) स्वावलंबी व्यक्ति **शारीरिक** व **मानसिक** रूप से स्वस्थ होता है।

(घ) मैक्डोनल **इंग्लैण्ड** का प्रधानमंत्री था।

(ङ) लाल बहादुर शास्त्री भारत के **प्रधानमंत्री** थे।

3. सही कथन के सामने सत्य तथा गलत कथन के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) सत्य (ख) असत्य (ग) सत्य (घ) असत्य (ङ) सत्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– (क) आत्मनिर्भरता उन्नति का आधार है और आत्मविश्वास का प्रतीक है। जो व्यक्ति समाज में अपने सारे कार्य अपने आप करता है, आवश्यकता पड़ने पर दूसरों की सहायता लेता है और उसी प्रकार दूसरों को भी सहायता देता है, वह व्यक्ति उन्नति की दौड़ में कभी पीछे नहीं रह सकता।

(ख) स्वावलंबी पुरुष उद्यमी व परिश्रमी होता है। परिश्रमपूर्वक किए गए कार्यों में सफलता चरण चूमती है। स्वावलंबी व्यक्ति परिश्रम करने के कारण शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ होता है।

(ग) डॉ० ए० पी० जे० अब्दुल कलाम पहले अखबार बेचते थे, जो स्वावलंबन, कर्तव्यनिष्ठा और परिश्रम के बल पर देश के सर्वोच्च पद राष्ट्रपति पद पर आसीन हुए।

(घ) हम इस कथन से पूर्णतः सहमत है, चूँकि आत्मनिर्भरता से देश की प्रगति में वृद्धि होती है।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए–

उत्तर– अत्यावश्यक = **अति + आवश्यक** परोपकार = **पर + उपकार**

पराश्रित = **पर + आश्रित** विद्यार्थी = **विद्या + अर्थी**

2. निम्नलिखित अनेक शब्दों के लिए एक शब्द का प्रयोग करते हुए वाक्य बनाइए–

उत्तर– (क) जो आँखों के सामने हो = **प्रत्यक्ष को प्रमाण की आवश्यकता नहीं होती है।**

(ख) जिसमें बल न हो = **बीमारी से वह निर्बल हो गया है।**

(ग) दूर की सोचने वाला = **नरेंद्र मोदी दूरदर्शी नेता है।**

(घ) हृदय को छूने वाला = **लता जी का संगीत हृदयस्पर्शी है।**

3. निम्नलिखित शब्दों का समास-विग्रह कीजिए–

उत्तर– नीलाकाश = **नीला है जो आकाश** दूध-दही = **दूध और दही**

कंचनमाटी = **कंचन है जिसकी माटी** राम-लक्ष्मण = **राम और लक्ष्मण**

कनकलता = **कनक सी है जो लता** भाई-बहन = **भाई और बहन**

छोटा जादूगर

अभ्यास

पाठ-बोध

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) (i) (ख) (iii) (ग) (ii)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) कार्निवाल के मैदान में **बिजली** जगमगा रही थी।
(ख) जादूगर तो बिल्कुल **निकम्मा** है।
(ग) ताश के सब पत्ते **लाल** हो गए।
(घ) श्रीमती जी की वाणी में **माँ** की-सी मिठास थी।
(ङ) मनुष्य के सुख-दुःख का माप अपना ही **साधन** होता है।

3. सही कथन के सामने सत्य तथा गलत कथन के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) सत्य (ख) असत्य (ग) सत्य (घ) सत्य (ङ) असत्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) एक लड़का चुपचाप शरबत पीने वालों को देख रहा था। उसके गले में फटे कुरते के ऊपर से एक मोटी-सी सूत की रस्सी पड़ी थी और जेब में कुछ ताश के पत्ते थे। उसके मुँह पर गंभीर विषाद के साथ धैर्य की रेखा थी।

(ख) अपना जादू का खेल दिखाकर अपनी माँ के इलाज के लिए पैसा लाने के लिए वह घर से निकला था।

(ग) सब खिलौने उसके खेल में अपना अभिनय करने लगे। भालू मनाने लगा। बिल्ली रूठने लगी। बंदर घुड़कने लगा। गुड़िया का ब्याह हुआ। गुड्डा वर काना निकला। लड़के की वाचालता से ही अभिनय हो रहा था। सब हँसते-हँसते लोट-पोट हो गए।

(घ) एक रूपया।

(ङ) लेखक जब अपने कार्यालय में जा रहे थे तो रास्ते में ही उन्हें वह छोटा जादूगर लड़का मिला। लेखक ने उसे पूछा कि आज तुम्हारा खेल जमा क्यों नही? तो लड़के ने बताया कि आज उसकी माँ की घड़ी समीप है। यह सुनकर लेखक तुरंत उसे गाड़ी में बैठाकर उसकी झोपड़ी पहुँचे परंतु वहाँ पहुँचते ही उसकी माँ की मृत्यु हो गई।

(च) लेखक का अभिप्राय है कि जिस उम्र में बालक को संसार का कोई ज्ञान नही होता उस उम्र में छोटे जादूगर को आवश्कता ने चतुर बना दिया।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए–

उत्तर–	बिजली	=	**तड़ित**	माँ	=	**जननी**
	शाम	=	**संध्या**	प्रसन्न	=	**खुश**
	क्रोध	=	**गुस्सा**	स्मरण	=	**याद**
	अभाव	=	**कमी**	व्यग्र	=	**बेचैन**
	गर्व	=	**घमंड**	जंगल	=	**कानन**

2. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–	सहमत	=	**असहमत**	विषाद	=	**प्रसन्नता**
	स्मरण	=	**विस्मृत**	इच्छा	=	**अनिच्छा**
	संध्या	=	**प्रभात**	स्वीकार	=	**अस्वीकार**
	अच्छा	=	**बुरा**	बनावटी	=	**कुदरती**
	आकर्षित	=	**अनाकर्षित**	अंतिम	=	**प्रारंभिक**
	छाया	=	**धूप**	परिचित	=	**अपरिचित**

3. निम्नलिखित शब्दों में –ता' प्रत्यय जोड़कर शब्द बनाइए–

उत्तर–

सुरम्य	=	**सुरम्यता**	सफल	=	**सफलता**
व्यग्र	=	**व्यग्रता**	निकट	=	**निकटता**
वाचाल	=	**वाचालता**	आवश्यक	=	**आवश्यकता**
निर्मल	=	**निर्मलता**	सभ्य	=	**सभ्यता**।

4. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर इनका अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– (क) नौ दो ग्यारह होना = **भाग जाना**
चोर पुलिस को देखकर नौ-दो ग्यार हो गया।

(ख) आँसू निकल पड़ना = **दुःखी हो जाना। रोना।**
गरीबों की हालत देख मेरे आँसू निकल पड़े।

5. निम्नलिखित अनुच्छेद में उचित विराम-चिह्न लगाकर पुनः लिखिए–

उत्तर– मैंने पूछा, "और उस परदे में क्या है**?** जहाँ तुम गए थे?" नहीं, वहाँ मैं न जा सका। टिकट लगता है।" मैंने कहा, "तो चलो मैं तुमको वहाँ लिवा ले चलूँ**।** मैंने मन ही मन कहा, भई, आज के तुम्हीं मित्र रहे**।"** उसने कहा, "वहाँ जाकर क्या कीजिएगा**?** चलिए निशाना लगाया जाए**।"**

सत्साहस

अभ्यास

पाठ-बोध

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (i) (ग) (iii)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) संसार के सभी महापुरुष **साहसी** थे।
(ख) सत्साहसी के लिए केवल **साहस** प्रकट करना ही अभीष्ट नहीं।
(ग) मध्यम श्रेणी का साहस प्रायः **शूरवीरों** में पाया जाता है।
(घ) सत्साहसी व्यक्ति में एक **गुप्त** शक्ति रहती है।
(ङ) **सत्साहस** के लिए अवसर की राह देखने की आवश्यकता नहीं है।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) लेखक ने साहस के सच्चे प्रतीक के रूप में अर्जुन, भीम, भीष्म, अभिमन्यु जैसे प्राचीनकालीन महापुरुषों से लेकर आधुनिक काल के हनीवल, नेपोलियन, महाराणा प्रताप, शिवाजी, रणजीत सिंह और संग्राम सिंह का ज़िक्र किया है।

(ख) अकबर बादशाह के पास दो राजपूत नौकरी के लिए आए। अकबर ने उनसे पूछा कि तुम क्या काम कर सकते हो? वे बोले, ––जहाँपनाह, करके दिखलाएँ या केवल कहकर?" बादशाह ने करके दिखलाने की आज्ञा दी। राजपूतों ने घोड़ों पर सवार होकर अपने-अपने बरछे सँभाले और अकबर के सामने ही एक-दूसरे पर वार करने लगे। थोड़ी देर बाद वे एक-दूसरे पर बुरी तरह टूट पड़े। बादशाह के देखते-देखते दोनों घोड़ों से नीचे आ गिरे और मरकर ठंडे हो गए।

(ग) सर्वोच्च श्रेणी के साहस के लिए हाथ-पैर की बलिष्ठता आवश्यक नहीं; धन इत्यादि का होना भी आवश्यक नहीं। जिन गुणों का होना आवश्यक है, वे हैं हृदय की पवित्रता तथा उदारता और चरित्र की दृढ़ता। ऐसे गुणों की प्रेरणा से उत्पन्न हुआ साहस तब तक पूर्णतया प्रशंसनीय नहीं कहा जा सकता, जब तक उसमें एक और गुण सम्मिलित न हो। इस गुण का नाम है –कर्तव्यपरायणता'।

(घ) सत्साहसी के लिए स्वार्थ का त्याग परमावश्यक हैं चूँकि स्वार्थ के वशीभूत होकर निकृष्ट व्यक्ति भी साहस दिखा सकते हैं।

(ङ) कर्तव्यपराणयता से तात्पर्य है कि अपने कर्तव्य के प्रति समर्पित होना।

भाषा बोध

1. दिए गए शब्दों के विशेषण रूप लिखिए–

उत्तर– सम्मान = **सम्मानीय** यश = **यशस्वी**
ज्ञान = **ज्ञानी** पवित्रता = **पवित्र**

2. दिए गए शब्दों में भाववाचक संज्ञा शब्द कौन-से हैं? लिखिए–

उत्तर– उन्नत = **भाववाचक नहीं** ज्ञान = **भाववाचक नहीं**
पशु = **भाववाचक नहीं** हितचिंतक = **भाववाचक**
कर्तव्यपरायणता = **भाववाचक** वीरता = **भाववाचक**

3. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची लिखिए–

उत्तर– संसार = **जग, जगत** मनुष्य = **मानव, मनुज**
निर्भीक = **अभय, निडर** पवित्र = **निर्मल, पावन**
बलिष्ठ = **बलवान, शक्तिशाली** राजा = **नृप, भूपति**

4. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– महापुरुष = **महात्मा गाँधी महापुरुष थे।**
साहस = **साहस एक गुण है।**
निर्भीकता = **भारतीय सेना में निर्भीकता है।**
पवित्रता = **स्त्री की पवित्रता उसका गहना है।**
सेवा = **सेवा ही पुण्य है।**

जेब खर्च

अभ्यास

पाठ-बोध

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (ii)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) प्रतिदिन सवेरे मेई की माँ जब काम पर जाने के लिए निकलतीं तो उसे जेबखर्च के लिए **पाँच** पैसे देती थीं।

(ख) नन्हा मेई माँ से जेबखर्च के पैसे लेकर **फर्श** के नीचे डाल देता था।

(ग) मेई की माँ को चोट लगने के कारण **एक महीना** घर पर आराम करना पड़ा।

(घ) नन्हे मेई ने सोचा कि माँ शायद फिर से **बीमार** पड़ गई हैं।

(ङ) माँ ने नन्हे मेई को **गले** से लगा लिया।

3. सही कथन के सामने सत्य तथा गलत कथन के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) सत्य (ख) सत्य (ग) असत्य (घ) असत्य (ङ) सत्य

4. किसने, किससे कहा?

उत्तर– (क) आदमी ने मेई की माँ से (ख) माँ ने मेई से

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) एक दिन मशीन में काम करते समय माँ के हाथ में चोट लग गई। चोट बहुत गहरी थी। मेई की माँ काम पर नहीं जा पाईं और उन्होंने एक महीना घर पर आराम किया।

(ख) 25 रुपये

(ग) माँ ने नन्हे मेई को गले से लगा लिया और बोलीं, ––मेरे अच्छे बच्चे, आज तुमने मुश्किल में मेरी सहायता की है।'' ऐसा कहते हुए उनकी आँखों से आँसू बहने लगे।

(घ) माँ को यह जानकर आश्चर्य हुआ कि नन्हें मेई के पास पैसे हैं।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची लिखिए–

उत्तर– माँ = **जननी, माता** हाथ = **हस्त, कर**

घर = **निवास, गृह** आदमी = **नर, मानव**

2. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर– सुरक्षित = **असुरक्षित** उपयोगी = **अनुपयोगी**

आरंभ = **समाप्त** मुश्किल = **आसान**

7 मनुष्यता

अभ्यास

कविता-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

(क) (i) (ख) (i)

2. कविता की पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए–

उत्तर– उसी उदार की सदा **सजीव कीर्ति कूजती**
तथा उसी उदार को समस्त सृष्टि पूजती।
अखंड आत्मभाव जो **असीम विश्व में भरे,**
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।

3. निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– (क) निम्नलिखित पंक्तियों में कवि दया और करूणा की महत्ता बता रहे हैं। महात्मा बुद्ध ने समाज में कई बुराईयों का विरोध किया। परंतु उनकी सौम्यता, अहिंसा के पथ से उनका आंदोलन दया भाव से ओतप्रोत था। यही कारण है कि संसार उनके सामने झुक गया।

(ख) यह अनर्थ है कि आज के युग में भाई के प्रति कोई सम्मान या प्रेम नही रखता असली मनुष्य तो वही है जो मनुष्य के लिए जीता मरता है।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) कविता में कहा गया है कि मनुष्य को मनुष्य के लिए मरना चाहिए।

(ख) सरस्वती उदार मनुष्य की उदारता की कथा बखान करती है।

(ग) उदार व्यक्ति

(घ) विरूदधवाद गौतम बुद्ध की विचारधारा थी जिसमें उन्होंने समाज की बुराईयों का विरोध किया। वह दया प्रवाह में बह गया।

(ङ) कवि के अनुसार उदार वह है जो अपने स्वार्थ के लिए नहीं अपितु दूसरों के लिए जीता है।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए–

उत्तर– सूर्योदय = **सूर्य + उदय** भाग्योदय = **भाग्य + उदय**

वार्षिकोत्सव = **वार्षिक + उत्सव** विवाहोत्सव = **विवाह + उत्सव**

2. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– वृथा = **वृथा समय नष्ट करने वाले कभी सफल नहीं होते।**

प्रवृत्ति = **शेर की प्रवृत्ति हमला करना है।**

उदार = **उदार मानव देव तुल्य होता है।**

अखंड = **अखंड भारत महापुरुषों का सपना था।**

8 परीक्षा

अभ्यास

पाठ-बोध

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (iii)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) राजा साहब अपने **अनुभवशील-नीतिकुशल** दीवान का बड़ा आदर करते थे।

(ख) सैकड़ों आदमी अपना-अपना **भाग्य** परखने के लिए चल पड़े।

(ग) एक दिन फैशन वालों को सूझी कि आपस में **हॉकी** का खेल हो जाए।

(घ) एक **किसान** अनाज से भरी गाड़ी लिए हुए उस नाले में आया।

(ङ) महीना पूरा हुआ और **चुनाव** का दिन आ पहुँचा।

3. सही कथन के सामने सत्य तथा गलत कथन के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) असत्य (ख) सत्य (ग) असत्य (घ) सत्य (ङ) सत्य

4. निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– (क) **मनुष्यों की परख रखने वाला बूढ़ा व्यक्ति काल्पनिक सज्जनता दिखा रहे उन व्यक्तियों में से वास्तविक सज्जन को पहचानने की चेष्टा कर रहे थे।**

(ख) **अमूल्य निधिया व्यक्ति या व्यक्ति की तलाश करने के लिए परिश्रम करना पड़ता है।**

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) राजा साहब अपने अनुभवशील-नीतिकुशल दीवान की योग्यता के कारण उन्हें पदमुक्त करने को तैयार नहीं थें।

(ख) विज्ञापन में एक सुयोग्य युवक की अपेक्षा थी जो ग्रेजुएट भले न हो परंतु हष्ट-पुष्ट हों। मंदाग्नि का मरीज न हो और कर्तव्यपरायण हों।

(ग) हर एक व्यक्ति अपने जीवन को अपनी बुद्धि के अनुसार अच्छे रूप से दिखाने की कोशिश करता था। मिस्टर –अ' नौ बजे दिन तक सोया करते थे, आजकल वे बगीचे में टहलते हुए उषा का दर्शन करते थे। मिस्टर –ब' को हुक्का पीने की लत थी, पर आजकल बहुत रात गए किवाड़ बंद करके अँधेरे में सिगार पीते थे। मिस्टर –स', –द' और –ज' से उनके घरों पर नौकरों की नाक में दम था, लेकिन ये सज्जन आजकल –आप' और –जनाब' के बगैर नौकरों से बातचीत नहीं करते थे। महाशय –क' नास्तिक थे, हक्सले के उपासक, मगर आजकल उनकी धर्मनिष्ठा देखकर मंदिर के पुजारी को पदच्युत होने की शंका लगी रहती थी। मिस्टर –ल' को किताबों से घृणा थी, परंतु आजकल वे बड़े-बड़े ग्रंथ देखने-पढ़ने में डूबे रहते थे। जिससे बात कीजिए, वही नम्रता और सदाचार का देवता बना मालूम देता था।

(घ) जानकीनाथ ने जोर लगाकर पहियों को धकेला। कीचड़ बहुत ज्यादा था। वह घुटने तक जमीन में गड़ गया, लेकिन हिम्मत नहीं हारी। उसने फिर जोर लगाया, उधर किसान ने बैलों को ललकारा! बैलों को सहारा मिला, हिम्मत बँध गई, उन्होंने कंधे झुकाकर एक बार जोर लगाया तो गाड़ी नाले के ऊपर थी।

(ङ) जानकीनाथ को किसान की आवाज़ और चेहरा मोहरा सुजान सिंह जैसा लगा इसलिए उसे किसान के सुजान सिंह होने पर संदेह हुआ।

(च) सरदार सुजान सिंह ने जानकीनाथ को नये दीवान के तौर पर इसलिए नियुक्त किया क्योंकि जानकीनाथ एक उदार और आत्मबल से परिपूर्ण युवक था।

भाषा-बोध

1. समास-विग्रह कीजिए–

उत्तर–	धर्मनिष्ठ	=	**धर्म में निष्ठ**	पदच्युत	=	**पद से च्युत**
	अनुभवहीन	=	**अनुभव में हीन**	नीतिकुशल	=	**नीति में कुशल**

2. वर्तनी सही करके लिखिए–

उत्तर–	अपेक्षाक्रत	=	**अपेक्षाकृत**	दृष्टी	=	**दृष्टि**
	शक्ती	=	**शक्ति**	देवगढ	=	**देवगढ़**
	सतरंज	=	**शतरंज**	जोहरी	=	**जौहरी**
	मंदाग्नी	=	**मंदाग्नि**	रीयासत	=	**रियासत**
	नमृता	=	**नम्रता**	सोभाग्य	=	**सौभाग्य**

3. निम्नलिखित मुहावरों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– अवस्था ढल जाना = **काकी के बच्चे बड़े हो गए हैं और उनकी अवस्था ढल गई।**

नाक में दम होना = **शैतान बच्चे नाक में दम कर देते हैं।**

मिट्टी में मिल जाना = **भारत ने अपने दुश्मन पाकिस्तान को मिट्टी में मिला दिया।**

अमरनाथ की यात्रा

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

(क) (i) (ख) (i)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) वह क्षण **मौत** से सीधे साक्षात्कार का क्षण था।

(ख) महागुनस की **चोटी** और **घोड़े** की वह खतरनाक दौड़।

(ग) **''जाको राखे साइयाँ''** का जाप करते हुए लोग गुजर गए।

(घ) वेरीनाग से जो **बस** चली तो **हरियाली** की गोद में दौड़ती रही।

(ङ) पहलगाम का दूसरा दिन करीब-करीब **यात्रा कार्यालय** में ही बीता।

(च) इस जल के स्पर्श से **महापापों** का नाश हो जाता है।

3. सही कथन के सामने सत्य तथा गलत कथन के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) असत्य (ख) सत्य (ग) सत्य (घ) सत्य (ङ) असत्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) अपने मित्र के कहने पर

(ख) ऑक्सीजन की कमी के कारण लेखक को बहुत थकान हो गई जिस कारण मित्रों की सलाह पर उन्हें घोड़े पर सवार होना पड़ा।

(ग) वेरीनाग से जो बस चली तो हरियाली की गोद में दौड़ती रही। फिर जाने कब एक बहुत ही खूबसूरत नदी के किनारे-किनारे वह पहलगाम जा लगी। जी हाँ, वह खूबसूरत नदी मामूली खूबसूरत नहीं थी। असाधारण तौर पर खूबसूरत। नाम है 'लिद्दर'। सच कहता हूँ मैंने आज तक इतनी खूबसूरत नदी नहीं देखी। क्या पहाड़ी अल्हड़पन और क्या पानी का सफेद बहाव! तेजी ऐसी कि साँप शरमाए और गर्जना ऐसी कि समूचा पहलगाम उसके बिना सूना हो जाए।

(घ) 'छड़ी मुबारक' श्रीनगर के शंकराचार्य मंदिर में प्रस्थापित शिवलिंग का प्रतीक है और अमरेश्वर शिव से श्रावणी पूर्णिमा को गुफा में जाकर सबसे पहले उन्हीं का मिलन होता है।

(ङ) लेखक की तड़के आँख खुली तो टेंट के पीछे की रस्सियाँ खुली हुई और छोटे की ऊनी सदरी, चश्मा, जिसके बिना उसकी समूची दृष्टि यात्रा भर धुँधली रही और बहादुर की बरसाती जैकेट गायब थी।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची लिखिए–

उत्तर– घोड़ा = **तुरंग, अश्व** पानी = **जल, नीर**
गंगा = **भागीरथी, जाह्नवी** मकान = **सदन, घर**

2. विशेषण शब्दों के साथ उपयुक्त विशेष्य जोड़कर लिखिए–

उत्तर– निर्मल = **निर्मल गंगा** असाधारण = **असाधारण कार्य**
खूबसूरत = **खूबसूरत पर्वत** व्यक्तिगत = **व्यक्तिगत पत्र**
श्रद्धावान = **श्रद्धावान भक्त** साहसिक = **साहसिक यात्रा**

3. निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए उचित एक-एक शब्द लिखिए–

उत्तर– जो आस्था रखे = **आस्थावान**
जो व्यक्ति भ्रमण को निकला हो = **यात्री**
घर से बाहर भोजन करने का स्थान = **भोजनालय**
आमने-सामने हुई बातचीत = **साक्षात्कार**

4. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– क्षण = **प्रत्येक क्षण का अपना मूल्य होता है।**
खूबसूरत = **खूबसूरत पर्वत उतने ही दुर्गम होते हैं।**
प्रसिद्ध = **मोदी एक प्रसिद्ध नेता हैं।**
कृपा = **भगवत कृपा भक्त पर बनी रहती है।**
मुख = **मुख हमेशा साफ रखना चाहिए।**

10 काकी

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (i) (ख) (iii) (ग) (iii)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) शामू ने देखा कि घर में **कुहराम** मचा हुआ है।
(ख) काकी के **दाह-संस्कार** में वह न जा सका।
(ग) काका, मुझे **पतंग** मँगा दो।
(घ) शामू और भोला **अँधेरे कमरे** में बैठे पतंग में रस्सी बाँध रहे थे।
(ङ) भोला शामू से अधिक **समझदार** था।
(च) विश्वेश्वर **हैरान से** वहीं खड़े रह गए।

3. सही कथन के सामने सत्य तथा गलत कथन के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) सत्य (ख) असत्य (ग) सत्य (घ) असत्य (ङ) सत्य

4. निम्नलिखित पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– बारिश के बाद जमीन के ऊपर का पानी सूखने में देर नहीं लगती, लेकिन जमीन के नीचे

की नमी बहुत दिनों तक बनी रहती है।

भावार्थ- लेखक प्रस्तुत पंक्ति तयों द्वारा बताने चाहते हैं कि जिस प्रकार बारिश का पानी ऊपरी सतह से सूखने के बाद भी जमीन के नीचे बना रहता है उसी प्रकार व्यक्ति बाहरी तौर पर भले ही किसी परेशानी या गम को भुला दे परंतु अंदर ही अंदर वह उस परेशानी से कुंठित रहता है।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) काकी को ले जाते समय शामू ने बड़ा ऊधम मचाया। वह काकी के ऊपर जा गिरा। बोला, "काकी सो रही हैं। उन्हें कहाँ लिए जा रहे हो? मैं न जाने दूँगा।"

(ख) पड़ोस के बालकों से उसे पता चल गया कि काकी ऊपर राम के यहाँ गई हैं। वह कई दिन तक लगातार रोता रहा। फिर उसका रुदन तो शांत हो गया पर शोक शांत न हो सका।

(ग) शामू पतंग इसलिए मँगाना चाहता था कि वह पतंग के द्वारा अपनी काकी को आसमान से वापस लाना चाहता था।

(घ) भोला शामू से अधिक समझदार था। उसने कहा, "बात तो बड़ी अच्छी सोची। पर एक कठिनाई है। इसे पकड़कर काकी उतर नहीं सकतीं। इसके टूट जाने का डर है। पतंग में मोटी रस्सी हो, तो ठीक रहेगा।"

(ङ) भोला की बात सुनकर शामू गंभीर हो गया और उसने निश्चय किया कि वह किसी भी प्रकार मोटी रस्सी के लिए पैसे जुटायेगा। इसके लिए उसने फिर से विश्वेश्वर की जेब से एक रूपया चोरी किया।

(च) विश्वेश्वर ने शामू को दो तमाचे जड़कर कहा, "चोरी सीखकर जेल जाएगा? अच्छा, तुझे आज ठीक से समझाता हूँ।"

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो समानार्थी शब्द लिखिए–

उत्तर–

दिन	=	**दिवस, वार**	जमीन	=	**भूमि, धरती**
पत्नी	=	**बीवी, भार्या**	बालक	=	**बच्चा, लड़का**
मौत	=	**मृत्यु, काल**	पानी	=	**नीर, जल**

2. दिए गए क्रिया-शब्दों को प्रेरणार्थक रूप में बदलकर उनसे वाक्य बनाइए–

उत्तर–

मचाया	=	**मदारी ने बंदरों से उधम मचवाया।**
देखा	=	**बूढ़े ने नवयुवक से चित्र दिखवाया।**
भागा	=	**दूध पी जाने पर कुत्तें को भगवाना पड़ा।**

3. निम्नलिखित के वचन बदलकर इनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर–

मैं	=	**हम सभी गोवा जाएँगे।**
दासी	=	**राजा की एक दासी बूढ़ी थी।**
पतंग	=	**आसमान में एक रंग-बिरंगी पतंग थी।**
रस्सी	=	**पेड़ पर एक रस्सी लटकी थी।**
रुपया	=	**मुझे नकद रुपया चाहिए।**

11 थॉमस एल्वा एडीसन

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (i)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) **विज्ञान** ने मनुष्य के जीवन को सुगम और सरल बना दिया है।

(ख) अमेरिका के 'मीलान' नामक स्थान पर 11 फरवरी, 1847 को **थॉमस एडीसन** का जन्म हुआ था।

(ग) बालक एडीसन का **स्वास्थ्य** अच्छा नहीं रहता था।

(घ) एडीसन ने तार का एक कठिन काम कर दिखाया जिससे उसे फिर **तारघर** में नौकरी मिल गई।

3. सही कथन के सामने सत्य तथा गलत कथन के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) सत्य (ख) असत्य (ग) सत्य (घ) सत्य (ङ) असत्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) विज्ञान द्वारा मनुष्य का जीवन सुगम और सरल हो गया है।

(ख) एडीसन के पिता सेमुअल एडीसन सेना में नौकरी करते थे। एडीसन की माता का नाम लैंसी इलियट था। वह विदुषी थीं।

(ग) एक दिन वह गाड़ी में परीक्षण कर रहा था कि अचानक फास्फोरस से आग लग गई। गार्ड ने गाड़ी रोककर आग बुझवाई। क्रोध में आकर गार्ड ने एडीसन की कनपटी पर एक घूँसा जमाया। इससे एडीसन कुछ बहरा हो गया। फिर वह पहले की तरह सुनने योग्य जीवन-भर न हो सका।

(घ) एडीसन को न्यूयॉर्क की एक कंपनी में अच्छी नौकरी मिल गई। उसने कंपनी के एक बिगड़े हुए यंत्र को बिल्कुल ठीक कर दिया। इस पर उसे सब कारीगरों का मुखिया बना दिया गया और अब उसे 300 डॉलर मासिक वेतन मिलने लगा।

(ङ) अक्टूबर, 1931 मे।

(च) यद्यपि एडीसन की जीवन-ज्योति बुझ गई, तथापि उसके द्वारा दिया गया बिजली का बल्ब आज भी जगमगा रहा है।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए–

उत्तर– देहांत = **देह + अंत** प्रोत्साहित = **प्र + उत्साहित**

सदुपयोग = **सद् + उपयोग** मनोरंजन = **मनः + रंजन**

2. निम्नलिखित वाक्यों में से कर्ता को अलग करके लिखिए–

उत्तर– (क) एडीसन (ख) गार्ड

(ग) राष्ट्रपति

12 पिता का न्याय

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (i) (ख) (ii)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) **केशनी** एक राजपुत्री थी।

(ख) विरोचन **प्रसन्न** हो उठा क्योंकि उसे **विश्वास** था कि उसके पिता का निर्णय उसी के पक्ष में होगा।

(ग) सुधन्य अपने पिता के **आश्रम** से पैदल ही आ रहा था।

(घ) सुधन्य और केशनी का **विवाह** हो गया।

3. सही कथन के सामने सत्य तथा गलत कथन के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) सत्य (ख) सत्य (ग) सत्य (घ) असत्य (ङ) सत्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– (क) उसने केशनी से कहा, "राजकुमारी, मैंने सुना है कि तुम ऋषिकुमार सुधन्य के साथ विवाह करने जा रही हो। उसके साथ विवाह करने से तुम्हें कौन-सा सुख मिलेगा? वह तो निर्धन है। तुम मुझसे विवाह कर लो। मेरे साथ विवाह करने से तुम्हें अपार सुख प्राप्त होगा, तुम आजीवन सुखी रहोगी।"

(ख) केशनी ने उत्तर दिया, "मैं सांसारिक सुखों के लिए विवाह नहीं कर रही हूँ। मैं विवाह कर रही हूँ एक सुंदर हृदय वाले जीवनसाथी को प्राप्त करने के लिए जो ज्ञानवान और विचारवान हो।"

(ग) सुधन्य श्रेष्ठ था।

(घ) इस कहानी से हमें शिक्षा मिलती है कि ज्ञान धन से अधिक श्रेष्ठ है।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर– विवाह = **शादी, ब्याह** धन = **संपत्ति, दौलत**

निर्धन = **गरीब, दीन** राजा = **नृप, भूपति**

समय = **काल, वक्त** पुत्र = **बेटा, आत्मज।**

2. 'सुख' और 'सूख' सुनने में कुछ-कुछ समान लगते हैं पर दोनों के अर्थ भिन्न हैं।

अब आप दिए गए शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य द्वारा अंतर स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– (क) दिन = **(एक वार) सोमवार एक थकान भरा दिन था।**

दीन = **(निर्धन) दीन व्यक्ति को सताना नहीं चाहिए।**

(ख) अन्न = **(अनाज) अन्न ही जीवन है।**

अन्य = **(दूसरा) अन्य देश भारत से व्यापार करते हैं।**

(ग) कपट = **(छल) कपट एक दुर्गुण है।**

कपाट = **(द्वार) कपाट हवा से बंद हो गए।**

(घ) सुना = **(सुना गया) उसका गाना सुना गया।**
सूना = **(निर्जन) सूना घर खाने को आता है।**

3. निम्नलिखित उपसर्गों से निर्मित दो-दो शब्द लिखिए–

उत्तर– अ = **असमानता, अजर** वि = **विरोध, विचरण**
आ = **आजीवन, आजन्म** प्र = **प्रवेश, प्रचार**

4. तीनों प्रकार की संज्ञाओं के दो-दो उदाहरण लिखिए–

उत्तर– व्यक्तिवाचक संज्ञा = **राम** **ताजमहल**
जातिवाचक संज्ञा = **शेर** **पुजारी**
भाववाचक संज्ञा = **प्रसन्नता** **ईमानदारी**

13 बाललीला

अभ्यास

कविता-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (i) (ख) (iii) (ग) (ii)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) आगै आउ, बात सुनि मोरी **बलदेवहिं** न जनैहौं।
(ख) **भोर** भए गैयन के पाछे, मधुबन मोहि पठायो।
(ग) ग्वाल-बाल सब बैर पड़े हैं, **बरबस** मुख लपटायो।
(घ) **सूरदास** तब बिहँसि जसोदा, लै उर कंठ लगायो।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) कृष्ण मैय्या यशोदा से चंद्रमा का हठ कर रहें है। मैय्या के न करने पर वो कहते हैं यदि मुझे चंद्र न दिया तो मैं केवल नंद बाबा का पुत्र कहलाऊँगा।
(ख) कृष्ण का माखन से लिपटा मुख देखकर उनकी माखन चोरी पकड़ी जाती है।
(ग) माखन चोरी पर जब मैय्या यशोदा कृष्ण को पकड़ती हैं तो वो कहते है कि मैंने माखन नहीं चुराया। ग्वालों ने ही मेरे मुख पर माखन लगाया है। यदि तुम मेरा विश्वास नही करती तो मैं जानूँगा कि अब मैं तेरे लिए पराया हो गया।
(घ) कृष्ण अंत में अपनी लाठी यशोदा को वापस करके कहते हैं कि तूने मुझे बहुत नाच नचाया।

भाषा-बोध

1. नीचे दिए तद्भव शब्दों के तत्सम रूप लिखिए–

उत्तर– बहियन = **बाँह** मुँह = **मुख**
मैया = **माता** पहर = **प्रहर**
सिर = **शीश** पूत = **पुत्र**
धरनि = **धरती** साँझ = **संध्या**

2. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए–

उत्तर– धरनि = **धरती** मैया = **माता**

माखन	=	**मक्खन**	पय	=	**दूध**
बेनी	=	**चोटी**	सुरभी	=	**गाय**
चंद्र	=	**चंद्रमा**	सुत	=	**बेटा**

3. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– चंद्र = **चंद्र एक उपग्रह है।**
पय = **पय बच्चों के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है।**
सुत = **राम दशरथ सुत कहलाते हैं।**
भोर = **भोर में पूजा करनी चाहिए।**
विधि = **विधि का पालन करना चाहिए।**
भेद = **मनुष्यों में भेद नहीं करना चाहिए।**
उर = **सावन से सखियों के उर में कृष्ण की याद बलवती हो गई।**

14 धर्मबुद्धि और पापबुद्धि

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (iii) (ग) (ii)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) दोनों मित्रों ने अपने परिवारवालों से **अनुमति** ली और **नगर** की ओर चल दिए।
(ख) रात्रि में पापबुद्धि ने वृक्ष के नीचे से सारा **धन** चुरा लिया।
(ग) मैं तो पराए धन को **मिट्टी के ढेले** के समान समझता हूँ।
(घ) न्यायाधीश के समक्ष दोनों एक-दूसरे पर **दोषारोपण** करने लगे।
(ङ) पापबुद्धि का पिता वृक्ष के **खोखले** भाग में जाकर छिप गया।

3. सही कथन के सामने सत्य तथा गलत कथन के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) सत्य (ख) सत्य (ग) सत्य (घ) असत्य (ङ) सत्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) धर्मबुद्धि चतुर और बुद्धिमान था। लेकिन पापबुद्धि मूर्ख और निर्धन था।
(ख) उन दोनों ने एक वृक्ष के नीचे एक गड्ढा खोदा और थोड़ा-सा धन अपने लिए रखकर बाकी धन जमीन में गाड़ दिया। तब दोनों अपने-अपने घर चले गए।
(ग) पापबुद्धि ने धर्म बुद्धि पर आरोप लगाया कि उसने सारा धन गड्ढे से चुरा लिया।
(घ) पापबुद्धि ने अपने पिता से कहा, "जिस वृक्ष के नीचे हम लोगों ने धन छिपाया था, वह वृक्ष बीच में से खोखला है। आप जाकर उस खोखले भाग में छिप जाइए। जब न्यायाधीश के साथ मैं और धर्मबुद्धि वहाँ आएँगे और मैं वन देवता से शपथ दिलाकर सत्य कहने के लिए कहूँगा तो वन देवता की ओर से आप कह दीजिए कि धर्मबुद्धि चोर है, सारा धन उसी ने चुराया है।"
(ङ) धर्मबुद्धि क्रोधित होकर उस पेड़ की ओर दौड़ पड़ा तथा कुछ सूखी पत्तियाँ और

सूखी टहनियाँ एकत्र करके आग जला दी। आग ने तेजी पकड़ ली, वृक्ष भी जलने लगा, तभी लोगों ने देखा कि उस वृक्ष के खोखले भाग में से अधजले शरीर वाला व्यक्ति हाय-हाय करता हुआ बाहर निकला। उसी समय पुलिस और गाँव वालों ने उसे घेर लिया और पूछा कि तुम कौन हो? उसने रो-रोकर अपने दुष्ट पुत्र पापबुद्धि की सारी करतूत बता दी। अब सच्चाई सबके सामने थी।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए–

उत्तर– परिश्रम = **मेहनत** निर्धन = **गरीब** पर्याप्त = **काफी**
समाप्त = **खत्म** कपट = **छल** आश्चर्य = **विस्मय**
प्रशंसा = **तारीफ** एकत्र = **इकट्ठा**

2. निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञाएँ बनाइए–

उत्तर– मित्र = **मित्रता** बुद्धिमान = **बुद्धिमानी**
ईमानदार = **ईमानदारी** सच = **सच्चाई**
निर्धन = **निर्धनता** क्रोधी = **क्रोध**

3. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची लिखिए–

उत्तर–	व्यक्ति	= **इंसान**	**मनुज**	**मानव**
	घर	= **गृह**	**आवास**	**निवास**
	वृक्ष	= **पेड़**	**पादप**	**तरु**

15 आँखें खोल दीं

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (iii) (घ) (i)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) कांता एक **गरीब** परिवार की लड़की थी।
(ख) कांता बड़ी **समझदार** थी और काम में **प्रवीण** भी।
(ग) अध्यापिका ने कांता को **आठवीं** कक्षा की प्राइवेट परीक्षा का फॉर्म भरवा दिया।
(घ) **सेठ-सेठानी** ने कांता के परीक्षा में प्रथम श्रेणी में पास होने की खबर दी।
(ङ) सेठानी ने कांता की **पढ़ाई** का राज खोला।

3. सही कथन के सामने सत्य तथा गलत कथन के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) सत्य (ख) सत्य (ग) असत्य (घ) असत्य (ङ) सत्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) कांता के पिता लड़कियों की शिक्षा के खिलाफ थे। उनके अनुसार पढ़ाई लिखाई लड़कियों को शोभा नहीं देती।
(ख) एक दिन सेठानी ने उसे किसी कागज पर वर्णमाला लिखते हुए देख लिया। वह बड़ी

प्रभावित हुई। अध्यापिका तो खुश थीं ही। दोनों ने कांता को पढ़ने के लिए प्रेरित किया।

(ग) समाचार पाकर कांता अपनी माँ व छोटे भाई को लेकर अस्पताल पहुँची। डॉक्टरों से बातचीत करना, चिकित्सा सहायता कोष से दवाइयों का प्रबंध करना, ठेकेदार के खिलाफ शिकायत दर्ज कराना जैसे कठिन काम कांता ने बखूबी पूरे किए।

(घ) सेठ-सेठानी भी वहाँ आ पहुँचे। उन्होंने कांता के परीक्षा में प्रथम श्रेणी में पास होने की खबर देकर बधाई दी। कांता अपने पिता जी के ठीक होने से तो खुश थी ही, इस समाचार से तो उसका मन बल्लियों उछलने लगा।

भाषा-बोध

1. 'मन न लगना' एक मुहावरा है। ऐसे ही 'मन' शब्द के प्रयोग वाले कुछ मुहावरे इस पाठ में आए हैं, उन्हें छाँटकर उनके अर्थ लिखिए–

मुहावरे	**अर्थ**
मन मचलना	**तीव्र इच्छा होना**
मन मारना	**इच्छा को दबाना**
मन मसोसना	**दुःखी हो जाना**
मन जीतना	**प्रसन्न कर देना**
मन चाही मुराद	**जैसी इच्छा हो**
मन बल्लियों उछलना	**बहुत प्रसन्न होना**

2. 'स्वस्थ' शब्द से स्वास्थ्य, अस्वस्थ और स्वास्थ्यवर्धक आदि शब्द बनते हैं। आप भी इन शब्दों से तीन-तीन शब्द बनाइए–

जीवन = **जीवनदान, जीवनदायक, जीवन-मरण**
वर्ण = **वर्णांध, सुवर्ण, अवर्ण**
चिकित्सा = **चिकित्सक, चिकित्साशास्त्र, चिकित्सकीय**
परीक्षा = **परीक्षक, परीक्षण, परीक्षार्थी**

3. निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखिए–

गरीब	=	**अमीर**	महिला	=	**पुरुष**
रुचि	=	**अरुचि**	प्रभावित	=	**अप्रभावित**
होशियार	=	**बेवकूफ**	खुश	=	**दुःखी**
प्रथम	=	**अंतिम**	जीवन	=	**मरण**
प्रसन्नता	=	**अप्रसन्नता**	समझदार	=	**नादान**
पढ़ना	=	**लिखना**	खुश	=	**उदास**

4. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए–

उत्तर–

प्रवीण	=	**निपुण**	अनुमति	=	**आज्ञा**
व्यवस्था	=	**प्रबंध**	दक्ष	=	**कुशल**
राज	=	**शासन**	सांत्वना	=	**ढांढ़स**
उत्तीर्ण	=	**सफल**	गर्व	=	**गौरव**

16 बदला तो मैंने भी लिया था

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) उन दिनों मैं **पंजाब रेजिमेंट** की ओर से खेला करता था।
(ख) तुम चिंता **मत** करो, मैं इसका **बदला** जरूर लूँगा।
(ग) मुझसे मेरी **सफलता** का राज जानना चाहते हैं।
(घ) 16 साल की उम्र में मैं **प्रयाग** में एक साधारण **राजपूत** के रूप में भरती हो गया।
(ङ) उस समय मैं सेना में **लांस नायक** था।
(च) उन्होंने मुझे **हॉकी का जादूगर** कहना शुरू कर दिया।
(छ) **हिटलर** ने भी अपनी ओर से मुझे एक पदक दिया था।

3. सही कथन के सामने सत्य तथा गलत कथन के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) असत्य (ख) सत्य (ग) सत्य (घ) सत्य (ङ) असत्य

4. निम्नलिखित पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– लगन, साधना और खेल-भावना यही सफलता के सबसे बड़े मंत्र हैं।

भाव - लगन से अपने काम को साधना की तरह करने से और खेल भावना रखने से सफलता अवश्य मिलती है।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) माइनर्स टीम के खिलाड़ी ध्यानचंद से गेंद छीनने की कोशिश करते मगर उनकी हर कोशिश बेकार जाती। इससे गुस्साये एक खिलाड़ी ने उनके सिर पर हॉकी मार दी।

(ख) ध्यानचंद ने छः गोल दागकर माइनर्स टीम को हराया और उक्त खिलाड़ी से कहा कि अगर तुम मुझे हॉकी न मारते तो मैं तुम्हारी टीम को दो ही गोलो से हराता। इस प्रकार ध्यानचंद ने उस खिलाड़ी से बदला लिया।

(ग) ध्यानचंद्र कहते है कि लगन, साधना और खेल-भावना यही सफलता के सबसे बड़े मंत्र हैं।

(घ) बर्लिन ओलंपिक में ध्यानचंद के शानदार प्रदर्शक के कारण लोग उन्हें हॉकी का जादूगर कहने लगे।

(ङ) अपने किसी साथी खिलाड़ी को दे दूँ, ताकि उसे गोल करने का श्रेय मिल जाए। अपनी इस खेल-भावना के कारण मैंने हिटलर तक का दिल जीत लिया था। लोग कहते हैं कि उसने अपने किसी अधिकारी से पूछा था कि यह खिलाड़ी भारतीय सेना में किस पद पर है। जब उसे यह मालूम हुआ कि मैं लांस नायक हूँ तो उसने अपने उस अधिकारी से कहा कि उससे कहो कि वह जर्मनी में आ जाए, मैं उसे मार्शल बना दूँगा। बर्लिन ओलंपिक में हमें –स्वर्ण पदक' तो मिला ही, लेकिन हिटलर ने भी अपनी ओर से मुझे एक पदक दिया था।

(च) खेलते समय हमें हमेशा इस बात का ध्यान रखना चहिए कि हार या जीत हमारी नहीं, बल्कि पूरे देश की है।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के तद्भव शब्द लिखिए–

उत्तर– हस्त = **हाथ** कृषक = **किसान** अग्नि = **आग**
रात्रि = **रात** दंत = **दाँत** दुग्ध = **दूध**
सूर्य = **सूरज** कर्पूर = **कपूर** कर्म = **काम**
मुख = **मुँह** कूप = **कुआँ** कर्ण = **कान**

2. निम्नलिखित दो भाषाओं के शब्दों से दो-दो संकर शब्द बनाइए–

उत्तर– हिंदी + अंग्रेजी = **सिलाई मशीन** **लाठीचार्ज**
अंग्रेजी + हिंदी = **रेलगाड़ी** **हेडमुीनम**
हिंदी + फारसी = **पाँच हजार** **चालबाज**
अंग्रेजी + फारसी = **डाल्सेगंज** **हंटरंगज**

3. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर– दिन = **दिवस, वार** प्रयत्न = **कोशिश, प्रयास**
गुस्सा = **क्रोध, कोप** उम्र = **आयु, वय**
स्वर्ण = **सोना, कनक** विश्व = **संसार, जगत**

4. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– दिलचस्प = **कुछ लोगो की पढ़ने में बहुत दिलचस्पी होती है।**
घटना = **उसने पुलिस को सारी घटना बताई।**
कोशिश = **कोशिश करने वालो की कभी हार नहीं होती।**
चिंता = **चिंता चिता के समान है।**
अच्छा = **अच्छा बुरा करना मनुष्य के वश में है।**

17 हमारी अमूल्य संपदा-वन

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (i)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) मानव-जीवन का **पर्यावरण** से घनिष्ठ संबंध है।
(ख) पर्यावरण के विविध घटकों में **वनों** का अत्यधिक महत्व है।
(ग) वृद्ध किसान का कथन पूर्णतः **सत्य** था।
(घ) वृक्ष **वर्षा** कराने में सहायक हैं।
(ङ) **सामाजिक बानिकी** संपूर्ण देश में वृक्षारोपण का व्यापक कार्यक्रम है।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) प्राचीन भारतीय ग्रंथों में वनों की महिमा के अनेक उल्लेख उपलब्ध हैं। अथर्ववेद में वनों को समस्त सुखों का स्रोत कहा गया है। गीता में श्रीकृष्ण ने वृक्ष को ईश्वर की विभूति कहकर उसका महत्व स्पष्ट किया है। अग्निपुराण में वृक्षों को काटना निषेध

किया गया है क्योंकि वे परिवार की सुख-समृद्धि के आधार हैं। मत्स्यपुराण में एक वृक्ष को दस पुत्रों के बराबर बताया गया है।

(ख) वृक्षों के लाभ भी अनेक हैं। ये वर्षा में सहायक हैं। वृक्षों की घूमती हुई शाखाएँ श्याम मेघमालाओं को जलवृष्टि का निमंत्रण देती हैं। वृक्षों की जड़ें पानी के तेज बहाव को रोकती हैं जिससे भूमि-संरक्षण में सहायता मिलती है। तेज बहाव रुकने से भूमि की उर्वराशक्ति सुरक्षित रहती है।

वृक्ष कई प्रकार से हमारे काम आते हैं। जड़ से लेकर तना, शाखाएँ, छाल, फल, फूल, बीज आदि सभी हमारे जीवन के लिए उपयोगी हैं। उनकी लकड़ी घरेलू उपयोग के सामान बनाने तथा ईंधन के काम आती है।

वनों के और भी कई लाभ हैं। पेड़-पौधे वातावरण की अशुद्ध एवं हानिकारक वायु को स्वयं पचा लेते हैं और वायु को शुद्ध रखते हैं। ये भूमि को अधिक तप्त होने से रोकते हैं।

(ग) वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यदि भू-तल पर वृक्ष न होते तो पृथ्वी का तापमान बढ़कर इतना अधिक हो जाता कि ध्रुवीय प्रदेशों पर जमी बर्फ भी पिघल जाती। उस बर्फ के पिघलने से पृथ्वी पर जल की मात्रा इतनी अधिक हो जाती कि पृथ्वी उसमें समा जाती। तब न पृथ्वी पर मानव रह पाता, न पशु-पक्षी और न वनस्पति-जगत।

(घ) आधुनिक काल में पेड़-पौधों की उपयोगिता देखते हुए उन्हें हरा सोना कहते हैं।

(ङ) वृक्षों के संवर्द्धन हेतु अनावश्यक वनों की कटाई को रोकना अति आवश्यक है। बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण और प्रोत्साहन से बंजर हो चुके क्षेत्रों को पुनः हरा-भरा किया जा सकता है।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित शब्दों में उपसर्ग जोड़कर नए शब्द लिखिए–

उत्तर– एक = **अनेक** पुत्र = **कुपुत्र**
वक्त = **बे वक्त** ईमान = **बेईमान**
पेट = **भरपेट** फल = **निष्फल**

2. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए–

उत्तर– सर्वाधिक = **सर्व + अधिक** विद्यार्थी = **विद्या + अर्थी**
अत्यावश्यक = **अति + आवश्यक** उल्लेख = **उत् + लेख**
वृक्षारोपण = **वृक्ष + आरोपण** इत्यादि = **इति + आदि**

18 श्रवण कुमार

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii) (घ) (i)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) पुत्र! मैं चाहता हूँ कि **मृत्यु** से पूर्व तीर्थ-यात्रा कर लेते तो उचित रहता।

(ख) मैं सहर्ष आप दोनों की **अभिलाषा** पूर्ण करूँगा।

(ग) मैं काँवर में बैठाकर आप लोगों को **तीर्थयात्रा** पर ले जाऊँगा।

(घ) **विधाता** ने शीघ्र ही जल का प्रबंध कर दिया।

(ङ) प्रतीत होता है कि इस घोर वन में कोई **हिंसक पशु** जल पी रहा है।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) श्रवण कुमार। श्रवण कुमार अपने माता-पिता का परम भक्त था। वह उनकी बड़ी सेवा करता था।

(ख) श्रवण कुमार ने काँवर में बैठाकर अपने माता पिता को तीर्थ यात्रा करवाई।

(ग) **दशरथ** – (भयभीत होकर) हे मानस पुत्र! मैं दशरथ हूँ। अनजाने ही मैंने यह बाण छोड़ा है। हे मुने! आप मुझे क्षमा कीजिए।
(ऐसा कहकर दशरथ श्रवण के चरणों में गिर जाते हैं।)

श्रवण – हे नृप श्रेष्ठ! डरो नहीं, तुम्हें ब्रह्म-हत्या नहीं लगेगी, क्योंकि मैं तपस्या में लगा हुआ एक वैश्य हूँ। मेरे माता-पिता प्यास से व्याकुल हो मेरी बाट देखते होंगे। इसलिए वे कुपित हो गए तो तुम्हें भस्म कर डालेंगे। उन्हें नमस्कार कर उनके प्यासे कंठ को तृप्त कर अपना सारा कृत्य सुना देना। आह! मुझे अत्यंत पीड़ा हो रही है। हे राजन! तुम मेरे शरीर से बाण निकाल दो ताकि मेरी पीड़ा कम हो जाए और मैं प्राण त्याग सकूँ।

(घ) मुनि शांल्वन ने राजा दशरथ को शाप दिया कि''- राजन! तुम्हारे कारण उपस्थित हुई विपत्ति की इन घड़ियों में मुझे पुत्र-वियोग जैसा कष्ट भोगना पड़ रहा है, ऐसा ही तुम्हें भी भोगना होगा। तुम भी पुत्र-शोक से काल के गाल में समा जाओगे।''

(ङ) श्रवण के चरित्र से हमें माता-पिता की सेवा करने और विपत्ति में भी मन में दया भाव रखने की शिक्षा मिलती है।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची लिखिए–

उत्तर–

नेत्र	=	**आँख, नैन**	पुत्र	=	**बेटा, पूत**
वृक्ष	=	**पेड़, पादप**	जल	=	**पानी, नीर**
धरती	=	**भूमि, ज़मीन**	राजा	=	**नृप, भूपति**

2. निम्नलिखित शब्दों को वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर–

अनुराग	=	**माता को बच्चों से विशेष अनुराग होता है।**
अभिलाषा	=	**धन की अभिलाषा हर किसी को होती है।**
विधाता	=	**विधाता सर्वशक्तिमान हैं।**
सौभाग्य	=	**भारत में जन्म लेना सौभाग्य की बात है।**
कर्तव्यपालन	=	**कर्तव्यापलन करने से सफलता अवश्य मिलती है।**
प्रस्थान	=	**खाना खाकर उन्होंने कार्य के लिए प्रस्थान किया।**

19 प्रायश्चित्त

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (ii)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) लेकिन बहू ठहरी **चौदह वर्ष** की बालिका।
(ख) रामू की बहू के लिए **खाना-पीना** दुश्वार था।
(ग) **पंजा** कटोरे में लगा और कटोरा **झनझनाहट** की आवाज के साथ फर्श पर।
(घ) **प्रायश्चित्त** होगा, **पकवानों** पर हाथ लगेगा।
(ङ) माँ जी **बिल्ली** तो उठकर भाग गई।

3. सही कथन के सामने सत्य तथा गलत कथन के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) असत्य (ख) असत्य (ग) सत्य (घ) असत्य (ङ) सत्य

4. किसने, किससे कहा–

उत्तर– (क) **मिसरानी** ने **माँजी** से (ख) **पंडित परमसुख** ने **पंडिताइन** से
(ग) **रामू की माँ** ने **पंडित जी** से (घ) **छुन्नू की दादी** ने **रामू की माँ** से

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) रामू को रूखा-सूखा भोजन मिलता था यूँ कि कबरी बिल्ली सारी घी-दूध खा जाती थी।

(ख) रामू की बहू एक कटोरा दूध दरवाजे की देहरी पर रखकर चली गई। हाथ में पाटा लेकर लौटी तो देखती है कि कबरी दूध पर जुटी हुई है, मौका हाथ में आ गया। सारा बल लगाकर पाटा उसने बिल्ली पर पटक दिया। कबरी हिली न डुली, न चीखी न चिल्लाई, बस एकदम पलट गई।

(ग) कबरी बिल्ली की हत्या से घर-पड़ोस में सब चिंतित हो उठे और रामू की बहू के सिर से बिल्ली की हत्या का पाप उतारने के लिए चर्चा करने लगे।

(घ) बिल्ली की हत्या की खबर बिजली की तरह पास-पड़ोस में फैल गई। पड़ोस की औरतों का रामू के घर ताँता बँध गया।

(ङ) पंडित परमसुख चौबे छोटे-से, मोटे-से आदमी थे। लंबाई चार फीट दस इंच और तोंद का घेरा अट्ठावन इंच। चेहरा गोल-मटोल, बड़ी-बड़ी मूँछें, रंग गोरा, गोखुरी चोटी कमर तक पहुँची हुई।

(च) पंडित परमसुख ने कहा कि शास्त्रों में लिखा है कि बिल्ली के वजन भर सोने की बिल्ली बनवाई जाए और बहू से दान करवायें। बिल्ली दान करने के बाद इक्कीस दिन का पाठ हो जाए।

(छ) महरी ने लड़खड़ाते स्वर में बताया कि बिल्ली तो उठकर भाग गई है।

(ज) प्रायश्च्चित कहानी से हमें शिक्षा मिलती है कि हमें अंधविश्वास और पाखंड से दूर रहना चाहिए।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए–

उत्तर–

घृणा	=	**द्वेष**	घोर	=	**अत्यंत**
हुक्म	=	**आदेश**	दुश्वार	=	**मुश्किल**
देहरी	=	**चौखट**	भंडारघर	=	**गोदाम**
ब्रह्ममुहूर्त	=	**प्रातःकाल**	सहानुभूति	=	**दया**
अंत	=	**आखिर**	व्यंग्य	=	**मजाक**
प्रबंध	=	**व्यवस्था**	प्रेम	=	**प्यार**

2. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए–

उत्तर–

घृणा	=	**द्वेष**	बहू	=	**वधू**
मुश्किल	=	**दुश्वार**	पति	=	**स्वामी**
आवाज	=	**ध्वनि**	खून	=	**रक्त**
नींद	=	**निद्रा**	वार	=	**हमला**

3. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर–

प्रायश्चित्त	=	**पापों का प्रायश्चित आवश्यक होता है।**
घृणा	=	**दूसरों से घृणा नहीं करनी चाहिए।**
अपराधिनी	=	**कैकेयी सबको अपराधिनी लगती है।**
गंभीर	=	**मरीज की हालत बहुत गंभीर है।**
समाप्त	=	**अध्याय समाप्त होने पर प्रश्न हल करें।**

20 तिवारी का तोता

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (i)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर–

(क) काशी की पवित्र नगरी में एक पंडित **तिवारी** रहते थे।

(ख) जंगल के तोते ने कहा, तेरा **घर** अपना बनाया हुआ नहीं है।

(ग) तेरा **पिंजरा** तेरी दुनिया की सबसे बड़ी मुसीबत है।

(घ) जंगल का तोता दूसरे दिन आने की **प्रतिज्ञा** करके चला गया।

(ङ) पंडित तिवारी के **लड़के** ने तोते को बार-बार सींक चुभोई।

3. सही कथन के सामने सत्य तथा गलत कथन के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) असत्य (ख) सत्य (ग) असत्य (घ) सत्य (ङ) सत्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) पिंजरे का तोता गुलाम था जबकि जंगल का तोता आज़ाद था। यहीउन दोनों की स्थिति मे प्रमुख अंतर था।

(ख) पिंजरे के तोते की गुलामी ही उसका दुर्भाग्य थी। उसका घर भी उसका बनाया हुआ नही था। उसका मरना जीना भी उसके हाथ में नही था। उसने कभी खुली हवा में साँस नहीं ली और कभी अपने रास्ते आप नहीं ढूँढ़े।

(ग) पिंजरे का तोता अपने मालिक का गुणमान इसलिए करता है क्योंकि उसे लगता है की वही उसे खाना पीना और सुरक्षा प्रदान करता है।

(घ) जंगल के तोते ने उसे बताया, "इसलिए कि तू मालिक की बात सुनता है और मालिक की बोली बोलता है। सिर्फ एक दिन अपने मालिक की बात न सुन और उसकी बात का उसकी बोली में जवाब न दे और फिर देख, क्या होता है!"

(ङ) मरे हुए तोते की आत्मा ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि मृत्यु के पश्चात् उसे वास्तविकता का ज्ञान हो गया था कि वह जीवन भर एक कैद में था और जंगली तोता सत्य बोल रहा था।

भाषा-बोध

1. रेखांकित अंश में कौन-सा कारक प्रयुक्त हुआ है? लिखिए–

उत्तर– (क) तिवारी के बेटे ने सींक चुभोई। **सम्बन्ध**

(ख) श्याम ने दूध पिया। **कर्ता**

(ग) पेड़ से पत्ता गिर गया। **अपादान**

(घ) मैं तेरे लिए पानी लाया हूँ। **सम्पदान**

(ङ) पिंजरे में दाना है। **अधिकरण**

2. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त क्रिया के नीचे रेखा खींचिए–

उत्तर– (क) काशी में तिवारी जी **रहते** थे।

(ख) पिंजरे के तोते ने **जबाव** दिया।

(ग) मेरा घर मेरा **कैदखाना** है।

(घ) हैरानी आँखों की पलकों पर **छाई हुई** थी।

(ङ) **उनके पास** एक तोता था।

(च) जंगली तोता उसके पिंजरे के सामने **बैठ** गया।

(छ) तू मालिक की **बात सुनता** है।

(ज) तोते ने जंगल में खतरा **बताया**।

काले बादल

अभ्यास

कविता-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (i) (ख) (ii) (ग) (ii)

2. कविता की पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए–

उत्तर– आज दिशा है **घोर अँधेरी**,
नभ में गरज रही रणभेरी,

चमक रही चपला **झण-झण पर**,
झनक रही झिल्ली, झन-झन कर!

3. निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए–

उत्तर–

मुझे मृत्यु की भीति नहीं है,	**मुझे मृत्यु का डर नहीं है।**
पर अनीति से प्रीति नहीं है,	**पर अनैतिकता से कोई प्यार नही है।**
यह मनुजोचित रीति नहीं है,	**यह मानव के लिये उपयुक्त परंपरा नही है।**
जन में प्रीति प्रतीति नहीं है।	**संसार में अब कोई प्यार प्रेम नही है।**
देश जातियों का कब होगा	**जातियों में बँटे देश के मानवों में**
नव मानवता में रे एका,	**एकता कब होगी? द्वेष के काले**
काले बादल में कलकी, सोने की रेखा!	**बादलों में वो एकता स्वर्ण आमा से चमकेगी।**

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) काले बादल में चाँदी की रेखा का अर्थ है कि काले बादलों में बिजली चमकती हैं।

(ख) काले बादलो से कवि का तात्पर्य है जाति द्वेष, विश्व अशांति और सामाजिक भेदभाव।

(ग) कवि को अनैतिकता और सामाजिक भेदभाव से घृणा हैं।

(घ) कवि की इच्छा है कि मानव द्वेष और भेदभाव के इन काले बादलों को छेद कर नया सवेरा करे।

(ङ) कवि ने निराशा में से आशा कि किरण के लिए काले बादलों से शोर करती सोने की रेखा का उदाहरण दिया है।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर– केकी = **मोर मयूर** पथ = **रास्ता, राह**

नभ = **गगन, आकाश** चपला = **बिजली, विद्युत**

2. निम्न शब्दों के भिन्नार्थक दो-दो वाक्य बनाइए–

उत्तर– चपला = **आकाश में चपला कड़कने से सब डर गए। हमारी नौकरानी हर काम में चपला है।**

विधि = **बहू को खीर बनाने की विधि नही आती थीं। विधि का पालन आवश्यक है।**

22 मालव-प्रेम

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (i) (ख) (iii) (ग) (i)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) आकाश की **तारिका** की ओर पृथ्वी पर पैर रखकर चलने वाला प्राणी कैसे हाथ बढ़ा सकता है?

(ख) जो हल पकड़ना जानता है, वह **शस्त्र** पकड़ना भी जान सकता है।

(ग) मालव-भूमि को **श्रीपाल** का मस्तक चाहिए।

(घ) इस समय देश के सम्मुख **जीवन मरण** का प्रश्न है श्रीपाल!

3. सही कथन के सामने सत्य तथा गलत कथन के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) सत्य (ख) सत्य (ग) सत्य (घ) सत्य (ङ) असत्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) विजया ने श्रीपाल को अशिष्ट कहा क्योंकि वह चुपचाप खड़ा उसे देख रहा था।

(ख) श्रीपाल ने जयदेव से बदला लेने के लिए आक्रमणकारी शकों को मालवा पर आक्रमण करने का निमंत्रण देने की सोची।

(ग) जयदेव ने देशद्रोह के लिए श्रीपाल को मृत्युदण्ड देना निश्चित किया।

(घ) पराधीनता मानव का सबसे बड़ा पतन है।

(ङ) देश को चुनती है।

भाषा-बोध

1. अब दिए गए शब्दों से वाक्य बनाकर लिखिए–

उत्तर– (क) शिक्षक के जाते ही छात्रों ने बच्चों की तरह-उछल कूद मचाना शुरू कर दिया।

(ख) अशिक्षित लोग बात करते समय गालियों का प्रयोग करते हैं।

(ग) बच्चों को बड़ों से इस तरह बात करना शोभा नहीं देता।

(घ) वादा करके मुकर जाना अच्छी आदत नहीं होती।

2. **निम्नलिखित शब्दों में –दार' प्रत्यय लगाकर नए शब्द बनाइए–**

उत्तर–

काँटा	=	**काँटेदार**	शान	=	**शानदार**
हवा	=	**हवादार**	मजा	=	**मजेदार**
दुकान	=	**दुकानदार**	जमीन	=	**जमीनदार**
किराया	=	**किराएदार**	मसाला	=	**मसालेदार**
चौकी	=	**चौकीदार**	देन	=	**देनदार**

3. पाठ के अनुसार वाक्यों का मिलान कीजिए–

उत्तर–

(क)	जिस देश में ऐसे वीर हों	(v)	उसे अपने ऊपर गर्व क्यों न हो।
(ख)	मुझे अभिमान है कि	(iii)	मैंने तुम्हें देशद्रोह से बचा लिया।
(ग)	यह समय नहीं है	(iv)	कि हम इस पर बहस करें।
(घ)	जब देश में विदेशी शासन होगा	(ii)	तब क्या जाति स्वाधीन रह पाएगी?
(ङ)	यह नए प्रकार का खेल है	(i)	जिसमें हाथ बाँधने पड़ते हैं।

आदर्श प्रश्न-पत्र-1

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (ii) (ख) (ii)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) स्वामी रामतीर्थ एक बार **जापान** गए।

(ख) मनुष्य के सुख-दुःख का माप अपना ही **साधन** होता है।

(ग) मध्यम श्रेणी का साहस प्रायः **शूरवीरों** में पाया जाता है।

(घ) शामू ने देखा कि घर में **कुहराम** मचा हुआ है।

3. सही कथन के सामने सत्य तथा गलत कथन के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) सत्य (ख) सत्य (ग) असत्य (घ) असत्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) श्रेष्ठ कार्य करने से

(ख) माँ ने नन्हे मेई को गले से लगा लिया और बोलीं, ––मेरे अच्छे बच्चे, आज तुमने मुश्किल में मेरी सहायता की है।'' ऐसा कहते हुए उनकी आँखों से आँसू बहने लगे।

(ग) संसार सत्साहसी व्यक्तियों की पूजा करता है।

(घ) शामू पतंग इसलिए मँगाना चाहता था कि वह पतंग के द्वारा अपनी काकी को आसमान से वापस लाना चाहता था।

5. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए–

उत्तर– जिसकी प्रतिष्ठा हो = **प्रतिष्ठत**

जिसमें बल न हो = **निर्बल**

जो केवल फल ही खाता हो = **फलाहारी**

दूर की सोचने वाला = **दूरदर्शी**

6. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर– सुरक्षित = **असुरक्षित** उपयोगी = **अनुपयोगी**

नास्तिक = **आस्तिक** उच्चता = **निम्नता**

7. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए–

उत्तर– शाम = **संध्या** प्रसन्न = **खुश**

माँ = **माता** घर = **गृह**

8. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए–

उत्तर– अत्यावश्यक = **अति + आवश्यक** पराश्रित = **पर + आश्रित**

सूर्योदय = **सूर्य + उदय** वार्षिकोत्सव = **वार्षिक + उत्सव**

आदर्श प्रश्न-पत्र-2

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (ii) (ख) (ii)

2. कविता की पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए–

उत्तर– आज दिशा है **घोर आँधेरी**,
नभ में गरज रही, रणभेरी,
चमक रही चपला **क्षण-क्षण पर**,
झनक रही झिल्ली, झन-झन कर!

3. सही कथन के सामने सत्य तथा गलत कथन के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) सत्य (ख) असत्य (ग) असत्य (घ) सत्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) विज्ञान द्वारा मनुष्य का जीवन सुगम और सरल हो गया है।

(ख) बर्लिन ओलंपिक में ध्यानचंद के शानदार प्रदर्शन के कारण लोग उन्हें हॉकी का जादूगर कहने लगे।

(ग) वृक्षों के लाभ भी अनेक हैं। ये वर्षा में सहायक हैं। वृक्षों की घूमती हुई शाखाएँ श्याम मेघमालाओं को जलवृष्टि का निमंत्रण देती हैं। वृक्षों की जड़ें पानी के तेज बहाव को रोकती हैं जिससे भूमि-संरक्षण में सहायता मिलती है। तेज बहाव रुकने से भूमि की उर्वराशक्ति सुरक्षित रहती है।

वृक्ष कई प्रकार से हमारे काम आते हैं। जड़ से लेकर तना, शाखाएँ, छाल, फल, फूल, बीज आदि सभी हमारे जीवन के लिए उपयोगी हैं। उनकी लकड़ी घरेलू उपयोग के सामान बनाने तथा ईंधन के काम आती है।

वनों के और भी कई लाभ हैं। पेड़-पौधे वातावरण की अशुद्ध एवं हानिकारक वायु को स्वयं पचा लेते हैं और वायु को शुद्ध रखते हैं। ये भूमि को अधिक तप्त होने से रोकते हैं।

(घ) मुनि शांल्वन ने राजा दशरथ को शाप दिया कि''- राजन! तुम्हारे कारण उपस्थित हुई विपत्ति की इन घड़ियों में मुझे पुत्र-वियोग जैसा कष्ट भोगना पड़ रहा है, ऐसा ही तुम्हें भी भोगना होगा। तुम भी पुत्र-शोक से काल के गाल में समा जाओगे।''

5. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची लिखिए–

उत्तर– नेत्र = **नैन, आँख** नभ = **गगन, आकाश**

6. निम्नलिखित शब्दों के तद्भव रूप लिखिए–

उत्तर– हस्त = **हाथ** रात्रि = **रात**
दुग्ध = **दूध** कूप = **कुआँ**

7. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– ख्याति = **टैगोर एक ख्याति प्राप्त लेखक थें।**
निर्णायक = **यह मैच निर्णायक सिद्ध होगा।**
आपूर्ति = **कारखाने से माल की आपूर्ति होती है।**
कष्ट = **कष्ट मानव को सीख देते हैं।**
पर्यावरण = **पर्यावरण हमारी धरोहर है।**

1 जलाओ दीये

अभ्यास

कविता-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (ii) (ख) (i)

2. कविता की पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए–

उत्तर– (क) नई ज्योति के धर नए **पंख झिलमिल**,
उड़े मर्त्य मिट्टी **गगन स्वर्ग छूले**,
लगे रोशनी की **झड़ी झूम ऐसी**
निशा की गली **मे तिमिर राह भूले**।

(ख) चलेगा सदा नाश **का खेल यूँ ही**,
भले ही दिवाली **यहाँ रोज़ आए**।
जलाओ दीये **पर रहे ध्यान इतना**,
अँधेरा धरा पर **कहीं रह जाए**।

3. निम्नलिखित पंक्तियों का संदर्भ सहित भावार्थ लिखिए–

उत्तर– संदर्भ–प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठ्य पुस्तक हिन्दी की 'जलाओ दिये' कविता से ली गईं है जिनके रचनाकार कवि गोपालदास नीरज हैं।

कवि यहाँ विश्व शांति की कामना कर
रहे हैं। वह कहते हैं कि जब तक प्रत्येक
मनुष्य खुबहाल नही होता तब तक यह
विकास अधूरा है। मानव को पूर्ण बनने
के लिये हिंसा-प्रतिहिंसा का त्याग करना होगा
अन्यथा यह नाश का खेल चलता रहेगा
और सब त्यौहार प्रसन्नता व्यर्थ रहेंगें।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) प्रस्तुत पंक्ति में कवि यह अभिलाषा कर रहें हैं कि कहीं भी अँधेरा न रहे। प्रत्येक मनुष्य खुशहाल हों।

(ख) कवि कहते हैं कि जब तक कोई एक मनुष्य भी दुःखी है, उदास है, तब तक यह सृजन और विकास अपूर्ण हैं।

(ग) व्यक्ति में पूर्ण मनुष्यता के दर्शन तक होंगे जब वह मन से हिंसा और द्वेष की भावना को खत्म कर देगें।

(घ) कविता के माध्यम से कवि समाज में आपसी प्रेम व सौहार्द की भावना को बढ़ावा देना चाहते हैं।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के तत्सम रूप लिखिए–

उत्तर– नखत = **नक्षत्र** अँधेरा = **अंधकार**
दिवाली = **दीपावली**

2. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर– अँधेरा = **उजाला** रात = **दिन**

सृजन = **विनाश** अधूरा = **पूरा**

3. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर– जग = **जगत** **संसार** **दुनिया**

गगन = **नभ** **अम्बर** **आकाश**

अंधकार = **अँधेरा** **तिमिर** **तम**

ईमानदारी

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (ii) (ख) (i) (ग) (ii)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) धीरे-धीरे चारों तरफ **साधु** का **यश** फैल गया।

(ख) साधु ने **गंभीर** चेहरा बनाकर **डोली** का परदा उठाया।

(ग) सच्चा सुख **धन का त्याग** करने में है।

(घ) मैं वही कल वाला **महात्मा** हूँ।

(ङ) वह तो आपका और **सेठानी** का **विश्वास** और संयोग था।

3. सही वाक्य के सामने सत्य तथा गलत वाक्य के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) सत्य (ख) असत्य (ग) सत्य (घ) असत्य (ङ) सत्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) बहुरुपिया साधु का वेश धारण करता है।

(ख) बहुरुपिये ने जनता को ठगने के लिए ही साधु का वेश बनाया था।

(ग) साधु के रूप और उसके उपदेशों से प्रभावित होकर सारे नगर में समाचार फैलने लगा कि नगर में एक बहुत बड़े महात्मा ने डेरा लगाया है लोग उसके दर्शन को आने लगे और चारो तरफ उसका यश फैल गया।

(घ) धन का लोभ मानव को मानव नही रहने देता।

(ङ) साधु ने सेठ का धन इसलिए वापस कर दिया क्योंकि उसके ज़मीर ने कहा यह सही नहीं है। उसें संसार में अपने महात्मा के रूप का ध्यान आया। रूप को सच्चा रखने के लिए ही उसने धन अस्वीकार कर दिया।

(च) कहानी का अंत हमें यह शिक्षा देता है कि हमें कभी लालच नहीं करना चाहिए और अपने मन की आवाज़ को सुनना चाहिए।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित वाक्यों में आए कारक शब्दों को रेखांकित कीजिए–

उत्तर– (क) बहुरुपिये ने साधु का रूप बनाया।

(ख) सेठानी सेठ की पत्नी थी।

(ग) वह मेरे लिए बेकार है।

(घ) सेठानी ने कहा, "अहा! मैं ठीक हो गई।"

(ङ) मैं संपत्ति को त्याग दूँगा।

2. निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए–

उत्तर–

प्रसंग	+	अनुकूल	=	**प्रसंगानुकूल**
मस्तक	+	अभिषेक	=	**मस्तकाभिषेक**
आनंद	+	अनुभूति	=	**आनंदानुभूति**
हर्ष	+	अतिरेक	=	**हर्षातिरेक**
शेष	+	अंश	=	**शेषांश**
नयन	+	अभिराम	=	**नयनाभिराम**

3. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर–

विच्छिन्न	=	**सैनिक ने दुश्मन को विच्छिन्न कर दिया।**
त्रिपुंड	=	**काशी में पंडित त्रिपुंड लगाते हैं।**
यश	=	**महात्मा गाँधी का यश चारो ओर फैल गया।**
असीम	=	**महात्मा की हम पर असीम कृपा होगी।**
अनुभूति	=	**माता के प्रेम की अनुभूति से वह भाव विभोर हो गया।**

3 नेताजी सुभाषचंद्र बोस

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (i) (ग) (i)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) सुभाषचंद्र बोस की प्रारंभिक शिक्षा एक **प्रोटेस्टेंट** स्कूल में हुई।

(ख) अंग्रेज सरकार ने सुभाषचंद्र बोस को चिकित्सा के लिए **वियना** भेजा।

(ग) बर्लिन में सुभाषचंद्र बोस **हिटलर** से मिले।

(घ) सुभाषचंद्र बोस की माता जी का नाम **प्रभावती देवी** था।

(ङ) **5 जुलाई, 1943** को नेता जी सुभाषचंद्र बोस ने आजाद हिंद की अस्थायी सरकार की स्थापना की।

3. सही वाक्य के सामने सत्य तथा गलत वाक्य के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) सत्य (ख) असत्य (ग) सत्य (घ) असत्य (ङ) सत्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) भारत की आजादी की लड़ाई दो प्रमुख मोर्चों पर लड़ी गई अहिंसा वाला मोर्चा तथा दूसरा क्रांतिकारी मोर्चा। पहला मोर्चा गांधी जी सँभाले हुए थे और दूसरे मोर्चे का नेतृत्व सुभाषचंद्र बोस ने सँभाला।

(ख) भारतीय स्वतंत्रता-संग्राम के इतिहास में जिन महान देशभक्तों एवं क्रांतिकारियों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है, उनमें श्री सुभाषचंद्र बोस का नाम अग्रगण्य है। भारत

की आजादी की लड़ाई दो प्रमुख मोर्चों पर लड़ी गई अहिंसा वाला मोर्चा तथा दूसरा क्रांतिकारी मोर्चा। पहला मोर्चा गांधी जी सँभाले हुए थे और दूसरे मोर्चे का नेतृत्व सुभाषचंद्र बोस ने सँभाला। गांधी जी आदर्शवादी थे तो सुभाषचंद्र बोस यथार्थवादी। सुभाषचंद्र ने अंग्रेजों के विपक्षियों से मिलकर, उनसे सैनिक सहायता ली तथा विदेशों में स्थित भारतीय सेनाओं को संगठित किया। उन्होंने इस पवित्र कार्य के लिए अपना जीवन तक न्यौछावर कर दिया।

(ग) एक अंग्रेज प्रोफेसर भारतीयों के विषय में अपमानजनक शब्द कहा करते थे। छात्र दिल मसोसकर रह जाते थे, पर उन्हें टोकने की हिम्मत किसी में न होती थी। एक बार कक्षा में उस अंग्रेज प्रोफेसर ने भारतीयों के बारे में ज्यों ही निंदाजनक शब्द कहे, सुभाषचंद्र आवेश में आ गए। उन्होंने कॉलेज में हड़ताल करा दी। क्योंकि नवयुवक सुभाष ने हड़ताल का नेतृत्व किया था, इसलिए उन्हें कलकत्ता विश्वविद्यालय से दो वर्ष के लिए निकाल दिया गया।

(घ) आई० सी० एस० की परीक्षा पास करते ही सुभाषचंद्र को उच्च पद पर सरकारी नौकरी मिलनी थी, पर उन्होंने विदेशी सरकार की नौकरी को लात मार दी और अपने लिए देश-सेवा का काम चुना।

(ङ) सुभाष चंद्र का सपना था अपने देश को परतंत्रता से मुक्त कराना। इस महान काम के लिए उन्होने देशवासियों को संगठित किया। अनेकों बार जेल गयें। अंत में विदेश में रहकर उन्होने आजाद हिंद फौज का गठन किया और अंग्रेजों के विरूद्ध जोरदार सशस्त्र विद्रोह कर दिया।

(च) 5 जुलाई, 1943 को नेता जी सुभाष ने आजाद हिंद की अस्थायी सरकार की स्थापना की। उसी समय नेता जी ने आह्वान किया, "तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगा।"

(छ) 16 अगस्त, 1945 को नेताजी सिंगापुर से हवाई जहाज द्वारा बैंकॉक पहुँचे। सैगाँव ठहरकर उनका जहाज दो बजे दोपहर को ताई होकू पहुँचा। आधे घंटे बाद जब जहाज उड़ा तो दुर्घटनाग्रस्त हो गया। कहते हैं कि 18 अगस्त को रात 9 बजे उनका देहांत हो गया। परंतु इसकी पूरी तरह पुष्टि आज तक नहीं हो सकी है।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखिए–

उत्तर–

स्वदेश	=	**विदेश**	महान	=	**तुच्छ**
गहरा	=	**छिछला**	संतुष्ट	=	**असंतुष्ट**
स्वतंत्रता	=	**परतंत्रता**	प्रभावित	=	**अप्रभावित**
उग्र	=	**नर्म**	स्वर्ग	=	**नरक**

2. नीचे दिए गए शब्दों में शुद्ध शब्द पर (✓) का चिह्न लगाइए–

उत्तर–

परीक्छा	परीक्षा **(✓)**	परिक्षा
सन्यासी	संयासी	संन्यासी **(✓)**
नेतृत्व **(✓)**	नेत्रित्व	नेत्रत्व
अंतर्गत	अंतरगत	अंतगर्त **(✓)**
स्वास्थ्य **(✓)**	स्वास्थय	सवास्थय

3. निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए–

उत्तर– विद्या + अर्थी = **विद्यार्थी**
सम् + न्यासी = **संन्यासी**
देह + अंत = **देहांत**
प्रति + एक = **प्रत्येक**
चिकित्सा + आलय = **चिकित्सालय**

4. नीचे लिखे शब्दों को पढ़िए–

उत्तर– भारत + ईय = भारतीय आजाद + ई = आजादी
धर्म + इक = धार्मिक सम्मान + इत = सम्मानित

'ईय', 'ई', 'इक' और 'इत' प्रत्यय वाले अन्य चार-चार शब्द लिखिए

रमणीय	बर्बादी	वैचारिक	अपमानित
पठनीय	आबादी	साहसिक	अनुमानित
विचारणीय	दिखावटी	तामसिक	सुभाषित
सराहनीय	बनावटी	मार्मिक	प्रकाशित

5. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर इनका अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– पहाड़ टूट पड़ना = **बड़ी विपत्ति आना**
पर्स चोरी होने पर रमेश पर पहाड़ टूट गया।

बेड़ियाँ काटना = **स्वतंत्र करना**
हमें परतंत्रता की बेड़ियाँ काटनी होंगी।

दिल मसोसकर रह जाना = **मायूस हो जाना**
परीक्षा में असफल होने पर वह दिल मसोसकर रह गया।

मुँह की खाना = **हार हो जाना**
मैच में विरोधी टीम को मुँह की खानी पड़ी।

जान हथेली पर रखना = **प्राणों की परवाह न करना।**
रण में सैनिकों ने जान हथेली पर रखकर युद्ध किया।

गिल्लू

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (ii) (ख) (ii) (ग) (i)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) वह **निश्चेष्ट** सा गमले से चिपटा पड़ा था।
(ख) हम उसे **गिल्लू** कहकर बुलाने लगे।
(ग) फिर गिल्लू के जीवन का **प्रथम** वसंत आया।

(घ) मेरे पास बहुत-से **पशु-पक्षी** हैं।

(ङ) लेखिका के दुर्घटनाग्रस्त होकर अस्पताल में रहने पर गिल्लू ने अपना प्रिय खाद्य पदार्थ **काजू** बहुत कम मात्रा में खाया।

3. सही वाक्य के सामने सत्य तथा गलत वाक्य के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) सत्य (ख) सत्य (ग) असत्य (घ) सत्य (ङ) असत्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) लेखिका ने रूई से उसके रक्त को पोंछा और धावों पर पेनिसिलिन का मरहम लगाया। रूई की पतली दूध में भिगोकर उन्होने गिलहरी के उस बच्चे को आहार दिया। इस प्रकार कुछ ही दिनों में वह स्वस्थ हो गया।

(ख) भूख लगने पर गिल्लू लिफाफे से बाहर आ जाता था।

(ग) काजू उसका प्रिय भोजन था।

(घ) गिल्लू लेखिका के साथ उनकी थाली के पास बैठकर उनकी थाली से ही एक-एक दाना सफाई से खाता था।

(ङ) गिलहरियों के जीवन की अवधि दो वर्ष से अधिक नहीं होती। अतः गिल्लू की जीवन-यात्रा का अंत आ ही गया। दिन भर उसने कुछ न खाया, न बाहर गया। रात में, अंत की यातना में भी वह अपने झूले से उतरकर मेरे बिस्तर पर आया और ठंडे पंजों से मेरी वही उँगली पकड़कर हाथ से चिपक गया जिसे उसने अपने बचपन की मरणासन्न स्थिति में पकड़ा था।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–

निश्चेष्ट	=	**सचेष्ट**	मुक्त	=	**स्वतंत्र**
संध्या	=	**प्रातः**	सुलभ	=	**दुर्लभ**
घृणा	=	**प्रेम**	जीवन	=	**मरण**

2. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर–

सुबह	=	**प्रातःकाल**	**भोर**	काम	=	**कर्म**	**कार्य**
प्रेम	=	**प्रीत**	**प्यार**	रात	=	**रात्रि**	**निशा**

3. पाठ में से चार ऐसे शब्द ढूँढ़कर लिखिए जिनमें योजक-चिह्न का प्रयोग हुआ हो–

उत्तर– छुआ–छुआवल **छोटा–सा**

देखता–समझता **चिक–चिक**

5 बुद्धि और भाग्य

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (iii)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) एक बार **बुद्धि** और **भाग्य** में किसी बात को लेकर बहस शुरू हो गई।

(ख) गड़रिये को रत्नजड़ित **जूतियों** का एक जोड़ा मिला।

(ग) अचानक सौदागर की नजर गड़रिये के **पैरों** पर पड़ी।

(घ) सम्राट ने सौदागर की **प्रार्थना** सहर्ष स्वीकार कर ली।

(ङ) **गड़रिये** की समझ में कुछ नहीं आ रहा था।

3. सही वाक्य के सामने सत्य तथा गलत वाक्य के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) सत्य (ख) असत्य (ग) असत्य (घ) सत्य (ङ) सत्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) बुद्धि और भाग्य में इस बात को लेकर बहस हो रही थी कि कौन सबसे महान है।

(ख) गड़रिया उन कीमती जूतियों का मोल नहीं जानता था। वह अपनी छोटी-मोटी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सौदागर को उन्हें बेच देता था।

(ग) अपने देश पहुँचकर उसने वह जूतियों का जोड़ा वहाँ के महामंत्री को भेंट कर दिया, ताकि उसे व्यापार में और अधिक सुविधाएँ मिल सकें।

(घ) कुछ दिनों बाद वही सौदागर उधर से फिर गुजरा। रत्नों से जड़ा हुआ जूतियों का जोड़ा उसके पैरों में देखकर वह आश्चर्यचकित रह गया और मन-ही-मन सोचने लगा, 'इस गड़रिये पर भाग्य की अपार कृपा दिखती है।'

(ङ) सौदागर ने अपना सोचा हुआ काम शुरू कर दिया। सोना बेचकर जमीन खरीदी, महल और किला बनवाया, सेना भरती की। अब बेशुमार दौलत उसके पास थी। उसने वहाँ के जागीरदारों को मुँहमाँगा रुपया देकर कुछ जागीरें भी खरीद लीं। गड़रिये के लिए बढ़िया-बढ़िया कपड़े बनवाए। सजा हुआ गड़रिया शक्ल-सूरत से तो अब राजा लग रहा था पर वास्तव में उसे राजा का अर्थ भी नहीं पता था।

(च) भाग्य ने गड़रिये को अंततः सम्राट बना दिया। परंतु बुद्धिहीन गड़रिया अपनी ही जान पर आतुर हो गया। तब बुद्धि ने गड़रिये में प्रवेश किया और उसे सही राह दिखाई। यह सब देख भाग्य ने हार मान ली।

भाषा-बोध

1. गलत पर्यायवाची पर (✗) का निशान लगाइए–

उत्तर–

मित्र	दोस्त	सखा	सहयोगी **(✗)**
बुद्धि	अक्ल	अक्लमंद **(✗)**	दिमाग
भाग्य	नियति	सौभाग्य **(✗)**	किस्मत
सम्राट	बादशाह	नेता **(✗)**	राजा
झोंपड़ी	कुटी	कुटिया	बस्ती **(✗)**
प्रार्थना	अनुराग **(✗)**	अनुरोध	विनती

2. रंगीन शब्दों के लिए उचित विलोम शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए–

उत्तर– (क) किसी से घृणा करना ठीक नहीं, सबसे **प्रेम** करो।

(ख) दोनों जुड़वाँ भाई हैं पर एक चंचल है तो दूसरा **स्थिर**।

(ग) किसी देश का उत्थान या **पतन** उसके नागरिकों पर निर्भर होता है।

(घ) गर्मियों में हम शीतल जल तथा सर्दियों में **उष्ण** जल से स्नान करते हैं।

(ङ) समाचार-पत्रों से हमें देश तथा **विदेश** में हो रही घटनाओं की जानकारी मिलती है।

3. रेखांकित शब्दों को बहुवचन में बदलकर वाक्य पुनः लिखिए–

उत्तर– (क) घोड़ा घास चर रहा है। **घोड़े घास चर रहे हैं।**
(ख) मुझे मिठाई खाना पसंद है। **मुझे मिठाइयाँ खाना पसंद है।**
(ग) चिड़िया दाना चुग रही है। **चिड़ियाँ दाना चुग रही हैं।**
(घ) लड़के को बुलाओ। **लड़कों को बुलाओ।**
(ङ) फूल पर तितली बैठी है। **फूलों पर तितलियाँ बैठी हैं।**

6 वरदान

अभ्यास

कविता-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (i) (ग) (i)

2. कविता की पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए–

उत्तर– (क) क्षुद्र स्वार्थ का **नाश करो प्रभु**!
कर दो मन को अभी महान।
प्राणिमात्र का **स्वार्थ-स्वार्थ है–**
मेरा-इसको ले मन माना।

(ख) सदा सभी में **तुम्हें देखकर**,
सबका सदा करूँ सम्मान।
मुझ पर भी हो **नाथ कृपा बस**,
दे दो यह सुंदर वरदान।।

3. निम्नलिखित पद्यांशों का सप्रसंग भावार्थ लिखिए–

उत्तर– (क) **प्रसंग–**प्रस्तुत पंक्तियों में कवि सभी से ईश्वर से प्रार्थना कर रहे हैं की वे सदैव सभी से अनुराग रखें।

भावार्थ–हे प्रभु! मैं सदैव सबके हित में अपना हित देखूँ। मैं विश्वभर के प्राणियों को अपनी ही तरह समझूँ। मेरा यह निश्चय कभी डिग न पाये।

(ख) **प्रसंग–**प्रस्तुत पंक्तियों में कवि सभी प्राणियों और प्रकृति में ईश्वर के होने का वर्णन कर रहे हैं।

भावार्थ–छोटे-बड़े, पशु-पक्षियों और दानवों-मानवों में आप ही का अंश है। नदी, सागर, पहाड़ो से लेकर अनंत आकाश तक में आप ही समाये हैं।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) प्राणिमात्र का स्वार्थ है स्वयं का हित।
(ख) ईश्वर का प्रकट होना
(ग) ईश्वर चराचर सकल विश्व में समाया है।
(घ) प्रस्तुत पंक्ति से अभिप्राय है की प्रत्येक प्राणी को ईश्वर का रूप मानकर हमे उनका सम्मान करना चाहिए।

भाषा बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर– सूर्य	=	**सूरज**	**भानु**	**रवि**
पृथ्वी	=	**भूमि**	**धरती**	**भू**
चंद्रमा	=	**चंद्र**	**चाँद**	**हिमांशु**
प्रभु	=	**नाथ**	**स्वामी**	**परमेश्वर**

2. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर– सम्मान = **अपमान** वरदान = **अभिशाप**
सुंदर = **कुरूप** जीवन = **मृत्यु**
दानव = **देव** उजाला = **अँधेरा**

3. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– स्वार्थ = **स्वार्थवश होकर की गई सहायता का कोई मोल नहीं।**
हित = **प्रेम से रहने में ही सब का हित है।**
वृक्ष = **वृक्ष ही जीवन हैं।**
व्योम = **व्योम अनंत है।**

भारत का लाल –लालबहादुर

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) लालबहादुर शास्त्री के बचपन का नाम **नन्हे** था।
(ख) नन्हे **माली** की मार को सह न सका।
(ग) लालबहादुर शास्त्री के पिता का नाम **मुंशी शारदा प्रसाद** था।
(घ) लालबहादुर सचमुच बड़ा **हिम्मती** था।
(ङ) रामदुलारी देवी ने खुश होकर लालबहादुर को **गले** से लगा लिया।

3. सही वाक्य के सामने सत्य तथा वाक्य कथन के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) असत्य (ख) सत्य (ग) असत्य (घ) सत्य (ङ) सत्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) माली ने तुरंत नन्हे को छोड़ दिया और पुचकारते हुए कहा, "बेटे, तब तो तुम्हें बिल्कुल शरारत नहीं करनी चाहिए। तुम्हें अच्छी-अच्छी आदतें सीखकर अच्छा आदमी बनना चाहिए ताकि आगे चलकर तुम्हारी माँ को तुम्हारा सहारा मिल सके।" नन्हे ने उसी दिन से बुरे काम करने छोड़ दिए।

(ख) मल्लाह ने हँसकर कहा, "आज तुम्हारे पास पैसे नहीं हैं इसीलिए क्या नाव पर नहीं चढ़ोगे? आओ, आज मैं तुम्हें बिना पैसे लिए ही नदी के पार उतार दूँ।"
लालबहादुर को मल्लाह की बात बड़ी अखरी। उसने नाराजगी से कहा, "नहीं, मैं मुफ्त में भला क्यों तुम्हारी नाव पर चढ़ूँ।"
मल्लाह ने सुना तो दंग रह गया। उसने खुश होकर कहा, "तुम तो सचमुच बहुत अच्छे लड़के हो, लालबहादुर! शाबाश! ठीक है, अगर मुफ्त में तुम नहीं चलना चाहते हो, तो उधार ही सही। अभी तो तुम नाव से चले चलो, पैसे बाद में किसी दिन दे देना।"

(ग) लालबहादुर ने नदी तैरकर नदी पार की।

(घ) लालबहादुर ने सारी बात बताकर कहा, ''सोचो माँ, मल्लाह भी तो आखिर गरीब आदमी ही है न! मेहनत-मजदूरी करके किसी तरह अपना और घरवालों का पेट पालता है। उसकी नाव पर मुफ्त सफर करना तो बुरा काम है न माँ! रही बात उधारी की, सो वह भी गंदी आदत है। फिर जरा-सी बात के लिए किसी का एहसान लेने की जरूरत ही क्या है?''

(ङ) यह सारा कांड सुनकर लालबहादुर का मन छटपटा उठा। उन्होंने उसी समय तय कर लिया कि वह भी आजादी की लड़ाई में शामिल होंगे और देश को आजाद कराने के लिए जरूरत पड़ी तो अपनी जान भी दे देंगे।

(च) निष्कामेश्वर मिश्र तरह-तरह से उन्हें समझाते रहे लेकिन लालबहादुर किसी तरह भी नहीं माने। आखिर उन्होंने लालबहादुर की पीठ ठोककर कहा, ''तुम्हारे जैसे लोग ही देश की सच्ची सेवा कर सकते हैं। ऐसे लोग ही भविष्य में इस देश के सच्चे रत्न कहे जाएँगे।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–

छोटा	=	**बड़ा**	खुश	=	**दुखी**
नाटा	=	**लम्बा**	प्यार	=	**नफरत**
सुंदर	=	**कुरूप**	गरीब	=	**अमीर**
प्रथम	=	**अंतिम**	निरपराध	=	**अपराधी**

2. अल्पविराम (,) का प्रयोग उस जगह किया जाता है जहाँ वाक्य के बीच में अल्प समय के लिए रुकना होता है।

उत्तर– इस पाठ से अल्पविराम के भिन्न-भिन्न पाँच प्रयोगों को ढूँढ़कर लिखिए–

1. वह जब छोटा था, तभी उसके पिता की मृत्यु हो गई।
2. एक दिन की बात है, नन्हें अपने दोस्तों के साथ खेलता-खेलता फुलवारी में घुस गया।
3. बस, फिर क्या था।
4. उस नन्हे लड़के का नाम था, लालबहादुर।
5. लालबहादुर के मौसा, उन्हें अपने घर बुला ले गए।

3. निम्नलिखित मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर–

(क) आग-बबूला होना = **बिल्ली को देखकर मालकिन आग-बबूला हो गई।**

(ख) पहाड़ टूट पड़ना = **चोरी की बात सुनकर रमेश पर पहाड़ टूट गया।**

(ग) दंग रह जाना = **राजा को देखकर दुश्मन दंग रह गए।**

(घ) गुजर-बसर करना = **गरीब लोग किसी प्रकार गुजर-बसर कर रहे थे।**

(ङ) पेट पालना = **विधवा किसी प्रकार पेट पालती थी।**

4. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए–

उत्तर–

(क) मल्लाह ने सुना तो दंग रह गया।

(ख) यह सारा कांड सुनकर लालबहादुर का मन छटपटा उठा।

(ग) नन्हे अपने दोस्तों के साथ फुलवारी में घुस गया।

(घ) लालबहादुर के पिता नहीं थे।

8 एक अविस्मरणीय यात्रा–मॉरीशस

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (i) (घ) (iii)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) **पोर्ट लुई** मॉरीशस का सबसे प्राचीन नगर है।

(ख) मॉरीशस के **सागर तट** विश्व प्रसिद्ध हैं।

(ग) मॉरीशस में लगभग सारा सामान विदेशों से **आयात** किया जाता है।

(घ) मॉरीशस के अधिकतर लोग **खेती-बाड़ी** और **व्यापार** करते हैं।

(ङ) मॉरीशस का जन-जीवन **अनुशासित** है।

3. सही वाक्य के सामने सत्य तथा गलत वाक्य के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) सत्य (ख) असत्य (ग) सत्य (घ) असत्य (ङ) सत्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) अमेरिकी लेखक मार्क ट्वेन ने मॉरीशस के बारे में एक स्थान पर लिखा है कि ईश्वर ने स्वर्ग रचने से पहले इस द्वीप की रचना की थी। यह द्वीप अद्वितीय सौंदर्य से भरपूर है। छायादार वृक्ष, लताओं के सघन कुंज, पारदर्शी सरोवर, सरोवरों में रंग-बिरंगे परात जैसे बड़े-बड़े पत्तों वाले कमल पुष्प भरे पड़े है। सफेद बालू और शीशे जैसा चमकता जल यहाँ के सागर तटो को विश्व प्रसिद्ध बनाता है।

(ख) मारीशस में यहाँ मुख्यतः हिंदू, इस्लाम और ईसाई धर्मावलंबी हैं। यहाँ पर अफ्रीकी, चीनी, भारतीय, यूरोपीय, पुर्तगाली आदि संस्कृतियों का अद्भुत समन्वय देखा जा सकता है। यहाँ क्रियोल, फ्रेंच, चाइनीज तथा अंग्रेजी भाषा बोली जाती है, अंग्रेजी यहाँ की राजभाषा है, किंतु अधिक लोकप्रिय हिंदी है और उससे भी अधिक भोजपुरी। यहाँ के लगभग सभी भारतीय भोजपुरी बोलते हैं। हिंदी फिल्में यहाँ बहुत लोकप्रिय हैं।

(ग) पांपलेमुस मॉरीशस का एक प्रसिद्ध उद्यान है जो अद्वितीय सौंदर्य से भरपूर है। छायादार वृक्ष, लताओं के सघन कुंज, हरी-हरी घास, पारदर्शी सरोवर, कल-कल करती नहरें, सरोवरों में रंग-बिरंगे परात जैसे बड़े-बड़े पत्तों वाले कमल पुष्प भरे पड़े हैं। पक्षियों का मधुर कलरव जैसे पर्यटकों का स्वागत गीत गाता प्रतीत होता है।

(घ) मॉरीशस के सागर तट विश्व प्रसिद्ध हैं। यहाँ बारहों मास तैराकी, गोताखोरी कर सकते हैं और मछली पकड़ सकते हैं। दूर-दूर तक फैला समुद्री पानी का झाग दूधिया नदी-सा प्रतीत होता है। प्रकृति का ऐसा दुर्लभ और अनूठा रूप देखकर मन ठगा-सा रह जाता है।

(ङ) मॉरीशस की मुख्य फसल गन्ना है?

(च) सरकार की ओर से प्रत्येक नागरिक के लिए दवा और इंटरमीडिएट तक की शिक्षा निःशुल्क है। उच्च शिक्षा भी सस्ती है।

भाषा-बोध

1. 'अंतर्राष्ट्रीय' शब्द में 'अंतर्' उपसर्ग लगा है। आप भी इस उपसर्ग का प्रयोग करके चार नए शब्द बनाइए और उनके अर्थ लिखिए।

उत्तर– 1. अंतर्जातीय – दो जातियों के मध्य।
2. अंतर्महाद्वीपीय – दो महाद्वीपों के मध्य।
3. अंतर्कक्षीय – दो कक्षाओं के मध्य।
4. अंतर्मुखी – संकोची।

2. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर– रात्रि = **दिवा** दुर्लभ = **सुलभ**
आयात = **निर्यात** विकसित = **अविकसित**
सक्रिय = **निष्क्रिय** कुशल = **अकुशल**

4. लिखिए ये शब्द पुल्लिग हैं या स्त्रीलिंग–

उत्तर– संस्कृति = **स्त्रीलिंग** स्थान = **पुल्लिग**
राजधानी = **स्त्रीलिंग** भोजपुरी = **स्त्रीलिंग**
सरोवर = **पुल्लिग** प्रकृति = **स्त्रीलिंग**
पर्यटक = **पुल्लिग** भारत = **पुल्लिग**
हवा = **स्त्रीलिंग** किसान = **पुल्लिग**

गुलाब राजा क्यों?

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (i) (ख) (iii) (ग) (ii)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) हजारों साल पहले की **बात** है, जब संसार के सभी **फूलों** का रंग **सफेद** होता था।
(ख) एक दिन उन्होंने **फूलों** की एक सभा बुलाई।
(ग) उसकी **खुशबू** से सबका मन **प्रफुल्लित** हो उठा।
(घ) गेंदे ने अपने लिए **पीला** और **सूरजमुखी** ने भी पीला रंग माँगा।
(ङ) जहाँ रहोगे सबकी शान में **चार चाँद** लगाओगे।

3. सही वाक्य के सामने सत्य तथा गलत वाक्य के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) सत्य (ख) सत्य (ग) असत्य (घ) सत्य (ङ) सत्य

4. किसने, किससे कहा?

उत्तर– (क) "हाँ, प्रभु, हमें बड़ी परेशानी होती है।" **गेंदा** ने **ब्रहमा** से
(ख) "गुलाब तुम इधर आओ, मेरे सामने खड़े हो जाओ।" **ब्रहमा** ने **गुलाब** से
(ग) "जहाँ रहोगे सबकी शान में चार चाँद लगाओगे।" **ब्रहमा** ने **गुलाब** से

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) कहानी के अनुसार पहले फूलों का रंग सफेद होता था।

(ख) ब्रह्मा जी ने सोचा कि क्यूँ न सुंदर-सुंदर रंगों वाले फूल बनाऊँ? अपने चारों ओर की प्राकृतिक छटा को अनूठा रूप दूँ? इस विचार के आते ही वह रंग-रूप सोचने लगे।

(ग) कश्मीर की हसीन वादियों में दूर-दूर तक फैली केसर की क्यारियों में सभा प्रारंभ हुई।

(घ) ब्रह्मा जी ने गुलाब को जंगली फूलों के साथ बैठने का इशारा किया। वह जंगली फूलों के साथ बैठ गया।

(ङ) गेंदें ने अपने लिए पीला और सूरजमुखी ने भी पीला रंग माँगा। किंतु, जब उसे थोड़ा खाली-खाली लगा तो ब्रह्मा जी ने उसमें थोड़ा काला रंग भर उसकी खूबसूरती बढ़ा दी।

(च) सबने सर्वसम्मति से गुलाब को राजा चुना। सबसे धुलने मिलने की गुलाब की प्रकृति को देखकर सबने उसे अपना राजा चुना।

(छ) मानव-फूल में मानव स्वयं अपने व्यक्तित्व की खुशबू भर सकता है। समाजरूपी उपवन को अपने नैतिक गुणों द्वारा महका सकता है।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए–

उत्तर–

जंगल	=	**वन**	खुशबू	=	**सुगंध**
परेशानी	=	**व्यथा**	सौंदर्य	=	**सुंदरता**
दृष्टि	=	**नज़र**	राजा	=	**नृप**

2. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–

फूल	=	**काँटा**	प्रारंभ	=	**समापन**
सुंदर	=	**कुरूप**	शांत	=	**अशांत**
दिन	=	**रात**	बड़ी	=	**छोटी**
प्रिय	=	**अप्रिय**	उपस्थित	=	**अनुपस्थित**
नैतिक	=	**अनैतिक**	गुण	=	**दुर्गुण**
इच्छा	=	**अनिच्छा**	वरदान	=	**अभिशाप**

3. निम्नलिखित शब्दों में से विशेषण शब्दों को अलग कीजिए–

उत्तर–

सफेद फूल	=	**सफेद**	हसीन वादियाँ	=	**हसीन**
स्नेहमयी दृष्टि	=	**स्नेहमयी**	प्रफुल्लित मन	=	**प्रफुल्लित**
काला रंग	=	**काला**	खुशबूदार फूल	=	**खुशबूदार**
सुंदर उपवन	=	**सुंदर**	अद्‌भुत रचना	=	**अद्‌भुत**

4. उचित शब्द द्वारा रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) मेरे बगीचे में फूलों के **कुल** पंद्रह पौधे हैं।

(ख) वर्षा के बाद शीतल **पवन** बह रही है।

(ग) फूलों के भिन्न-भिन्न **आकार** हैं।

5. निम्नलिखित शब्दों को शुद्‌ध करके लिखिए–

उत्तर–

अदभूत	=	**अद्‌भुत**	स्रष्टि	=	**सृष्टि**

नेतिक	=	**नैतिक**	अतिरीक्त	=	**अतिरिक्त**
स्नेहमयि	=	**स्नेहमयी**	वेभवपुर्ण	=	**वैभवपूर्ण**
खुशबु	=	**खुशबू**	प्राक्रतिक	=	**प्राकृतिक**
कशमीर	=	**कश्मीर**	कठिनाइ	=	**कठिनाई**

6. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– अतिरिक्त = **अतिरिक्त समय में हमें उचित कार्य करने चाहिए।**
स्नेहमयी = **स्नेहमयी माता ने बच्चे को गले लगाया।**
वनस्पति = **वनस्पति घी स्वास्थ्यवर्धक है।**
मनमोहक = **मनमोहक फूलों से घर महक गया।**
सभा = **सभा में भारी भीड़ उमड़ी।**
प्रकृति = **प्रकृति ही माता है।**

10 महर्षि दधीचि

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (i) (ख) (ii) (ग) (ii) (घ) (i)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) देवता **धर्म** का राज्य बनाए रखना चाहते थे।
(ख) असुरों की सेना के नायक का नाम **वृत्रासुर** था।
(ग) **ब्रह्माजी** ने देवताओं को असुरों पर विजय पाने का उपाय बताया।
(घ) वृत्रासुर की **नृशंसता** के कारण चारों ओर **त्राहि-त्राहि** मची हुई थी।
(ङ) दधीचि ने **योगबल** से अपने प्राण त्याग दिए।

3. सही वाक्य के सामने सत्य तथा गलत वाक्य के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) सत्य (ख) सत्य (ग) असत्य (घ) सत्य (ङ) सत्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) देवताओं और असुरों में भयंकर युद्ध छिड़ गया। देवता धर्म का राज्य बनाए रखने का प्रयास कर रहे थे जिससे मनुष्यों की भलाई होती रहे जबकि असुर, देवताओं और मनुष्यों को सताते रहते थे। वे पापाचारी थे। वे अपना प्रभुत्व स्थापित करना चाहते थे।

(ख) असुरों का नायक वृत्रासुर बहुत शक्तिशाली और पराक्रमी था। जिस कारण देवता उन्हें पराजित नहीं कर पा रहे थें।

(ग) दधीचि नेत्र बंद करके योगासन की मुद्रा में बैठ गए। उन्होंने योगबल से अपने प्राण त्याग दिए। उनका शरीर निर्जीव हो गया। देवराज इंद्र उनके शरीर को आदर से अपने साथ ले आए। महर्षि की अस्थियों से इंद्र के कारीगर ने वज्र बनाया।

(घ) ब्रह्मा जी ने कहा, "नैमिषारण्य वन में गोमती नदी के तट पर एक तपस्वी रहते हैं। उनका नाम दधीचि है। उन्होंने तपस्या और साधना के बल से अपार शक्ति एकत्र

कर ली है। यदि उनकी अस्थियों से वज्र का निर्माण किया जाए तो उस वृत्रासुर का वध किया जा सकता है।''

(ङ) महर्षि दधीचि के महादान के कारण लोग आज भी उन्हें श्रद्धा से याद करते हैं।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर– प्राचीन = **पुरातन, पुराना** युद्ध = **रण, संग्राम**
पराक्रमी = **वीर, प्रतापी** उपाय = **निदान, समाधान**

2. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर– धर्म = **अधर्म** भलाई = **बुराई**
सफलता = **असफलता** विनाश = **निर्माण**

3. निम्नलिखित शब्दों में से विशेषण छाँटकर लिखिए–

उत्तर– धार्मिक कार्य = **धार्मिक** शक्तिशाली असुर = **शक्तिशाली**
अपार शक्ति = **अपार** शांत वातावरण = **शांत**
सुंदर पक्षी = **सुंदर** त्यागी महर्षि = **त्यागी**

4. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए, समझिए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए–

उत्तर– (क) दधीचि का चेहरा कांतिमय हो गठा।
(ख) रोम रोम पुलकित होने से आशय है कि बहुत प्रसन्न हो जाना।
(ग) परमगति प्राप्त होने पर मानव जीवन धन्य हो जाता है।

11 ऐसी वाणी बोलिए

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (iii)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) भाषा के कारण ही मनुष्य उत्तरोतर **उन्नति** करता चला आया है।
(ख) भाषा द्वारा मनुष्य की **सामाजिकता** कायम है।
(ग) वार्तालाप की शिष्टता मनुष्य को **आदर** का पात्र बनाती है।
(घ) सामाजिक व्यवहार के लिए **विचारों** का आदान-प्रदान आवश्यक है।
(ङ) निजी संबंध की बातचीत में **आत्मीयता** का अभाव नहीं रहना चाहिए।

3. सही वाक्य के सामने सत्य तथा गलत वाक्य के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) सत्य (ख) सत्य (ग) सत्य (घ) असत्य (ङ) असत्य

4. निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– (क) जिस प्रकार सोने के घड़ों में भरा विष भी जानलेवा होता है, उसी प्रकार मधुर वचन बोलने वाले कपटी भी अपना कपट नहीं छोड़ते।

(ख) हृदय में मलिनता हो तो मधुर वचनो का कोई मोल नहीं होता। एक दिन मलिन व्यक्ति की सोच उजागर हो ही जाती है।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) भाषा के कारण ही मनुष्य उत्तरोत्तर उन्नति करता चला आया है। अन्य जानवरों की अपेक्षा मनुष्य भौतिक बल में न्यून होते हुए भी अपनी बुद्धि और भाषा के सहारे सबसे अधिक सबल हो गया है।

(ख) भाषा द्वारा सहकारिता के बल पर मनुष्य ने पंच्महाभूत को अपने वश में कर लिया है। भाषा द्वारा मनुष्य की सामाजिकता कायम है।

(ग) एक ही बात को हम कर्णकटु शब्दों में कहते हैं और उसी को हम मधुर बना सकते हैं। बाणभट्ट जब मरने वाले थे तब यह प्रश्न उठा कि उनकी अधूरी 'कादंबरी' कौन पूरी करेगा? उन्होंने अपने दोनों लड़कों को बुलाया और उनसे पूछा कि सामने जो सूखा वृक्ष खड़ा है उसको तुम किस प्रकार अपनी भाषा में व्यक्त करोगे? बड़े लड़के ने कहा, 'शुष्कं काष्ठं तिष्ठत्यग्रे'। दूसरे ने कहा, 'नीरस तरुवर विलसति परतः'। बात एक ही थी, कहने में फर्क था। बाणभट्ट ने अपने छोटे लड़के को ही पुस्तक पूरी करने का भार सौंपा।

(घ) मधुर वचनों के साथ यह भी आवश्यक है कि उनके पीछे भाव भी शिष्ट-मधुर हों, नहीं तो मुलम्मे के सिक्कों की भाँति बेकार रहेंगे। हृदय की मलिनता और मधुर वचनों का योग नहीं हो सकता है। वचन के अनुकूल जब कर्म होते हैं, तभी मनुष्य वंद्य बनता है।

(ङ) वाणी की मधुरता के साथ विनयपूर्वक व्यवहार की भी आवश्यकता है। विनयपूर्ण व्यवहार ही शिष्टाचार है। शिष्टाचार का अर्थ लोग दिखावा या तकल्लुफ करते हैं। लेकिन वास्तव में उसका अर्थ है–सज्जनोचित व्यवहार। मधुर भाषण के साथ इसका भी मूल्य है। इनके द्वारा मनुष्य की शिक्षा-दीक्षा तथा कुल की परंपरा और मर्यादा का परिचय मिलता है।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के लिंग बताइए–

उत्तर–	भाषा	=	**स्त्रीलिंग**	उन्नति	=	**स्त्रीलिंग**
	भाषण	=	**पुल्लिंग**	हृदय	=	**पुल्लिंग**
	मर्यादा	=	**स्त्रीलिंग**	शिष्टाचार	=	**पुल्लिंग**

2. निम्नलिखित शब्दों से प्रत्यय अलग करके लिखिए–

उत्तर–	द्रवित	=	**द्रव + इत**	साहित्यिक	=	**साहित्य + इक**
	शिष्टता	=	**शिष्ट + ता**	वांछनीय	=	**मजबूर + ई**
	मजबूरी	=	**वांछ + अनीय**	आर्थिक	=	**अर्थ + इक**

3. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए–

	यथेष्ट	=	**यथा + इष्ट**	स्वाभिमान	=	**स्व + अभिमान**
	वार्तालाप	=	**वार्ता + आलाप**	मनोनुकूल	=	**मनः + अनुकूल**

4. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– भाषा = **भाषा विचारों का माध्यम है।**
उन्नति = **उन्नति मानव का प्रमुख ध्येय है।**
शिष्टता = **छात्रों को शिष्टता से बात करनी चाहिए।**
प्रकट = **भगवान सच्ची भक्ति से प्रकट हो जाते हैं।**
गंध = **खाने की गंध सूँघकर बिल्ली कमरे में आ गई।**

12 जागो जीवन के प्रभात!

अभ्यास

कविता-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (i) (ख) (iii) (ग) (iii)

2. कविता की पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए–

उत्तर– (क) अब जागो जीवन **के प्रभात**
वसुधा पर ओस बने बिखरे,
हिमकन आँसू जो **क्षोभ भरे**;
उषा बटोरती अरुण गात!

(ख) तम नयनों की **ताराएँ सब**,
मुँद रही किरण दल में हैं अब,
चल रहा सुखद **यह मलय वात**।
अब जागो जीवन के प्रभात!

3. निम्नलिखित पंक्तियों का संदर्भ सहित भावार्थ लिखिए–

उत्तर– (क) **संदर्भ–**प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठ्यपुस्तक हिन्दी में संकलित 'जागो जीवन के प्रभात' कविता से ली गई हैं, जिसके रचयिता जयशंकर प्रसाद जी हैं।
भावार्थ–कवि यहाँ पर प्रातः वंदन करते हुए हमें जीवन में जाग्रत हो जाने को प्रेरित कर रहे हैं। वह कहते हैं कि जिस प्रकार धरती पर ओस की बूँदें बिखरी होती हैं उसी प्रकार दुःख के आँसू जीवन में होते हैं। हमें सकारात्मकता की उषा को बटोरना है और जीवन के प्रभात को जाग्रत करना है।

(ख) **संदर्भ–**प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठ्यपुस्तक हिन्दी में संकलित 'जागो जीवन के प्रभात' कविता से ली गई हैं, जिसके रचयिता जयशंकर प्रसाद जी हैं।
भावार्थ–कवि यहाँ पर आलस्य त्याग कर जीवन में जाग्रत होने को उत्प्रेरित कर रहे हैं। वह कहते हैं कि अब निद्रा से मुँह मोड़ लो। आलस्य से लज्जा करो और उठो नए सवेरे से भेंट करो। नई ऊर्जा से अपने आस-पास हो रहे क्रियाकलापों को जानो। प्रत्येक जगह प्रभात की नई ऊर्जा की बात हो रही है अतः तुम अब जाग जाओ।

4. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) 'जागो जीवन के प्रभात' से कवि का तात्पर्य है कि हमारे जीवन मे नया सवेरा हो जाए। नई शुरूआत हो।

(ख) जयशंकर प्रसाद

(ग) कवि ने सुंदर शब्दों में प्रातः काल का वर्णन किया है। उसने ओस की बूँदों को दुःख के आँसू की उपमा दी है।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) सूर्योदय के समय पृथ्वी पर चारों ओर कलर व होता है। ओंस की बूँदें मोती सी बिखरी होती हैं। रात्रि भर टिमटिमाते तारे अब छिपने लगते हैं। सुखद ठण्डी हवाएँ चल रही होती हैं।

(ख) कवि ने हिमकणों की तुलना ओस की बँदों से की है।

(ग) प्रातः होते ही नयनरूपी तारकगण सूर्य की किरणों के तेज प्रकाश में छिप जाते हैं।

(घ) जयशंकर प्रसाद

भाषा-बोध

1. 'प्र' उपसर्ग जोड़कर नए शब्द बनाइए–

उत्तर–

दान	=	**प्रदान**	माद	=	**प्रमाद**
गति	=	**प्रगति**	बल	=	**प्रबल**
यत्न	=	**प्रयत्न**	योग	=	**प्रयोग**
लेप	=	**प्रलेप**	युक्त	=	**प्रयुक्त**

2. निम्नलिखित शब्दों के तुकांत शब्द लिखिए–

उत्तर–

बिखरे	=	**निखरे**	गात	=	**प्रभात**
सब	=	**अब**	समेटो	=	**लपेटो**

3. दिए गए शब्दों के दो-दो पर्यायवाची लिखिए–

उत्तर–

नयन	=	**नैन**	**नेत्र**	लाज	=	**लज्जा**	**शर्म**
रजनी	=	**रात्रि**	**निशा**	गात	=	**शरीर**	**काया**
प्रभात	=	**सुबह**	**प्रातःकाल**	अरुण	=	**सूर्य**	**भानु**

4. दिए गए शब्दों के वर्ण-विच्छेद कीजिए–

उत्तर–

सुखद	=	**स् + उ + ख् + अ + द् + अ**
बिखरा	=	**ब् + इ + ख् + अ + र् + आ**
दुःख	=	**द् + उ + अः + ख् + अ**
वसुधा	=	**व् + अ + स् + उ + ध् + आ**
प्रभात	=	**प् + र् + अ + भ् + आ + त् + अ**
जीवन	=	**ज् + ई + व् + अ + न् + अ**
रात	=	**र् + आ + त् + अ**
धूप	=	**ध् + ऊ + प् + अ**

5. निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी सही करके लिखिए–

उत्तर–

रजनि	=	**रजनी**	वसूधा	=	**वसुधा**
आंसू	=	**आँसू**	अरूण	=	**अरुण**
ताराएं	=	**ताराएँ**	औस	=	**ओस**

6. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर–

आँसू	=	**आँसू बहाने से कोई लाभ नहीं होता।**
कण	=	**कण-कण में भगवान हैं।**
सुखद	=	**सुखद यात्रा एक नया अनुभव होती है।**

लाज = **लाज स्त्री का गहना है।**

आँचल = **माँ ने बच्चों को आँचल में छिपा लिया।**

13 जीव-जंतुओं का बैंक

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (i) (ख) (ii) (ग) (i)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) **लेनदेन** की व्यवस्था जल-पक्षियों में विशेष रूप से पायी जाती है।

(ख) विदेशों से बीकानेर आने वाले पक्षी एक साथ **झीलों** पर **पानी** पीने आते हैं।

(ग) गौरैया मुख्यतः **लाल तिलचट्टे**, **मच्छर** और अंगूर आदि उधार देती है।

(घ) कौए **नीलामी** द्वारा उधार देते हैं।

(ङ) **रोगी** और **घायल** पक्षियों को पूरी छूट दी जाती है।

(च) उधार में ईमानदारी व शुद्धता के लिए **मुरगे** का कोई जवाब नहीं है।

3. सही वाक्य के सामने सत्य तथा गलत वाक्य के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) असत्य (ख) सत्य (ग) सत्य (घ) असत्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) ऑस्ट्रेलिया के विश्व-विख्यात पक्षियों के वैज्ञानिक डॉ० सुर्वोल ग्रेगरी ने अपने एक नवीनतम विश्लेषण से लोगों को चौंका दिया। इस विषय पर वे वर्षों से प्रयोग कर रहे हैं। अपने गंभीर अध्ययन के बाद उन्होंने सिद्ध किया है कि पक्षियों की लगभग कुल ढाई सौ जातियों में विकसित मानव जैसी बैंक प्रणाली तथा लेन-देन जैसी व्यवस्था पायी जाती है।

(ख) जाने-माने पक्षी फोटोग्राफर स्वर्गीय लोकबंधु के दर्जनों दुर्लभ चित्रों से डॉ० सुर्वोल ग्रेगरी की खोज की पुष्टि होती है।

(ग) डॉ० सालिम अली ने पक्षियों की आदतों और व्यवहार में विलक्षणताओं की अनेक हैरतअंग्रेज बातों से हमें परिचित कराया।

(घ) तुर्किस्तान, अफगानिस्तान तथा अन्य सुदूर देशों से प्रति वर्ष बीकानेर आने-जाने वाले पक्षियों में भी लेन-देन की व्यवस्था पायी गई है। ये पक्षी एक साथ झीलों पर पानी पीने आते हैं।

(ङ) लेन-देन के मामले में विदेशी पक्षी जीव-जंतु, नर-मादा, लेन-देन करने वाले की आयु तथा उपार्जन-शक्ति का पूरा-पूरा ध्यान रखते हैं। सूद-ब्याज तक वसूल किया जाता है। हर वर्ग की दरें तथा अवधि तक निश्चित हैं। भंडार-गृह की वस्तुओं का पूरा लेखा-जोखा भी रखा जाता है कि कौन-सी वस्तु कितनी गई, कितनी आई।

(च) गौरैया मुख्यतः लाल तिलचट्टे, मच्छर और अंगूर आदि उधार देती है। उधार की अवधि एक दिन से चार-पाँच सप्ताह तक रहती है। उधार लेने वाली गौरैया को सूद

के रूप में डेढ़ गुना खाद्य-सामग्री सधन्यवाद वापस करनी पड़ती है। ऋण की वापसी से पहले दोनों पार्टियाँ चोंच से चोंच मिलाकर मिलती हैं। फिर ऋणी गौरैया अपने उधार देने वाले को तिलचट्टों के अपने भंडार पर ले जाती है, या स्वयं एक-एक करके तिलचट्टे उसके स्थान पर छोड़ जाती है।

(छ) कौए नीलामी द्वारा उधार देते हैं। लेकिन यह उधार केवल उसी कौए को दिया जाता है जिससे वापसी की पूरी आशा हो। सुस्त, दुष्ट और बेईमान पक्षी को पास नहीं फटकने दिया जाता। कौए रोटी, दूध, दही, मांस, फल आदि उधार देते हैं। वसूली का समय दो से चार प्रतिशत सूद के आधार पर एकाध सप्ताह का होता है। माल वापस न मिलने पर क्रूरतापूर्वक हमलों के रूप में चेतावनी दी जाती है।

(ज) तोता और कबूतर पहले तो जरूरतमंदों को फलों, खाद्य पदार्थों आदि के नमूने देकर अपने जाल में फँसाते हैं और फिर चुटकियों में दो सौ प्रतिशत सूद पर माल उधार दे देते हैं। इनकी वसूली की अवधि अनिश्चित है। ये ऋणी पक्षी की गतिविधियों पर पैनी नजर रखते हैं और उसके पास खाद्य-सामग्री आते ही उसे घेर लेते हैं। इस प्रकार, तोते और कबूतर उधार तो बड़ी सरलता से दे देते हैं परंतु वसूली के समय अपना असली रूप दिखाते हैं।

(झ) बतख और चील की निर्मम महाजनों के साथ यहाँ तुलना की गई है। मे से खाद्य-सामग्री उधार लेने वाले सजातीय पक्षियों की भी वही दशा हो जाती है जो गरीब लोगों की कठोर निर्मम महाजन के हाथों हुआ करती है। दो-चार ग्राम खाद्य-सामग्री उधार देकर बतख और चील जीवन भर उसका शोषण करते रहते हैं। वसूली के समय लेनदार को तरह-तरह से सताते, लताड़ते और मारते हैं। सूद या अवधि की कोई सीमा नहीं है। हाँ, रोगी पक्षियों का लिहाज निस्संदेह ये भी करते हैं। यानी भावनाएँ इनमें भी होती हैं।

(ञ) उधार में ईमानदारी तथा शुद्धता के लिए मुरगे का कोई जवाब नहीं है। मुरगियों और चूजों से वह कोई सूद नहीं लेता।

भाषा-बोध

1. 'साफ-सुथरी' शब्द-युग्म है। इस पाठ में आए छह अन्य शब्द-युग्म छाँटकर लिखिए–

उत्तर– जीव-जंतु, विश्व-विख्यात, लेन-देन
नर-मादा, लेखा-जोखा, खाद्य-सामग्री

2. इस पाठ में से पाँच व्यक्तिवाचक संज्ञा, पाँच जातिवाचक संज्ञा और पाँच भाववाचक संज्ञा शब्द छाँटकर लिखिए–

व्यक्तिवाचक संज्ञा	**जातिवाचक संज्ञा**	**भाववाचक संज्ञा**
ऑस्ट्रेलिया	गौरैया	शुद्धता
डॉ० सुर्वोल ग्रेगरी	तोता	नरमी
साइबेरिया	चील	सरलता
अफगानिस्तान	बतख	ईमानदारी
तुर्किस्तान	मुरगा	क्रूरता

3. निम्नलिखित शब्दों में से उपसर्ग मूल शब्द अथवा प्रत्यय अलग कीजिए–

उत्तर–

शब्द		उपसर्ग	मूल शब्द	प्रत्यय
विलक्षणता	=	**वि**	**लक्षण**	**ता**
निस्संदेह	=	**निः**	**संदेह**	
विकसित	=		**विकास**	**इत**
ईमानदारी	=		**ईमानदार**	**ई**
सजातीय	=	**स**	**जाति**	**ईय**
बाकायदा	=	**बा**	**कायदा**	

4. रंगीन शब्दों के अर्थ रिक्त स्थानों में लिखिए–

उत्तर–

(क) कल मैं सरकस देखने गया था। **बीता हुआ दिन**

(ख) आज का युग कलयुग कहलाता है। **बुरा युग**

(ग) गांधी जी की आत्मकथा पढ़कर मन में अनेक भाव उठने लगे। **भावना यें**

(घ) आजकल सब्ज़ियों के भाव बढ़ गए हैं। **दाम**

(ङ) बिजली के तार को मत छूना। **विद्युत चालक नली**

(च) पिता जी ने कोलकाता से तार भेजा है। **डाकपत्र**

(छ) रस्सी जल गई पर बल नहीं गया। **घमण्ड**

(ज) भारी सामान उठाने के लिए बल लगाना होगा। **शक्ति**

5. भाषा में हम कुछ शब्द-युग्मों का प्रयोग करते हैं। हिंदी में मुख्य रूप से चार प्रकार के शब्द-युग्मों का प्रयोग होता है–

उत्तर– इनमें से किन्हीं चार का वाक्य में प्रयोग कीजिए।

हार-जीत जीवन का अभिन्न अंग है।

उसका परीक्षा परिणम ठाक-ठाक था।

शादी में कौन-कौन आया?

बड़े-बूढ़े का सम्मान करना चाहिए।

14 एकता का महत्व

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (i) (ख) (iii) (ग) (ii)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर–

(क) सुनहरा **मुर्गा** अपनी तरह का एक ही था।

(ख) **काला** बंदर भी अपनी तरह का एक ही था।

(ग) **फलवालों** से लेकर **स्कूल** के बच्चों तक को उसके अमरूदों का लालच था।

(घ) **चिड़ियाघर** के लोग बंदर को पकड़ने की कोशिश में थे।

(ङ) पेड़ चुपचाप अपने अमरूद **नष्ट** होते देखता रहा।

3. सही वाक्य के सामने सत्य तथा गलत वाक्य के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) सत्य (ख) सत्य (ग) सत्य (घ) असत्य (ङ) सत्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– (क) सुनहरा मुर्गा अपनी तरह का एक ही था। इसलिए बहुत-से लोगों की नजर उस पर थी। काला बंदर भी अपनी तरह का एक ही था। इसलिए चिड़ियाघर के लोग उसे पकड़ने की कोशिश में थे।

लाल अमरूद के पेड़ पर लाल-लाल अमरूद लगते थे। उसके जैसा भी कोई दूसरा पेड़ वहाँ नहीं था।

(ख) जब चिड़ियाघर के लोग बंदर को पकड़ने के लिए आते, तब पेड़ उसे अपनी पत्तियों और शाखाओं में छिपा लेता। किसी की उस पर नजर नहीं पड़ती। नीचे मुर्गा जोर-जोर से पंख फड़फड़ाकर इतनी धूल उड़ा देता कि उनके लिए वहाँ खड़े होकर साँस लेना मुश्किल हो जाता। आखिर वे वहाँ से हटने लगते, तो पेड़ अपने सबसे पिलपिले अमरूद नीचे टपकाकर उन्हें फिसला देता। वे किसी तरह गिरते-पड़ते वहाँ से लौटते, तो उन्हें पता चलता कि उनका बंदर पकड़ने का जाल मुर्गे की चोंच में है और मुर्गा पेड़ की सबसे ऊँची टहनी पर बैठा है। थोड़ी दूर जाने पर उन्हें पीछे से मुर्गे की बाँग सुनाई दे जाती-कुकडूँ कूँ। लगता, जैसे मुर्गा उनका मजाक उड़ा रहा है।

(ग) जब फल वाले या स्कूल के बच्चे पेड़ से अमरूद तोड़ने के लिए आते, तब पहले उनका सामना बंदर से होता। बंदर इस तरह उनके इर्द-गिर्द चक्कर काटता और उन्हें डराता कि उनका पेड़ के नजदीक जाने का हौसला ही न होता। अगर उन लोगों के पास अपना कोई खाने-पीने का सामान होता, तो उसे भी वह चट कर जाता। मौका लगने पर किसी के बाल नोच देता, किसी के कान उमेठ देता। इतने पर भी वे लोग पेड़ के नजदीक पहुँच जाते, तो वहाँ उन्हें मुर्गा बेजान-सा तड़पता नजर आता। मुर्गे की चोंच एक अमरूद में होती, जैसे कि अमरूद खाकर ही उसकी यह हालत हुई हो।

(घ) पेड़ ने झल्लाकर सोचा, 'मैंने आज तक हर मुसीबत में इनकी जान बचाई है, पर आज मुझ पर इतनी बड़ी मुसीबत आई है, तो इन्हें अपनी-अपनी पड़ी है। मेरा हाल तक नहीं पूछा, मदद करना तो दूर रहा।'

'मैंने भी क्या साथी चुन रखे हैं'? बंदर ने ठंड से काँपते हुए अपने से कहा, 'एक पेड़ है, जो जमीन में गड़ा होने की वजह से सुरक्षित है। दूसरा पक्षी है, जिसे उड़ सकने के कारण कोई खतरा नहीं है। आज तक मुझसे ये अपनी रखवाली कराते रहे, पर आज मुझ पर इतनी सख्त मुसीबत पड़ी है, तो दोनों चुपचाप ताकते हुए मजा ले रहे हैं, कर कुछ नहीं रहे।'

'बंदर का और पेड़ का तो हमेशा साथ है,' मुर्गे ने मन में कुड़बुड़ाना शुरू किया, 'मैं क्यों बेवकूफ बनकर इन दोनों के बीच फँसा हूँ? आज तक मैं तो इनकी हर मुसीबत को अपनी मुसीबत समझता आया हूँ। पर आज जब मेरी जान पर आ बनी है, तब दोनों को जैसे मेरा पता ही नहीं है; मजे से बारिश में नहा रहे हैं और मेरी बात तक नहीं पूछ रहे।'

(ङ) कहानी के अंत में अपनी आपसी एकता बिखरने के कारण बंदर, पेड़ और मुर्गा तीनों क्रमशः चिड़ियाघर वालों, लकड़हारे और कसाई के शिकार हो गए।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित वाक्यों में से क्रियाविशेषण छाँटकर लिखिए और उनके भेद भी बताइए–

उत्तर– (क) जब – कालवाचक क्रियावेशषण
तब – कालवाचक क्रियाविशेषण
(ख) जोर-जोर से – रीतिवाचक क्रियाविशेषण
इतनी – परिमाणवाचक क्रियाविशेषण
(ग) ऊपर – स्थानवाचक क्रियाविशेषण
(घ) जब – कालवाचक क्रियाविषेण
खूब – परिमाणवाचक विशेषण

2. इस पाठ में से चार संयुक्त क्रियाएँ छाँटकर लिखिए–

उत्तर– छिपा लेना **मौका लगना**
बिगाड़ पाना **खो बैठना**

3. निम्नलिखित शब्दों के तीन-तीन पर्यायवाची लिखिए–

उत्तर– बंदर	=	**वानर**	**कपि**	**मर्कट**
पेड़	=	**पादप**	**तरु**	**वृक्ष**
आदमी	=	**नर**	**मनुज**	**मानव**
दिन	=	**दिवस**	**वार**	**वासर**
जमीन	=	**भू**	**भूमि**	**धरती**
पक्षी	=	**खग**	**पंछी**	**अण्डज**
जिस्म	=	**बदन**	**काया**	**शरीर**

4. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– योजना = **पंचवर्षीय योजना से भारत का विकास हुआ।**
होश = **मरीज को अभी तक होश नहीं आया था।**
मूसलाधार = **पूरे दिन मूसलाधार बारिश होती रही।**
हालात = **दंगे से शहर में हालत खराब हो गए हैं।**
मदद = **गरीबों को मदद चाहिए।**

15 अमर शहीद भगत सिंह के पत्र

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (i) (ख) (iii) (ग) (iii)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) मैं जानता हूँ कि इस समय **वे** बहुत घबराई हुई हैं।
(ख) सभी साहस से **हालात** का मुकाबला करें।
(ग) मेरा नाम **हिंदुस्तानी क्रांति** का प्रतीक बन चुका है।

(घ) आज मेरी **कमजोरियाँ** जनता के सामने नहीं हैं।

(ङ) मुझे स्वयं पर बहुत **गर्व** है।

3. सही वाक्य के सामने सत्य तथा गलत वाक्य के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) असत्य (ख) सत्य (ग) सत्य (घ) सत्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– (क) भगत सिंह के दुःख का कारण यह था कि एक दिन उनकी माँ जी को साथ लेकर उनके भाई आए और मुलाकात का आदेश नहीं मिलने से निराश होकर वापस लौट गए।

(ख) उन्होंने अपने भाई और सभी शुभचिंतकों से हालात का मुकाबला करने के लिए कहा क्योंकि दुनिया में दूसरे लोग भी हज़ारों मुसीबतों में फँसे हुए थे।

(ग) अपने जीने की इच्छा के विषय में भगत सिंह के ये विचार थे–स्वाभाविक है कि जीने की इच्छा मुझमें भी होनी चाहिए, मैं इसे छिपाना नहीं चाहता, लेकिन मैं एक शर्त पर जिंदा रह सकता हूँ कि मैं कैद होकर या पाबंद होकर जीना नहीं चाहता।
मेरा नाम हिंदुस्तानी क्रांति का प्रतीक बन चुका है और क्रांतिकारी दल के आदर्शों और कुर्बानियों ने मुझे बहुत ऊँचा उठा दिया है। इतना ऊँचा कि जीवित रहने की स्थिति में इससे ऊँचा मैं हरगिज नहीं हो सकता।

(घ) भगत सिंह के मन में यह आशंका थी–अगर मैं फाँसी से बच गया तो मेरी कमजोरियाँ जाहिर हो जाएँगी और क्रांति का प्रतीक-चिह्न मद्धिम पड़ जाएगा या संभवतः मिट ही जाए।

(ङ) भगत सिंह को स्वयं पर गर्व हो रहा था क्योंकि वे मातृभूति के लिए अपने प्राण न्याछावर करने जा रहे थे।

(च) भगत सिंह ने ब्रिटिश साम्राज्यवादियों के लिए 'शैतानी शक्तियों' शब्द का प्रयोग किया क्योंकि वे उनके द्वारा भारत व भारतीयों पर हो रहे अत्याचारों से घृणा करते थे।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित शब्दों में से विशेषण शब्द छाँटकर उनके भेदों के नाम लिखिए–

उत्तर–

वीर भगत सिंह	=	**वीर**	**गुणवाचक विशेषण**
अनेक इच्छाएँ	=	**अनेक**	**संख्यावाचक विशेषण**
शैतानी शक्तियाँ	=	**शैतानी**	**गुणवाचक विशेषण**
दो-चार मुलाकातें	=	**दो-चार**	**संख्यावाचक विशेषण**

2. निम्नलिखित आगत (विदेशी) शब्दों के हिंदी पर्याय लिखिए–

उत्तर–

कुर्बानी	=	**बलिदान**	तमाम	=	**संपूर्ण**
नुकसान	=	**हानि**	आरजू	=	**इच्छा**
इजाजत	=	**अनुमति**	आजादी	=	**स्वतंत्रता**
मुलाकात	=	**भेंट**	हसरत	=	**इच्छा**

3. निम्नलिखित अनुच्छेद में से सर्वनाम और कारक-चिह्नों को छाँटिए–

उत्तर– सर्वनाम – मेरी, मैं, वे, मेरे, अपने

कारक – के, से, का, की, के लिए, को

4. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर–

दुनिया	=	**संसार**	**जगत**
माता	=	**माँ**	**मातृ**
साहस	=	**हिम्मत**	**बहादुरी**
इच्छा	=	**अभिलाषा**	**मंशा**

5. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर–

निराश	=	**निराश व्यक्ति कभी सफल नहीं होता।**
इजाजत	=	**बिना इजाजत घर में प्रवेश करना नहीं चाहिए।**
मुलाकात	=	**आज बड़े अफसर से मेरी मुलाकात है।**
पाबंद	=	**मैं समय का बड़ा पाबंद हूँ।**
प्रतीक	=	**ईमानदारी सद्व्यवहार का प्रतीक है।**
तमाम	=	**तमाम नियम मानव की भलाई के लिए हैं।**

16 सात बहनें

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (i)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) हिमालय की श्रृंखला **कश्मीर** से पूर्व तक लगभग 1500 मील लंबी है।

(ख) अरुणाचल प्रदेश की आबादी **क्षेत्र** के हिसाब से बहुत कम है।

(ग) पहाड़ी प्रदेशों की **बारिश** के कारण यहाँ ऊँचे-ऊँचे वृक्ष होते हैं।

(घ) पहाड़ों में **सिंचाई** की कोई व्यवस्था नहीं होती।

(ङ) पूर्व के प्रदेशों की सबसे बड़ी विशेषता उनकी अपनी **संस्कृति** है।

3. सही वाक्य के सामने सत्य तथा गलत वाक्य के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) सत्य (ख) असत्य (ग) असत्य (घ) सत्य (ङ) सत्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) ये प्रदेश हैं–अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, मणिपुर, मिजोरम, नागालैंड और त्रिपुरा।

(ख) गुवाहाटी असम प्रदेश की राजधानी है।

(ग) इन सात प्रदेशों के लिए उच्च न्यायालय असम के गुवाहाटी शहर में है।

(घ) पूर्वात्तर भारत में असम राज्य में गुवाहाटी तक रेल जाती है और नागालैंड में कोहिमा तक रेल जाती है।

(ङ) चाय की खेती के लिए पहाड़ की ऐसी ज़मीन उत्तम होती है जहाँ नियमित रूप से पानी की व्यवस्था हो पर पानी पौधों की जड़ों में न जमा हो।

(च) मणिपुर राज्य की शास्त्रीय नृत्य शैली का नाम मणिपुरी नृत्य है।

भाषा-बोध

1. बहुवचन शब्द बनाइए–

उत्तर–

विशेषता	=	**विशेषताएँ**	संस्कृति	=	**संस्कृतियाँ**
भाषा	=	**भाषाएँ**	जनजाति	=	**जनजातियाँ**
व्यवस्था	=	**व्यवस्थाएँ**	शैली	=	**शैलियाँ**
संभावना	=	**संभावनाएँ**	खुशी	=	**खुशियाँ**
उपलब्धि	=	**उपलब्धियाँ**			

2. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर–

प्रदेश	=	**भारत में 28 प्रदेश हैं व 8 केंद्र शासित प्रदेश हैं।**
विशिष्ट	=	**उत्तर प्रदेश की अपनी विशिष्ट संस्कृति है।**
विकसित	=	**चीन एक विकसित देश बन गया है।**
स्थल	=	**भारत के प्रत्येक स्थल की भिन्न बोली है।**
संस्कृति	=	**संस्कृति मानव को पशुओं से अलग करती है।**

17 युगावतार गांधी

अभ्यास

कविता-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (i) (ख) (i)

2. कविता की पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए–

उत्तर– जिसके शिर पर **निज धरा हाथ**,
उसके शिर-रक्षक कोटि हाथ।
जिस पर निज **मस्तक झुका दिया**,
झुक गए उसी पर कोटि माथ।

3. निम्नलिखित पंक्तियों का सप्रसंग भावार्थ लिखिए–

उत्तर– प्रसंग–प्रस्तुत पद्यांश में कवि महात्मा गांधी के चरित्र का वर्णन कर रहा है।
भावार्थ–महात्मा गाँधी जिस दिशा में जाते, भारतवासी भी
उसी दिशा में बढ़ चलते और विजयी होकर आदर्श
समाज को स्थापित करते। गांधी लगा ने अपना
सब कुछ भारत माता की सेवा में लगा दिया।
अपने कार्यों से उन्होंने भारत माता को गौरव प्रदान किया।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– (क) 'तुम बोल उठे युग बोल उठा' पंक्ति से कवि का अभिप्राय है कि गांधी जी ने अपनी आवाज को जन-जन तक पहुँचा दिया।

(ख) गांधी जी ने धर्म में उपस्थित आडंबरों जैसे छुआछूत, सांप्रदायिकता का विरोध किया और आडंबर मुक्त समाज की राह दिखाई।

(ग) भारत की जनता उस समय परतंत्र और निरीह थी। महात्मा गांधी ने उनकी स्वतंत्रता के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया।

(घ) गांधी जी को कवि ने दिग्विजयी कहा है क्योंकि उनके अहिंसा के मार्ग के आगे ब्रिटिश सत्ता निसहाय होने लगी और उनके आंदोलन को सफलता मिलने लगी।

(ङ) राजतंत्र के खंडहर से आशय है कि राजतंत्र अब अपनी अंतिम अवस्था में है।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर– पावन = **अपावन** सृजन = **विनाश**

उगता = **छिपता** स्वतंत्र = **परतंत्र**

धर्म = **अधर्म** अभय = **भयभीत**

2. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर– पग = **पैर पद** हाथ = **हस्त कर**

धरा = **धरती भूमि** जननी = **माँ माता**

3. निम्नलिखित शब्दों के तुकांत शब्द लिखिए–

उत्तर– डग = **पग** हाथ = **माथ**

बना = **मना** ध्वस्त = **अस्त**

4. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए–

उत्तर– पग = **पैर** कोटि = **करोड़**

मस्तक = **माथा** कर्म = **काम**

धरा = **भूमि** जननी = **माता**

5. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए–

उत्तर– डग = **पैर** निज = **अपना**

अभिनव = **नया** पावन = **पवित्र**

स्रष्टा = **निर्माता** मौन = **चुप**

दृग = **नेत्र** धरा = **धरती**

6. निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी सही करके लिखिए–

उत्तर– सस्त्र = **शस्त्र** दृष्टा = **द्रष्टा**

रात्रतँत्र = **राजतंत्र** कोटी = **कोटि**

मश्तक = **मस्तक** मोन = **मौन**

युगर्धम = **युगधर्म** स्रजन = **सृजन**

7. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– दृग = **माता के दृग शिशु को देख भर आए।**

निज = **निज कर्म स्वयं करना चाहिए।**

संचित = **संचित धन विपत्ति में काम आता है।**

धरा = **भारत धरा पावन भूमि है।**

अभिनव = **भारत में स्वतंत्रता के बाद एक अभिनव युग की शुरुआत हुई।**

18 शरत्चंद्र

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (iii) (ग) (i)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) नयन सरदार ने आहट मिलते ही **डाकुओं** को ललकारा।

(ख) शरत् बचपन में गाँव के **स्कूल** में ही पढ़ते थे।

(ग) शरत् के पिता का नाम **मोतीलाल** तथा माता का नाम **भुवनमोहिनी** था।

(घ) कई महीने बाद **साधु** के वेश में शरत् चंद्र **मुजफ्फरपुर** पहुँचे।

(ङ) पूर्णचंद्र के **प्रकाश** में वह आए और **पूर्णचंद्र** के उजियारे में ही वह चले गए।

3. सही वाक्य के सामने सत्य तथा गलत वाक्य के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) असत्य (ख) असत्य (ग) सत्य (घ) सत्य (ङ) सत्य

4. निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– (क) लिखना एक निरंतर विकसित होने वाली प्रक्रिया है। लेखक को बहुत सारगर्भित तरीके से अपने विचारों को उकेरना पड़ता है। इसलिए लेखन एक साधना है और बचपन से ही कुशाग्र शरत् एक साधक की भाँति लेखन करते थे।

(ख) शरत् चंद्र जैसे प्रसिद्ध और उत्तम लेखक अपनी रचनाओं के माध्यम से सदैव अमर रहते हैं।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) शरत् बचपन में अपने गाँव के लठैत नयन सरदारके साथ इ़कैतों का सामना करके पैदल चलता हुआ गाँव लौट आया।

(ख) कॉलेज में विज्ञान की परीक्षा थी। शरत्चंद्र लिखे उत्तरों को पढ़कर परीक्षक हैरान रह गया। उन्होंने सोचा, 'हो-न-हो इसने नकल की है।' उन्होंने उसे बुलाया और फिर से नए प्रश्न पूछे। उसने उनके जो उत्तर दिए उन्हें सुनकर परीक्षक को उसकी स्मरण-शक्ति का लोहा मानना पड़ा। इस घटना से पता चलता है कि शरत्चंद्र अनोखा बालक था।

(ग) पिता की तरह उनमें भी टिकने की आदत नहीं थी। एक दिन नौकरी छोड़ दी और पुस्तक पढ़ने-लिखने में लग गए।

(घ) कई महीने बाद साधु के वेश में वह मुजफ्फरपुर पहुँचे। यहाँ वह शीघ्र ही लोकप्रिय हो गए क्योंकि वह बाँसुरी बहुत सुंदर बजाते थे और खूब सेवा करते थे। वे रोगी जिनका कोई नहीं था, शरत् उनकी जी-जान से सेवा करते, जो असहाय व्यक्ति मर जाते उनका आदर के साथ संस्कार करते।

(ङ) शरत् की कहानी उनके कुत्ते के बिना पूरी नहीं हो सकती। उसका नाम था भेलू। बड़ा बदसूरत और बहुत ही भौंकने वाला। आने वाले उससे बेहद घबराते थे। जब वह बीमार पड़ा तो शरत् ने अपने बेटे से भी अधिक प्यार से उसका इलाज करवाया,

लेकिन वह बच नहीं सका। तब वह इतना रोए, इतना रोए कि सब लोग दाँतों तले उँगली दबाने लगे। बड़े प्यार से उन्होंने शिवपुर के अपने घर में उसकी समाधि बनवाई।

(च) शरत् केवल लेखक ही नहीं थे, स्वाधीनता-संग्राम के एक सेनानी भी थे। 1921 से लेकर 1938 में अपनी मृत्यु तक वह हावड़ा कांग्रेस कमेटी के प्रधान रहे। वह मानते थे, 'राजनीति में योग देना सब देशवासियों का कर्तव्य है, विशेषकर हमारे देश में। राजनीतिक आंदोलन देश की मुक्ति का आंदोलन है। साहित्यकारों को इसमें सबसे आगे बढ़कर योग देना चाहिए।' अपने एक उपन्यास 'पथ के दावेदार' में उन्होंने क्रांतिकारियों के जीवन का चित्रण किया है।

(छ) शरत् का गृहस्थ जीवन बहुत सुखी था। उनकी पत्नी हिरण्यमयी देवी जिसे वह 'बहू' या 'बड़ी बहू' कहकर पुकारते थे, बहुत पति-परायणा थीं। वह बहुत सरल, व्रत-उपवास करने वाली तथा अतिथियों से प्रेम करने वाली हिंदू महिला थीं।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए–

उत्तर– (क) अकेले जाने की हिम्मत नहीं थी।

(ख) आवाज सुनकर किसी की हिम्मत न हुई कि सामने आए।

(ग) कॉलेज में विज्ञान की परीक्षा थी।

(घ) जमकर काम करने की आदत ही नहीं थी।

(ङ) उन्होंने एक प्रतियोगिता के लिए कहानी भेजी थी।

(च) शरत् की कहानी उनके कुत्ते के बिना पूरी नहीं हो सकती।

2. निम्नलिखित शब्दों का लिंग परिवर्तित करके वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– बालक = **विद्यालय में रीमा नामक की बालिका है।**

माँ = **पिता का स्वभाव गुस्सैल होता है।**

अध्यापक = **अध्यापिका हिंदी पढ़ाती हैं।**

पड़ोसी = **हमारी पड़ोसन बहुत चुगलखोर है।**

लेखक = **अमृता प्रीतम प्रसिद्ध लेखिका थीं।**

3. निम्नलिखित वाक्यों को प्रश्नवाचक वाक्यों में बदलिए–

उत्तर– (क) पूर्णिमा को चाँद कैसा निकलता है?

(ख) वह रातों-रात कहाँ चली गईं?

(ग) शरत् बचपन में कहाँ पढ़ते थे?

(घ) उस काल में नारी की दशा कैसी थी?

(ङ) शरत् का गृहस्थ जीवन कैसा था?

(च) कौन उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकती?

4. निम्नलिखित वाक्यों को जोड़कर एक सरल वाक्य बनाइए–

उत्तर– (क) वह छुटपन में जब बहुत शरारत करता तो माँ उसे मारती।

(ख) शरत लेखक के साथ-साथ स्वाधीनता संग्राम के एक सेनानी भी थे।

(ग) उस बदसूरत और बहुत भौंकने वाले कुत्ते का नाम भेलू था।

(घ) पड़ोस में आग लगने से उनका मकान भी जलने लगा।
(ङ) पिता ने नाराज होते हुए उन्हें घर से निकल जाने को कहा।
(च) इन कहानियों से उनकी धाक जमने के बाद सभी उनसे रचनाएँ माँगने लगे।

5. निम्नलिखित शब्द-युग्मों से वाक्य बनाइए–

उत्तर– छोटे-छोटे = **बच्चा छोटे-छोटे हाथों से माँ को पकड़ रहा था।**
डरते-डरते = **हम डरते-डरते शिक्षक के पास गए।**
रातों-रात = **ट्रेन छूटने पर हम रातों-रात बस से वापस आए।**
इधर-उधर = **हमें इधर-उधर की बातें नहीं करनी चाहिए।**
धीरे-धीरे = **सफलता धीरे-धीरे ही मिलती है।**

19 धैर्य और संयम से रोगमुक्ति

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (ii)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) रोग निवारण के लिए किया गया एक प्रयोग **पुरुषार्थ** है।
(ख) प्रकृति विरोधी गतिविधियाँ अपनाने से, असंयम बरतने से **रोग** होते हैं।
(ग) रोगी का स्वयं का धैर्य और संयम **बीमारी** के दिनों में बढ़ा-चढ़ा रहना चाहिए।
(घ) छोटी बीमारियों से तो रोगी व **चिकित्सक** ही मिल-जुलकर निपटते रह सकते हैं।
(ङ) बीमारी की खबर सुनकर अनेक **हितैषी** व सहयोगी भी सहानुभूति प्रकट करने आते हैं।

3. सही वाक्य के सामने सत्य तथा गलत वाक्य के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) असत्य (ख) असत्य (ग) सत्य
(घ) असत्य (ङ) सत्य (च) सत्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) उपचार में एक भूमिका चिकित्सक की भी है, यह मानने में कोई नुकसान नहीं। पर उसकी सहायता के लिए अन्यों को भी सहयोगी बनना चाहिए। इन अन्यों में दो पक्ष प्रमुख हैं–एक, रोगी का धैर्य, संयम और मनोबल; दूसरा, परिचर्या में भाग लेने वाला स्वजन-संबंधियों का परिकर! अस्पतालों में यह कार्य नर्सों और सेवा-कर्मचारियों के जिम्मे आता है।
(ख) सामान्य विकृतियों को तो शरीर के संरक्षक तत्व आए दिन निकालते रहते हैं; उनका हमें पता भी नहीं चलता। पर जब वह विषाक्तता काबू से बाहर हो जाती है, तो जीवनीशक्ति को 'करो या मरो' की नीति अपनानी पड़ती है।
(ग) बीमारी के दिनों में दो बातें नितांत आवश्यक हैं, एक, यह कि पेट पर अनावश्यक

वजन न पड़ने दिया जाए, निराहार रहा जा सके तो सबसे अच्छा। निराहार के दिनों में पानी अधिक पिया जाए ताकि जमा हुआ मल घुलता रहे।

(घ) असंयमजन्य रोगों में पेट की सफाई व्रत-उपवास के द्वारा की जा सकती है। इसके अतिरिक्त एनीमा, त्रिफला या ईसबगोल की भूसी के सहारे भी पेट की सफ़ाई की जा सकती है।

(ङ) शारीरिक विश्राम की तरह ही मानसिक विश्राम भी रुग्णता के दिनों में आवश्यक है। उद्विग्नता एवं उत्तेजना से बचना चाहिए। झुँझलाहट, क्रोध, चिंता, मृत्युभय जैसी उद्विग्नताएँ मन पर छाई रहने पर वे अनिद्रा का कारण बनती हैं और रोग को घटाने की अपेक्षा बढ़ाने में सहायता करती हैं। मन को प्रसन्न रखने में उज्ज्वल भविष्य की कल्पना करना, रोग के जल्दी ठीक हो जाने पर विश्वास रखना ऐसा संतुलन है, जिसके सहारे नीरोगता की दिशा में तेजी से बढ़ा जा सकता है।

(च) रोगी के प्रति परिचारकों का दायित्व यह है कि वे उसे सही दिनचर्या अपनाए रहने के लिए सहमत करें। उदासी को दूर करते रहने के लिए। उत्साहवर्धक चर्चाएँ करते रहें। मनोरंजन के साधनों में रेडिया सुनना, दूसरों के द्वारा पढ़वाकर पुस्तकें, पत्रिकाएँ आदि सुनाना जैसे प्रयास भी उत्साहवर्धक होते हैं। इससे रोगी का खाली समय ठीक प्रकार के कटता रहता है। ऊब या खीझ उठने से भी बचाव होता है।

(छ) बीमारी की खबर सुनकर अनेक हितैषी व सहयोगी भी सहानुभूति प्रकट करने आते हैं। उनकी यह सद्भावना कई बार बहुत महँगी पड़ती है। वे दुर्भाग्य की, बुरे समय की, बीमारी की भयंकरता की, बहुत कमजोर हो जाने जैसी बातें करते हैं। इससे रोगी का उत्साह टूटता है।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–

अनावश्यक	=	**आवश्यक**	संयम	=	**असंयम**
नीरोग	=	**रोग**	उज्ज्वल	=	**धूमिल**
हितैषी	=	**शत्रु**	सहमत	=	**असहमत**
प्राकृतिक	=	**कृत्रिम**	सुविधा	=	**असुविधा**
यश	=	**अपयश**	नियंत्रित	=	**अनियंत्रित**
अतिवृष्टि	=	**अनावृष्टि**	सुलभ	=	**दुर्लभ**

2. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए–

उत्तर–

संघर्ष	=	**संग्राम**	व्यथा	=	**पीड़ा**
धैर्य	=	**धीरता**	निराशा	=	**हताशा**
तालाब	=	**पोखर**	हानि	=	**नुकसान**
मृत्यु	=	**मौत**	वजन	=	**भार**
क्रोध	=	**गुस्सा**			

3. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

धैर्य = **रोगी को धैर्य रखना चाहिए।**

संयम = **हमें सफलता प्राप्ति हेतु संयम रखना चाहिए।**
व्यथा = **गांधी जी से भारतीयों बनाए व्यथा नहीं देखी गई।**
मनोबल = **विपत्ति में हमें मनोबल बनाए रखना चाहिए।**
लिप्सा = **रोगी को अपनी लिप्सा पर नियंत्रण रखना चाहिए।**
सहानुभूति = **हमें गरीबों से सहानुभूति रखनी चाहिए।**
संभावना = **बारिश की कोई संभावना नहीं दिखती है।**

20 श्रीमती सरोजिनी नायडू

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (ii) (ख) (i) (ग) (ii)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) सन् 1922 ई० में गांधी जी पर मुकदमा चला और उन्हें **6** वर्ष की सजा हुई।
(ख) भारतवासियों में **स्वतंत्रता-प्राप्ति** की भावना बढ़ रही थी।
(ग) गांधी जी के नेतृत्व में देश ने **भारत छोड़ो** आंदोलन आरंभ किया।
(घ) तुम अवश्य ही श्रीमती नायडू हो, कौन इतना **आदर-विहीन** हो सकता है?
(ङ) मार्च 1947 में **दिल्ली** में एशियाई सम्मेलन का आयोजन किया गया था।

3. सही वाक्य के सामने सत्य तथा गलत वाक्य के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) सत्य (ख) सत्य (ग) सत्य (घ) असत्य (ङ) सत्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) सरोजिनी का जन्म 13 फरवरी, 1879 को पूर्वी बंगाल के ब्रह्मनगर नामक गाँव में हुआ था।

(ख) गांधी जी से प्रथम बार भेंट होने पर उनकी अवस्था देखकर सरोजिनी नायडू हँस पड़ीं। इस पर गांधी जी ने कहा कि, "तुम अवश्य ही श्रीमती नायडू हो, कौन इतना आदर विहीन हो सकता है?"

(ग) गांधी जी से उनकी पहली भेंट लंदन में हुई थी। सन् 1914 ई० में गांधी जी श्री गोखले से मिलने के लिए दक्षिण अफ्रीका से वहाँ गए थे। इस भेंट का वर्णन करते हुए सरोजिनी नायडू ने लिखा है कि एक पुराने ढंग के मकान की सीढ़ियाँ चढ़कर जब वह ऊपर गईं, तो उन्होंने एक छोटे आदमी का सजीव चित्र देखा। उसका सिर छिपा हुआ था, वह फर्श पर जेल के काले कंबल पर बैठा जेल के ही लकड़ी के कटोरे में टमाटर और जैतून के तेल का भोजन कर रहा था। उसके आसपास भुनी हुई मूँगफली और केले के आटे से बने बेस्वाद बिस्कुटों के पिचके हुए कुछ डिब्बे रखे थे।

(घ) नेहरू जी ने लिखा है, "मैं उन दिनों सरोजिनी नायडू के कई धारा-प्रवाह भाषणों से

प्रभावित हुआ था। वे राष्ट्रीयता और देश-भक्ति से पूरी भरी थीं।''

(ङ) सरोजिनी नायडू का पहला कविता-संग्रह 'गोल्डन थ्रैशेल्ड' के नाम से सन् 1905 ई० में प्रकाशित हुआ। इस पुस्तक से इंग्लैंड का साहित्य-जगत आश्चर्यचकित रह गया। साहित्यकारों, समालोचकों और समाचार-पत्रों ने एक स्वर से उसकी प्रशंसा की। सरोजिनी ने यह अंग्रेजी में लिखा था, क्योंकि वही भाषा उन्हें अच्छी तरह आती थी पर उनकी कविता के विषय थे; भारत की पृष्ठभूमि और इस देश की स्वस्थ सांस्कृतिक विशेषता। भारत ने इस सफलता पर सरोजिनी का अभिनंदन किया। दूसरा कविता-संग्रह 'दि बर्ड ऑफ टाइम' 1912 में निकाला। इसकी प्रशंसा करते हुए 'यार्क-शायर पोस्ट' नामक पत्र ने लिखा था, ''श्रीमती नायडू ने हमारी भाषा को तो समृद्ध किया ही है, पूर्वी देशों की भावना और आत्मा से भी हमारा निकट का संपर्क कराया है।'' तीसरी कविता-पुस्तक थी 'दि ब्रोकन विंग' इसका प्रकाशन सन् 1917 ई० में हुआ।

(च) 30 जनवरी 1948 को दिल्ली में राष्ट्रपिता की हत्या कर दी गई। इस वज्रपात से सरोजिनी नायडू व्यथित हो उठीं। उनके नेता, सहयोगी और पथ-प्रदर्शक जा चुके थे। यह आघात उनके लिए बड़ा भयानक सिद्ध हुआ। धीरे-धीरे उनका स्वास्थ्य बिगड़ता गया और 1 मार्च 1949 की रात को उनकी मृत्यु हो गई।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध कीजिए–

उत्तर– परतिष्ठा = **प्रतिष्ठा** मूक्त = **मुक्त**

अदभूत = **अद्भुत** वीभूषित = **विभूषित**

2. निम्नलिखित अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए–

जो सप्ताह में एक बार हो = **साप्ताहिक**

जो बीमार हो = **रोगी**

जो ऊपर कहा गया हो = **उपर्युक्त**

जिसके माता-पिता न हों = **अनाथ**

जहाँ पहुँचना कठिन हो = **दुर्गम**

3. निम्नलिखित अनुच्छेद में से कारक-चिह्नों को अलग करके लिखिए–

उत्तर– कारक चिह्न–

के, में, को, के लिए, से, का, ने, की, पर

4. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– राष्ट्रीय = **भाजपा एक राष्ट्रीय दल है।**

अध्ययन = **विद्यार्थी को निरंतर अध्ययन करना चाहिए।**

गंभीरता = **रोगी की हालत गंभीरता से देखनी चाहिए।**

एकता = **एकता में ही शक्ति है।**

21 भारत के बाहर भारतीय

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (ii) (ख) (ii) (ग) (iii)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) 1600 में इंग्लैंड से **ईस्ट इंडिया** कंपनी नामक व्यापारिक संस्था ने भारत में प्रवेश किया।

(ख) यूरोप के देशों में लोग **चीनी** चुकंदर से बनाते थे।

(ग) आज मॉरीशस में भारतीय मूल के लोग **80** प्रतिशत हैं।

(घ) फिजी **332** छोटे द्वीपों का समूह है।

(ङ) ट्रिनीडाड में **50** प्रतिशत भारतीय मूल के लोग हैं।

3. सही वाक्य के सामने सत्य तथा गलत वाक्य के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) सत्य (ख) सत्य (ग) असत्य (घ) सत्य (ङ) असत्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) ब्रिटेन, पुर्तगाल फ्रांस व हॉलैंड देश के लोगों ने भारत में अपना साम्राज्य स्थापित किया था।

(ख) अंग्रेज भारतीयों को पूर्वी अफ्रीका के देशों में रेल की पटरियाँ बिछाने के लिए ले गए थे।

(ग) उन्होंने अनुभव किया कि संसार में भारत की तरह की जलवायु वाले और भी कई देश हैं, जहाँ गन्ने की खेती हो सकती है। उन्होंने उन देशों को अपने साम्राज्य का अंग बनाया और वहाँ चीनी की मिलें बनाने की व्यवस्था की। अब सवाल यह था कि उन देशों में खेती कौन करे, मिलों में काम कौन करे। साम्राज्यवादी देशों ने निर्णय किया कि भारत के गन्ने के किसानों को वहाँ खेतिहर मजदूर के रूप में ले जाएँ और वहाँ खेती शुरू करें।

(घ) खेतिहर मजदूरों को ठेके पर ले जाने वाले यूरोप के मिल मालिक उनसे गुलामों जैसा व्यवहार करते थे। वे हर तरह से उनका शोषण करते थे। उनसे दिन भर काम कराते थे और ठीक से मजदूरी नहीं देते थे। उनके लिए शिक्षा की व्यवस्था नहीं थी। प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से उन्हें धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर करते थे। कई जगह उन्हें अपनी भाषा बोलने पर भी पाबंदी लगाई गई थी।

भाषा-बोध

1. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर–

स्वतंत्र	=	**परतंत्र**	निकट	=	**दूर**
आधुनिक	=	**प्राचीन**	कम	=	**ज्यादा**
गुलाम	=	**आजाद**	शिक्षा	=	**अशिक्षा**

2. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर– राष्ट्र = **देश वतन** राजा = **नृप भूपति**
चिड़िया = **खग विहग** संसार = **जग जगत**

3. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए–

उत्तर– सम्राज्ञी = **महारानी**
समशीतोष्ण = **जहाँ शीत (ठंड) व उष्ण (गर्मी) ज्यादा न हो**
खेतिहर = **खेत पर काम करने वाले**
पाबंदी = **रोक**
स्वतंत्र = **आजाद**
प्रत्यक्ष = **सीधे**

4. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– गणतंत्र = **भारत एक गणतंत्र राष्ट्र है।**
स्थापित = **भारत में विधि का शासन स्थापित है।**
राज्य = **भारत में 28 राज्य हैं।**
प्रयत्न = **प्रयत्न करने से ही सफलता मिलती है।**
साम्राज्य = **अशोक का साम्राज्य बहुत विशाल था।**
जलवायु = **भारत की जलवायु उष्णकटिबंधीय है।**

22 मुक्ति की आकांक्षा

अभ्यास

कविता-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (i) (ग) (ii)

2. कविता की पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए–

उत्तर– (क) चिड़िया को **लाख समझाओ**
कि **पिंजड़े के** बाहर
धरती बहुत बड़ी है, निर्मम है,
वहाँ हवा में उन्हें
अपने **जिस्म की गंध तक** नहीं मिलेगी।

(ख) बाहर **बहेलिये का डर** है,
यहाँ **निर्द्वंद्व कंठ-स्वर** है।
फिर भी **चिड़िया**
मुक्ति **का गाना गाएगी**।

3. निम्नलिखित पंक्तियों का संदर्भ सहित भावार्थ लिखिए–

उत्तर– संदर्भ–प्रस्तुत पंक्तिया हमारी पाठ्यपुस्तक हिंदी में संकलित 'मुक्ति की आकांक्षा' नामक कविता से उद्धृत हैं।

भावार्थ–जिस प्रकार पिंजड़े में बंद चिड़िया बाहर उपस्थित खतरों की परवाह किए बिना

मुक्त होना चाहती है, उसी प्रकार गुलाम व्यक्ति हर प्रकार के खतरे को जानते हुए भी स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करता है।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) कवि कहता है कि पिंजड़े के बाहर चिड़िया को अपना होश भी नहीं रहेगा। बाहर न उसे सही से खाना मिलेगा और न ही वह मुक्त विचरण कर पाएगी। बहेलियों का डर हर समय उसे सताएगा।

(ख) चिड़िया को पिंजड़े में समय पर खाना-पानी मिलता है और वह सुरक्षित रहती है।

(ग) प्रत्येक प्राणी को अपनी स्वतंत्रता से प्यार होता है इसलिए चिड़िया मुक्ति का गाना ही गाएगी।

भाषा-बोध

1. आवश्यकता के अनुसार इनमें उचित विराम-चिह्न लगाकर इन्हें पुनः लिखिए–

उत्तर– (क) ''बाबा भारती ने पूछा, ''खड्गसिंह क्या हाल है?''

(ख) ''खड्गसिंह ने सिर झुकाकर उत्तर दिया, ''आपकी दया है।''

(ग) ''कहो इधर कैसे आ गए?''

(घ) ''सुलतान की चाह खींच लाई।''

(ङ) ''विचित्र जानवर है देखोगे तो प्रसन्न हो जाओगे।''

(च) ''मैंने भी बड़ी प्रशंसा सुनी है।''

(छ) ''उसकी चाल तुम्हारा मन मोह लेगी।''

(ज) ''कहते हैं देखने में भी बड़ा सुंदर है।''

2. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए–

उत्तर– निर्मम	=	**जिसके अंदर ममता न हो**	गंध	=	**महक**
निर्द्वंद्व	=	**बिना संघर्ष के**	कंठ	=	**गला**
मुक्ति	=	**आजादी**	जिस्म	=	**शरीर**

3. निम्नलिखित शब्दों के तुकांत शब्द लिखिए–

उत्तर– टोटा	=	**मोटा**	यहाँ	=	**वहाँ**
अंग	=	**भंग**	गाना	=	**माना**
जोर	=	**शोर**	हवा	=	**दवा**

4. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– निर्मम	=	**निर्मम शेर ने हिरण को मार डाला।**
गंध	=	**गुलाब की गंध मनमोहक होती है।**
झरना	=	**झरना पर्यटकों को बहुत आकर्षित करता है।**
मुक्ति	=	**मुक्ति ही जीवनाधार है।**
आशंका	=	**वाहन की तेज गति से दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।**

अभ्यास

पाठ-बोध

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (ii)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) **पार्क** या **बाग-बगीचों** की वायु शुद्ध होती है।

(ख) जब हम साँस लेते हैं तो **ऑक्सीजन** हमारे फेफड़ों में जाती है।

(ग) पेड़-पौधे **कार्बन डाइ-ऑक्साइड** को ग्रहण करते हैं।

(घ) **भोजन** के उपयोगी तत्व जल में घुलकर ही हमारे शरीर का पोषण करते हैं।

(ङ) **नदी** के किनारे कपड़े धोने तथा उसमें गंदगी बहाने से भी उसका जल अशुद्ध हो जाता है।

3. सही वाक्य के सामने सत्य तथा गलत वाक्य के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) सत्य (ख) असत्य (ग) सत्य (घ) सत्य (ङ) असत्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) पर्यावरण के अंतर्गत कई वस्तुएँ आ जाती हैं; जैसे–हमारे चारों ओर वायु का घेरा, भूमि, पानी, पेड़-पौधे, सूर्य का ताप आदि।

(ख) वायु में कई प्रकार की गैसें मिली रहती हैं जिनमें नाइट्रोजन और ऑक्सीजन की मात्रा सर्वाधिक होती है।

(ग) अशुद्ध वायु में कार्बन डाइ-ऑक्साइड, धूल के कण तथा अन्य विषैले पदार्थों के कण अधिक पाए जाते हैं।

(घ) जब हम साँस लेते हैं तो शुद्ध वायु की ऑक्सीजन हमारे फेफड़ों में जाती है। यह रक्त को शुद्ध करने का काम करती है, रक्त की गंदगी को कार्बन डाइ-ऑक्साइड के रूप में बाहर निकालती है।

(ङ) वायु के प्रदूषित होने के अनेक कारण हैं–कल कारखानों की चिमनियों से निकलता धुआँ, सड़कों पर चलने वाले वाहनों से निकलता हुआ धुआँ तथा गंदगी के कारण उनसे निकलने वाले विषैले तत्वों से वायु प्रदूषित हो जाती है। नगरों में जहाँ अनेक औद्योगिक केंद्र होते हैं तथा सड़कों पर अनेक वाहन चलते हैं, वहाँ की वायु बहुत प्रदूषित होती है।

(च) वाहनों, कल-कारखानों, मशीनों, लाउडस्पीकरों, रेलों, हवाई जहाजों आदि के शोर से ध्वनि प्रदूषण होता है।

(छ) अशुद्ध जल के सेवन से हैजा, पेचिश तथा पेट की अनेक बीमारियाँ हो जाती हैं।

(ज) हमारा कर्तव्य है कि हम पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए अपने घरों का कूड़ा-

करकट उसके लिए बनाए गए स्थान पर ही डालें तथा अपने आसपास के स्थानों, सड़कों तथा सार्वजनिक स्थानों को साफ रखें। साथ ही अधिक-से-अधिक वृक्ष लगाएँ और पहले से लगे हुए वृक्षों को हानि भी न पहुँचाएँ।

भाषा-बोध

1. 'दुर्बल' शब्द में 'दुर्' उपसर्ग का तथा 'सामाजिक' शब्द में 'इक' प्रत्यय का प्रयोग किया गया है।

'दुर्' उपसर्ग तथा 'इक' प्रत्यय के योग से बने तीन-तीन शब्द लिखिए–

उत्तर– 'दुर्' उपसर्ग = **दुर्गम दुर्मुख दुर्जन**

'इक' प्रत्यय = **आपराधिक दैनिक नैतिक**

2. कोष्ठक में दिए गए शब्दों के उपयुक्त रूपों द्वारा रिक्त स्थानों को पूरा कीजिए–

उत्तर– (क) रक्त की **शुद्धता** शुद्ध वायु पर निर्भर है।

(ख) आज पेड़-पौधों के संरक्षण की बहुत **आवश्यकता** है।

(ग) शुद्ध वायु की भाँति शुद्ध जल की **उपयोगिता** भी कम नहीं है।

(घ) व्यक्ति को अपने आसपास के वातावरण की **स्वच्छता** का ध्यान रखना चाहिए।

3. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए–

उत्तर– सर्वाधिक = **सर्व + अधिक** स्वच्छ = **सु + अच्छ**

अत्यंत = **अति + अंत** जीवाणु = **जीव + अणु**

आदर्श प्रश्न-पत्र-1

(अध्याय 1 से 12 पर आधारित)

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (i) (ख) (i)

2. रिक्त स्थान भरिए–

उत्तर– (क) सुभाषचंद्र बोस की माता जी का नाम **प्रभावती देवी** था।

(ख) गड़रिये को रत्नजड़ित **जूतियों** का एक जोड़ा मिला।

(ग) **पोर्ट लुई** मॉरीशस का सबसे प्राचीन नगर है।

(घ) गेंदे ने अपने लिए **पीला** और **सूरजमुखी** ने भी पीला रंग माँगा।

3. सही वाक्य के सामने सत्य तथा गलत वाक्य के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) असत्य (ख) सत्य (ग) सत्य (घ) असत्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) आई० सी० एस० की परीक्षा पास करते ही सुभाषचंद्र को उच्च पद पर सरकारी नौकरी मिलनी थी, पर उन्होंने विदेशी सरकार की नौकरी को लात मार दी और अपने लिए देश-सेवा का काम चुना।

(ख) भाग्य ने गड़रिये को अंततः सम्राट बना दिया। परंतु बुद्धिहीन गड़रिया अपनी ही जान पर आतुर हो गया। तब बुद्धि ने गड़रिये में प्रवेश किया और उसे सही राह दिखाई। यह सब देख भाग्य ने हार मान ली।

(ग) मॉरीशस के सागर तट विश्व प्रसिद्ध हैं। यहाँ बारहों मास तैराकी, गोताखोरी कर सकते हैं और मछली पकड़ सकते हैं। दूर-दूर तक फैला समुद्री पानी का झाग दूधिया नदी-सा प्रतीत होता है। प्रकृति का ऐसा दुर्लभ और अनूठा रूप देखकर मन ठगा-सा रह जाता है।

(घ) सूर्योदय के समय पृथ्वी पर चारों ओर कलरव होता है। ओंस की बूँदें मोती सी बिखरी होती हैं। रात्रि भर टिमटिमाते तारे अब छिपने लगते हैं। सुखद ठण्डी हवायें चल रही होती हैं।

5. दिए गए शब्दों के दो-दो पर्यायवाची लिखिए–

उत्तर– नयन = **नेत्र, दृग** आँसू = **अश्रू**
गगन = **नभ, आकाश** अंधकार = **तम, अँधेरा**

6. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर– रात्रि = **दिवा** सक्रिय = **निष्क्रिय**
निरपराध = **अपराधी** अर्थ = **अनर्थ**

7. निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए–

उत्तर– सम् + न्यासी = **संन्यासी** प्रति + एक = **प्रत्येक**
चिकित्सा + आलय = **चिकित्सालय** देह + अंत = **देहांत**

8. निम्नलिखित शब्दों से प्रत्यय अलग करके लिखिए–

उत्तर– द्रवित = **द्रव + इत** आर्थिक = **अर्थ + इक**
शिष्टता = **शिष्ट + ता** वांछनीय = **वांछ + अनीय**

आदर्श प्रश्न-पत्र-2

(अध्याय 13 से 23 पर आधारित)

1. सही विकल्प पर (✓) लगाइए–

उत्तर– (क) (ii) (ख) (iii)

2. निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– भाव–जिस प्रकार पिंजड़े में बंद चिड़िया बाहर उपस्थित खतरों की परवाह किए बिना मुक्त होना चाहती है, उसी प्रकार गुलाम व्यक्ति हर प्रकार के खतरे को जानते हुए भी स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करता है।

3. सही वाक्य के सामने सत्य तथा गलत वाक्य के सामने असत्य लिखिए–

उत्तर– (क) असत्य (ख) सत्य (ग) सत्य (घ) असत्य

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

उत्तर– (क) गांधी जी ने धर्म में उपस्थित आडंवरो जैसे छुआछूत, सांप्रदायिकता का विरोध

किया और आडंबर मुक्त समाज की राह दिखाई।

(ख) चेरापूँजी में लगभग पूरे वर्ष वर्षा होती रहती है।

(ग) उपचार में एक भूमिका चिकित्सक की भी है, यह मानने में कोई नुकसान नहीं। पर उसकी सहायता के लिए अन्यों को भी सहयोगी बनना चाहिए। इन अन्यों में दो पक्ष प्रमुख हैं–एक, रोगी का धैर्य, संयम और मनोबल; दूसरा, परिचर्या में भाग लेने वाला स्वजन-संबंधियों का परिकर! अस्पतालों में यह कार्य नर्सों और सेवा-कर्मचारियों के जिम्मे आता है।

(घ) सरोजिनी का पहला कविता-संग्रह 'गोल्डन थ्रैशेल्ड' के नाम से सन् 1905 ई० में प्रकाशित हुआ। इस पुस्तक से इंग्लैंड का साहित्य-जगत आश्चर्यचकित रह गया। साहित्यकारों, समालोचकों और समाचार-पत्रों ने एक स्वर से उसकी प्रशंसा की। सरोजिनी ने यह अंग्रेजी में लिखा था, क्योंकि वही भाषा उन्हें अच्छी तरह आती थी पर उनकी कविता के विषय थे; भारत की पृष्ठभूमि और इस देश की स्वस्थ सांस्कृतिक विशेषता। भारत ने इस सफलता पर सरोजिनी का अभिनंदन किया। दूसरा कविता-संग्रह 'दि बर्ड ऑफ टाइम' 1912 में निकाला। इसकी प्रशंसा करते हुए 'यार्क-शायर पोस्ट' नामक पत्र ने लिखा था, ''श्रीमती नायडू ने हमारी भाषा को तो समृद्ध किया ही है, पूर्वी देशों की भावना और आत्मा से भी हमारा निकट का संपर्क कराया है।'' तीसरी कविता-पुस्तक थी 'दि ब्रोकन विंग'। इसका प्रकाशन सन् 1917 ई० में हुआ।

5. निम्नलिखित अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए–

उत्तर– जो बीमार हो = **रोगी।**
जहाँ पहुँचना कठिन हो = **दुर्गम।**
जो सप्ताह में एक बार हो = **साप्ताहिक।**
जो ऊपर कहा गया हो = **उपर्युक्त।**

6. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

उत्तर– व्यस्त = **अव्यस्त** धर्म = **अधर्म**
अनावश्यक = **आवश्यक** यश = **अपयश**

7. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

उत्तर– राष्ट्र = **देश वतन** राजा = **नृप भूपति**
चिड़िया = **खग विहग** संसार = **जग जगत**

8. निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– निर्माण = **अच्छे राष्ट्र के निर्माण में सभी नागरिक योगदान करते हैं।**
आशंका = **वाहन की तेज गति से दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।**
योजना = **पंचवर्षीय योजना से भारत का विकास हुआ।**
मूसलाधार = **पूरे दिन मूसलाधार बारिश होती रही।**

Note